Next-Gen PSC

Future-Ready Prep. Anytime. Anywhere

मासिक करेंट अफ़ेयर्स | यूपीएससी सीएसई के लिए | जीएस I-IV, निबंध और प्रारंभिक

NextGenPsc

मासिक पत्रिका

जनवरी 2026 | हिंदी संस्करण



जीएस I | जीएस II | जीएस III | जीएस IV | निबंध | प्रारंभिक

महीने की सभी प्रमुख ख़बरें, मौलिक विश्लेषण, मानचित्र, चार्ट और अभ्यास के साथ

इस अंक में

किसी भी विषय की टाइल या शीर्षक पर टैप करके सीधे वहाँ पहुँचें। जीएस प्रश्नपत्र के अनुसार देखने के लिए अपने पीडीएफ़ रीडर का बुकमार्क पैनल खोलें, और पुनरावृत्ति करते हुए विषय-सूची के बॉक्स में निशान लगाएँ।

इतिहास
GS 1 | 1 खंड | पृ. 6
वंदे मातरम् के 150 वर्ष

कला और संस्कृति
GS 1 | 1 खंड | पृ. 7
गणतंत्र दिवस 2026

भूगोल
GS 1 | 1 खंड | पृ. 8
अरावली परिभाषा मामला

भारतीय समाज
GS 1 | 1 खंड | पृ. 9
डिजिटल लत और छात्र

अंतरराष्ट्रीय संबंध
GS 2 | 7 खंड | पृ. 11
भारत-EU FTA, वेनेज़ुएला में अमेरिकी अभियान, ग्रीनलैंड और बोर्ड ऑफ़ पीस, ईरान और द्वितीयक प्रशुल्क, भारत-UAE रक्षा साझेदारी, भारत-अरब लीग बैठक, भारत की BRICS अध्यक्षता

राजव्यवस्था
GS 2 | 3 खंड | पृ. 20
धारा 17A पर विभाजित निर्णय, राज्यपाल का अभिभाषण, ED और रिट याचिका

शासन
GS 2 | 2 खंड | पृ. 22
जनगणना 2027, सहकारी समितियाँ

सामाजिक न्याय
GS 2 | 3 खंड | पृ. 24
VB-G RAM G अधिनियम, UGC समता विनियम, मासिक धर्म स्वास्थ्य

अर्थव्यवस्था
GS 3 | 6 खंड | पृ. 28
आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य, स्टार्टअप इंडिया @10, बैंक धोखाधड़ी, बहुत कम मुद्रास्फीति, भूमि अधिग्रहण

पर्यावरण
GS 3 | 1 खंड | पृ. 31
EU CBAM

कृषि
GS 3 | 1 खंड | पृ. 35
कृषि संकट

विज्ञान और प्रौद्योगिकी
GS 3 | 6 खंड | पृ. 36
गगनयान और अंतरिक्ष क्षमता, PSLV-C62 विफलता, AI शासन, शांति अधिनियम और LWR, सैन्य क्वांटम मिशन, अंतरिक्ष: स्वास्थ्य और पेटेंट

आपदा प्रबंधन
GS 3 | 1 खंड | पृ. 42
हिमालयी आपदाएँ

आंतरिक सुरक्षा
GS 3 | 1 खंड | पृ. 44
साइबर युद्ध

नीतिशास्त्र
GS 4 | 2 खंड | पृ. 45
केस स्टडी: फ़ास्ट-ट्रैक फ़ाइल, समाचारों में नीतिशास्त्र

निबंध
निबंध | 1 खंड | पृ. 47
निबंध कॉर्नर

इतिहास
प्रारंभिक | 1 खंड | पृ. 48
इतिहास और संस्कृति

कला और संस्कृति
प्रारंभिक | 1 खंड | पृ. 48
संस्कृति और व्यक्तित्व

भूगोल
प्रारंभिक | 1 खंड | पृ. 49
भूगोल: घटनाएँ और संसाधन

अंतरराष्ट्रीय संबंध
प्रारंभिक | 2 खंड | पृ. 50
समाचारों में स्थान, अंतरराष्ट्रीय संबंध नोट्स

राजव्यवस्था
प्रारंभिक | 2 खंड | पृ. 50
राजव्यवस्था: त्वरित नोट्स, राजव्यवस्था: और नोट्स

सामाजिक न्याय
प्रारंभिक | 1 खंड | पृ. 52
समाज और कल्याण योजनाएँ

अर्थव्यवस्था
प्रारंभिक | 2 खंड | पृ. 54
अर्थव्यवस्था नोट्स, अर्थव्यवस्था: और नोट्स

पर्यावरण
प्रारंभिक | 3 खंड | पृ. 56
पर्यावरण: नियम और रिपोर्ट, पर्यावरण: और नोट्स, प्रजातियाँ और स्थान

विज्ञान और प्रौद्योगिकी
प्रारंभिक | 2 खंड | पृ. 60
विज्ञान-प्रौद्योगिकी नोट्स, विज्ञान-प्रौद्योगिकी: और नोट्स

पुनरावृत्ति
पुनरावृत्ति | 3 खंड | पृ. 63
अन्य त्वरित तथ्य, अभ्यास प्रश्न, आधिकारिक स्रोत

स्रोत
पुनरावृत्ति | 1 खंड | पृ. 71
स्रोत और टिप्पणियाँ

इस माह की प्रमुख ख़बरें

- **भारत-EU मुक्त व्यापार समझौता (FTA):** लगभग दो दशकों के बाद 'सभी समझौतों की जननी' संपन्न।
- **आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26:** 7.4% वृद्धि और 'अनुकूलन के रूप में विकास' का तर्क।
- **धारा 17A पर विभाजित निर्णय:** लोक सेवकों की जाँच के लिए पूर्व अनुमति का प्रश्न बड़ी पीठ को भेजा गया।
- **मासिक धर्म स्वास्थ्य:** सर्वोच्च न्यायालय ने इसे जीवन के अधिकार का हिस्सा बनाया।
- **चरम घटनाओं का वर्ष:** 334 में से 331 दिनों पर चरम मौसम, और हिमालय को किस चीज़ की ज़रूरत है।

पत्रिका कैसे पढ़ें

मानचित्र | चार्ट | मुख्य बिंदु | क्या आप जानते हैं? | प्रारंभिक संकेत | पुनरावृत्ति बॉक्स

इस अंक के बारे में

- नए NextGenPsc डिज़ाइन में जनवरी 2026 का संपूर्ण संस्करण: सभी सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र, निबंध और प्रारंभिक परीक्षा, मानचित्रों, चार्टों, तथ्य बॉक्सों और अभ्यास प्रश्नों सहित।
- तथ्य 31 जनवरी 2026 तक जैसे बताए गए, वैसे दिए गए हैं। कई घटनाक्रम उसके बाद भी आगे बढ़ते रहे, इसलिए किसी उत्तर में उपयोग करने से पहले बाद की जानकारी अवश्य देखें।
- मानचित्र स्थान-आरेख हैं (अक्षांश और देशांतर के अनुसार बिंदु, कोई सीमाएँ नहीं)। भारत की सीमाओं के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग का आधिकारिक मानचित्र देखें।

विषय-सूची

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I: इतिहास, संस्कृति, भूगोल, समाज

01 वंदे मातरम् के 150 वर्ष: स्वतंत्रता संग्राम का एक गीत इतिहास 6
02 गणतंत्र दिवस 2026: वंदे मातरम् के 150 वर्ष, और पद्म पुरस्कार कला और संस्कृति 7
03 अरावली परिभाषा मामला: सर्वोच्च न्यायालय ने रोक बढ़ाई, विशेषज्ञ समीक्षा की ओर कदम भूगोल 8
04 डिजिटल लत और छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य भारतीय समाज 9

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II: राजव्यवस्था, शासन, सामाजिक न्याय, अंतरराष्ट्रीय संबंध

05 भारत-EU मुक्त व्यापार समझौता संपन्न: 'सभी समझौतों की जननी' और आगे क्या अंतरराष्ट्रीय संबंध 11
06 वेनेज़ुएला में अमेरिकी अभियान और भारत के संयमित शब्द अंतरराष्ट्रीय संबंध 11
07 ग्रीनलैंड, दावोस और 'बोर्ड ऑफ़ पीस': सहयोगियों पर प्रशुल्क और एक नया वैश्विक निकाय अंतरराष्ट्रीय संबंध 13
08 ईरान में अशांति और 25% द्वितीयक प्रशुल्क: भारत के संतुलन की परीक्षा अंतरराष्ट्रीय संबंध 15
09 भारत-UAE: तीन घंटे की यात्रा और रणनीतिक रक्षा साझेदारी की राह अंतरराष्ट्रीय संबंध 16
10 भारत-अरब लीग: दिल्ली में दूसरी भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक अंतरराष्ट्रीय संबंध 18
11 भारत ने BRICS की अध्यक्षता संभाली: लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण अंतरराष्ट्रीय संबंध 19
12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17A: लोक सेवकों की जाँच हेतु पूर्व अनुमति पर विभाजित निर्णय राजव्यवस्था 20
13 जब राज्यपाल सदन छोड़ दें: अनुच्छेद 176 और राज्यपाल का अभिभाषण राजव्यवस्था 21
14 क्या ED रिट याचिका दायर कर सकता है? सर्वोच्च न्यायालय एजेंसी की अधिकारिता (लोकस) की जाँच करेगा राजव्यवस्था 22
15 जनगणना 2027: पहला चरण अधिसूचित, भारत की पहली डिजिटल जनगणना शासन 22
16 सहकारी समितियाँ: आकार से मज़बूती की ओर शासन 24
17 VB-G RAM G अधिनियम: भारत ने मनरेगा की जगह 125 दिन की गारंटी लागू की सामाजिक न्याय 24
18 UGC समता विनियम, 2026: 13 जनवरी को अधिसूचित, 29 जनवरी को रोक सामाजिक न्याय 25
19 मासिक धर्म स्वास्थ्य जीवन के अधिकार का हिस्सा: सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूलों में मुफ़्त पैड और शौचालय का आदेश दिया सामाजिक न्याय 26

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III: अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, सुरक्षा

20 आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26: स्थिर संवृद्धि, ऊँची संभावित दर और अनुकूलन का तर्क अर्थव्यवस्था 28
21 वैश्विक परिदृश्य: जनवरी 2026 की IMF, विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र और WEF रिपोर्टें अर्थव्यवस्था 29
22 स्टार्टअप इंडिया के दस वर्ष: राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2026 अर्थव्यवस्था 30
23 यूरोपीय संघ का CBAM निर्णायक चरण में: भारतीय निर्यातकों के लिए कार्बन सीमा पर्यावरण 31
24 बैंक धोखाधड़ी: मामले कम, रकम कहीं अधिक अर्थव्यवस्था 32
25 सहज सीमा से नीचे मुद्रास्फीति: राहत या जोखिम? अर्थव्यवस्था 33
26 भूमि अधिग्रहण: अवसंरचना पर सबसे बड़ा ब्रेक अर्थव्यवस्था 34
27 कृषि संकट: आत्महत्या के आँकड़े क्या बताते हैं कृषि 35
28 PSLV-C62 के बाद: गगनयान की समय-सारिणी और भारत की अंतरिक्ष क्षमता की समस्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी 36
29 PSLV-C62: एक वर्ष से कम समय में तीसरे चरण में दूसरी विसंगति विज्ञान और प्रौद्योगिकी 37

30 डिज़ाइन द्वारा शासन: AI के प्रति भारत का तकनीकी-विधिक दृष्टिकोण विज्ञान और प्रौद्योगिकी 38
31 शांति (SHANTI) अधिनियम और हल्के जल रिएक्टर: भारत का दोहरा परमाणु मार्ग विज्ञान और प्रौद्योगिकी 39
32 रक्षा के लिए क्वांटम: सैन्य क्वांटम मिशन नीति ढाँचा विज्ञान और प्रौद्योगिकी 40
33 पृथ्वी के लिए अंतरिक्ष और कक्षा में क़ानून: स्वास्थ्य सेवा में स्पिन-ऑफ़ और अंतरिक्ष में पेटेंट विज्ञान और प्रौद्योगिकी 41
34 चरम घटनाओं का वर्ष: हिमालयी आपदाएँ और समुदाय-आधारित जोखिम न्यूनीकरण आपदा प्रबंधन 42
35 साइबर युद्ध: सहायक उपकरण से युद्ध के हथियार तक आंतरिक सुरक्षा 44

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र IV: नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि

36 केस स्टडी: फ़ास्ट-ट्रैक फ़ाइल नीतिशास्त्र 45
37 समाचारों में नीतिशास्त्र: जनवरी की सुर्ख़ियों के पीछे के मूल्य नीतिशास्त्र 46

निबंध

38 निबंध कॉर्नर: इस महीने के विषय निबंध 47

प्रारंभिक परीक्षा फ़ोकस

39 इतिहास, कला और संस्कृति: त्वरित नोट्स इतिहास 48
40 संस्कृति, विरासत और व्यक्तित्व: प्रारंभिक परीक्षा के लिए और नोट्स कला और संस्कृति 48
41 भूगोल: समाचारों में घटनाएँ और संसाधन भूगोल 49
42 समाचारों में स्थान: मानचित्र पर जनवरी 2026 अंतरराष्ट्रीय संबंध 50
43 राजव्यवस्था और शासन: त्वरित नोट्स राजव्यवस्था 50
44 राजव्यवस्था, अधिकार और शासन: प्रारंभिक परीक्षा के लिए और नोट्स राजव्यवस्था 51
45 समाज, शिक्षा और कल्याणकारी योजनाएँ: त्वरित नोट्स सामाजिक न्याय 52
46 अंतरराष्ट्रीय संबंध और आंतरिक सुरक्षा: त्वरित नोट्स अंतरराष्ट्रीय संबंध 53
47 अर्थव्यवस्था और कृषि: त्वरित नोट्स अर्थव्यवस्था 54
48 अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और वित्त: प्रारंभिक परीक्षा के लिए और नोट्स अर्थव्यवस्था 55
49 पर्यावरण और पारिस्थितिकी: नियम, रिपोर्ट और परियोजनाएँ पर्यावरण 56
50 पर्यावरण और भूगोल: प्रारंभिक परीक्षा के लिए और नोट्स पर्यावरण 57
51 चर्चा में रही प्रजातियाँ, स्थान और संरक्षित क्षेत्र पर्यावरण 58
52 विज्ञान और प्रौद्योगिकी: त्वरित नोट्स विज्ञान और प्रौद्योगिकी 60
53 विज्ञान और प्रौद्योगिकी: प्रारंभिक परीक्षा के लिए और नोट्स विज्ञान और प्रौद्योगिकी 61

पुनरावृत्ति

54 प्रारंभिक परीक्षा के लिए अन्य त्वरित तथ्य पुनरावृत्ति 63
55 अभ्यास प्रश्न: प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा पुनरावृत्ति 64
56 बुकमार्क करने योग्य आधिकारिक स्रोत पुनरावृत्ति 71
57 स्रोत और टिप्पणियाँ स्रोत 71

01 | इतिहास GS 1

वंदे मातरम् के 150 वर्ष: स्वतंत्रता संग्राम का एक गीत

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: आधुनिक भारतीय इतिहास (स्वतंत्रता संग्राम); भारतीय संस्कृति

संदर्भ

26 जनवरी 2026 को भारत की 77वीं गणतंत्र दिवस परेड का विषय 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष' था। राष्ट्रीय गीत का वर्ष भर चलने वाला स्मरणोत्सव 7 नवंबर 2025 को शुरू हुआ। यह वर्षगाँठ इस बात को दोहराने का अच्छा अवसर है कि यह गीत एक उपन्यास से निकलकर राष्ट्रीय आंदोलन के केंद्र में कैसे पहुँचा।

मुख्य बिंदु

- **1875:** बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने संस्कृत और बांग्ला के मिश्रण में यह गीत लिखा।
- **1882:** यह उनके उपन्यास आनंदमठ में प्रकाशित हुआ, जिसकी पृष्ठभूमि 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में बंगाल का संन्यासी विद्रोह है।
- **1896:** रवींद्रनाथ टैगोर ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इसे गाया।
- **1905 से आगे:** बंगाल विभाजन के विरुद्ध स्वदेशी आंदोलन में 'बंदे मातरम्' एकजुटता का नारा बन गया।
- **1937:** कांग्रेस कार्यसमिति ने राष्ट्रीय अवसरों के लिए पहले दो छंदों को अपनाया।
- **24 जनवरी 1950:** राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा में कहा कि इसे राष्ट्रगान के समान सम्मान दिया जाएगा।

वर्ष	घटना	यह क्यों महत्वपूर्ण है
1875 / 1882	गीत की रचना; आनंदमठ में प्रकाशन	राष्ट्रीय आंदोलन को मातृभूमि की एक भावनात्मक छवि दी
1905-1911	स्वदेशी और विभाजन-विरोधी आंदोलन	गीत को जन-नारा बना दिया; औपनिवेशिक सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर इस पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया
1907	स्टटगार्ट में भीकाजी कामा का ध्वज	उनके द्वारा फहराए गए ध्वज पर 'वंदे मातरम्' शब्द अंकित थे
1937	दो छंद अपनाए गए	बाद के छंदों की प्रतिमा-योजना पर आपत्तियों को लेकर एक समझौता
1950	राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता	जन गण मन के समान सम्मान, जो राष्ट्रगान है

क्या आप जानते हैं?

1906 में शुरू हुआ अंग्रेज़ी दैनिक 'बंदे मातरम्' स्वदेशी वर्षों के कुछ सबसे प्रखर राष्ट्रवादी लेखन का वाहक बना; अरविंद घोष इसके संपादकों में थे।

विश्लेषण

यह गीत दिखाता है कि स्वतंत्रता संग्राम में संस्कृति और राजनीति ने एक-दूसरे को कैसे पोषित किया। इसकी शक्ति एक राजनीतिक विचार, अर्थात् राष्ट्र, को एक पवित्र छवि में बदलने से आई, जिसे आम लोग अनुभव कर सकते थे। इसी प्रतिमा-योजना के कारण इसके बाद के छंद विवादित हुए, और इसीलिए 1937 के समझौते में केवल पहले दो छंद रखे गए। मुख्य परीक्षा के लिए इसे जन-लामबंदी में साहित्य, प्रेस और प्रतीकों की भूमिका से जोड़ें।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- लेखक: बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय; उपन्यास: आनंदमठ (1882)।
- राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान दोनों 24 जनवरी 1950 को अपनाए गए।
- अनुच्छेद 51A(a) और राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 राष्ट्रगान और ध्वज को कवर करते हैं, राष्ट्रीय गीत को नहीं।

02 | कला और संस्कृति | GS 1

गणतंत्र दिवस 2026: वंदे मातरम् के 150 वर्ष, और पद्म पुरस्कार

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: भारतीय संस्कृति; आधुनिक भारतीय इतिहास (स्वतंत्रता संग्राम) | GS2: संवैधानिक प्रावधान (राष्ट्रीय प्रतीक)

संदर्भ

भारत ने 26 जनवरी 2026 को 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष' विषय के साथ अपना 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया। मुख्य अतिथि यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन थे। झाँकियाँ दो विषयों पर आयोजित की गईं: 'स्वतंत्रता का मंत्र - वंदे मातरम्' और 'समृद्धि का मंत्र - आत्मनिर्भर भारत'। विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 10,000 विशेष अतिथि आमंत्रित किए गए, लगभग 2,500 कलाकारों ने प्रस्तुति दी, और सेना ने पहली बार युद्ध-व्यूह (बैटल-ऐरे) प्रारूप का प्रदर्शन किया। गीत के छंदों को चित्रित करने वाली, तेजेंद्र कुमार मित्र द्वारा 1923 में बनाई गई चित्रकृतियाँ कर्तव्य पथ पर प्रदर्शित की गईं।

संस्कृति मंत्रालय की झाँकी, जिसे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) ने बनाया था, में मूल पांडुलिपि की प्रतिकृति, देश भर के लोक कलाकार, और विष्णुपंत पागनीस की ऐतिहासिक रिकॉर्डिंग से प्रेरित शैली में गीत प्रस्तुत करता एक युवा समूह शामिल था।

वंदे मातरम्: मूल बातें

- बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में इसे लिखा और बाद में अपने उपन्यास आनंदमठ (1882) में शामिल किया।
- रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इसे गाया।
- 1905 के बंगाल विभाजन के बाद यह स्वदेशी आंदोलन का एकजुटता-नारा बन गया।
- 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा में कहा कि इसे राष्ट्रगान जन गण मन के समान सम्मान दिया जाएगा।
- इसके 150वें वर्ष का वर्ष भर चलने वाला स्मरणोत्सव 7 नवंबर 2025 को शुरू हुआ।

क्या आप जानते हैं?

पद्म पुरस्कार नागरिक सम्मान हैं, उपाधियाँ नहीं। बालाजी राघवन (1995) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ये अनुच्छेद 18 का उल्लंघन नहीं करते, लेकिन प्राप्तकर्ताओं को इन्हें अपने नाम के आगे या पीछे नहीं लगाना चाहिए।

पद्म पुरस्कार 2026 (25 जनवरी को घोषित)

- 131 पुरस्कार: 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण, 113 पद्म श्री। 19 प्राप्तकर्ता महिलाएँ हैं, 16 पुरस्कार मरणोपरांत हैं, और 6 विदेशियों/NRI/PIO/OCI को दिए गए हैं।
- **पद्म विभूषण:** धर्मेंद्र (मरणोपरांत), वी.एस. अच्युतानंदन (मरणोपरांत), न्यायमूर्ति के.टी. थॉमस, वायलिन वादक एन. राजम और पी. नारायणन।
- **पद्म भूषण (चयनित):** शिबू सोरेन (मरणोपरांत), पीयूष पांडे (मरणोपरांत), मम्मूटी, अलका याग्निक, उदय कोटक और विजय अमृतराज।
- **पद्म श्री (चयनित):** क्रिकेटर रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर, साथ ही ज़मीनी स्तर के अनेक 'गुमनाम नायक'।

विश्लेषण

राष्ट्रीय गीत का प्रतीकात्मक महत्व बहुत अधिक है, लेकिन इसकी कानूनी स्थिति राष्ट्रगान से भिन्न है। मौलिक कर्तव्य अनुच्छेद 51A(a) में ध्वज और राष्ट्रगान का उल्लेख है, और राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान की रक्षा करता है, राष्ट्रीय गीत की नहीं। 150वें वर्ष ने इस बहस को फिर से जगा दिया है कि क्या इसे बदलना चाहिए, और गीत के बाद के छंदों के उपयोग पर भी। एक अच्छा उत्तर स्वतंत्रता संग्राम में गीत की भूमिका को कांग्रेस कार्यसमिति के 1937 के उस निर्णय के साथ प्रस्तुत करता है जिसमें केवल पहले दो छंद अपनाए गए थे, और यही रूप राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्य है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- पद्म पुरस्कार 1954 में स्थापित हुए; इनकी घोषणा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर होती है और ये अनुच्छेद 18 के तहत 'उपाधियाँ' नहीं हैं (बालाजी राघवन, 1995)।
- राष्ट्रीय गीत: वंदे मातरम्; राष्ट्रगान: जन गण मन (टैगोर द्वारा रचित); दोनों 24 जनवरी 1950 को अपनाए गए।
- कर्तव्य पथ को पहले राजपथ कहा जाता था।

03 | भूगोल GS 1

अरावली परिभाषा मामला: सर्वोच्च न्यायालय ने रोक बढ़ाई, विशेषज्ञ समीक्षा की ओर कदम

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: भौतिक भूगोल (पर्वत तंत्र) | GS3: संरक्षण, पर्यावरण क्षरण | GS2: न्यायपालिका

संदर्भ

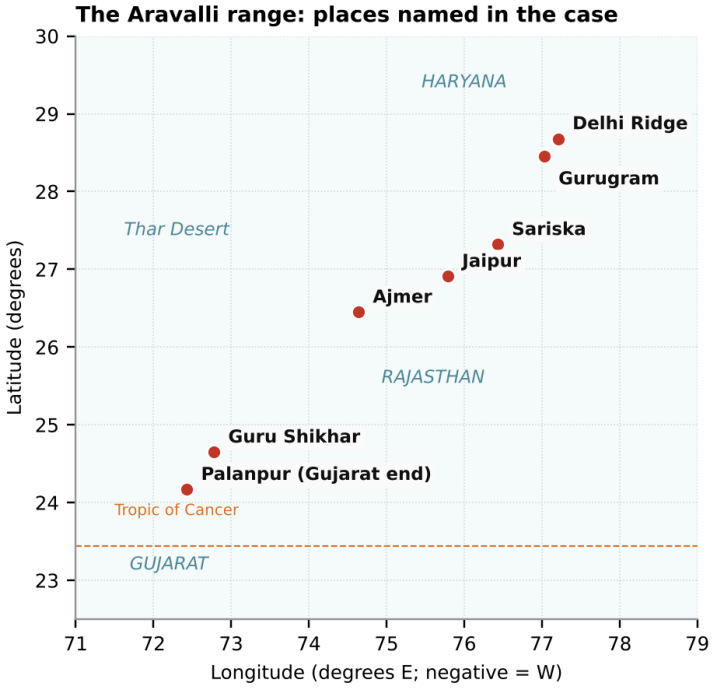
20 नवंबर 2025 को सर्वोच्च न्यायालय ने पर्यावरण मंत्रालय की एक समिति द्वारा सुझाई गई अरावली पहाड़ियों और श्रेणियों की एक समान परिभाषा स्वीकार की, जो स्थानीय भू-भाग से कम से कम **100 मीटर** ऊपर उठी भू-आकृतियों से जुड़ी थी, और श्रेणी में नए खनन पट्टों पर रोक लगा दी। विशेषज्ञों और नागरिक समूहों ने चेतावनी दी कि ऊँचाई की यह कसौटी श्रेणी के बड़े हिस्से को संरक्षण से बाहर कर सकती है, और राजस्थान तथा हरियाणा में विरोध-प्रदर्शन हुए। स्वतः संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने 29 दिसंबर 2025 को अपने नवंबर के निर्देशों को स्थगित रखा और एक उच्चाधिकार प्राप्त विशेषज्ञ समिति का प्रस्ताव किया।

21 जनवरी 2026 को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने इस स्थगन को बढ़ा दिया। पीठ ने कहा कि वह न्यायालय की निगरानी में काम करने वाली क्षेत्र-विशेषज्ञों की एक समिति गठित करेगी, जो खनन और संबंधित मुद्दों की व्यापक जाँच करेगी, और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल तथा न्याय-मित्र (एमिकस क्यूरी) से चार सप्ताह के भीतर पर्यावरणविदों और खनन वैज्ञानिकों के नाम सुझाने को कहा। न्यायालय ने टिप्पणी की कि अवैध खनन से अपरिवर्तनीय क्षति हो सकती है और राजस्थान के इस आश्वासन को दर्ज किया कि कोई अनधिकृत खनन नहीं होगा।

न्यायालय के समक्ष प्रश्न

- क्या 100 मीटर की ऊँचाई-सीमा, जिसमें पहाड़ियों को केवल तभी एक श्रेणी माना जाए जब वे एक-दूसरे से 500 मीटर के भीतर हों, संरक्षित क्षेत्र को सिकोड़ देती है?
- क्या पारिस्थितिक निरंतरता को तोड़े बिना पहाड़ियों के बीच के अंतरालों में 'विनियमित खनन' की अनुमति दी जा सकती है?
- परिभाषा राज्यों के खनन राजस्व और श्रेणी के पारिस्थितिक कार्यों के बीच संतुलन कैसे बनाए?

अरावली क्यों महत्वपूर्ण है



मानचित्र. स्थान-आरेख: अरावली श्रेणी, मामले में उल्लिखित स्थान। बिंदु अक्षांश और देशांतर के अनुसार अंकित; सीमाएँ नहीं दिखाई गईं। यह श्रेणी गुजरात से दिल्ली तक लगभग 690 किमी दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर फैली है।

- **मरुस्थलीकरण के विरुद्ध अवरोध:** यह श्रेणी थार मरुस्थल और धूल के सिंधु-गंगा मैदान की ओर पूर्व दिशा में प्रसार को धीमा करती है।
- **जल:** दरारयुक्त चट्टानें राजस्थान, हरियाणा और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कुछ भागों में भूजल का पुनर्भरण करती हैं।

- **जैव विविधता और जलवायु:** यह वन्यजीव गलियारे (उदाहरण के लिए सरिस्का के आसपास) और दिल्ली रिज बनाती है, तथा NCR की वायु गुणवत्ता और गर्मी को संतुलित करती है।

विश्लेषण

यह मामला किसी पारितंत्र को एक ही भौतिक माप से परिभाषित करने की सीमाओं को दर्शाता है। ऊँचाई का नियम लागू करना आसान है, लेकिन पारिस्थितिक मूल्य निरंतरता, निचली पहाड़ियों और उनके बीच की भूमि में निहित है। न्यायालय का विशेषज्ञ निकाय की ओर रुख एहतियाती सिद्धांत को दर्शाता है। एक टिकाऊ समाधान में विज्ञान-आधारित मानचित्र, अवैध खनन के विरुद्ध सख़्त प्रवर्तन, और अरावली ग्रीन वॉल परियोजना के तहत पुनर्स्थापन को जोड़ा जाएगा।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- अरावली: विश्व के सबसे पुराने वलित पर्वत तंत्रों में से एक, जो गुजरात से राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक लगभग 690 किमी तक फैला है।
- सबसे ऊँची चोटी: गुरु शिखर (लगभग 1,722 मीटर), माउंट आबू, राजस्थान।
- अरावली ग्रीन वॉल परियोजना (2023): चार राज्यों में श्रेणी के चारों ओर एक हरित बफ़र विकसित करने की पर्यावरण मंत्रालय की पहल।

04 | भारतीय समाज GS 1

डिजिटल लत और छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: सामाजिक मुद्दे, युवा | GS2: स्वास्थ्य, शिक्षा

संदर्भ

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 (29 जनवरी) ने डिजिटल लत को एक बढ़ती सार्वजनिक स्वास्थ्य और उत्पादकता समस्या के रूप में रेखांकित किया। उसी महीने सर्वोच्च न्यायालय ने अमित कुमार बनाम भारत संघ मामले में उच्च शिक्षा में छात्र आत्महत्याओं पर अंतरिम निर्देश जारी किए, जो पूर्व न्यायाधीश एस. रवींद्र भट की अध्यक्षता में 2025 में न्यायालय द्वारा गठित राष्ट्रीय कार्य बल (नेशनल टास्क फ़ोर्स) के काम पर आधारित थे।

डिजिटल लत: सर्वेक्षण की चिंताएँ

- स्मार्टफ़ोन और इंटरनेट की लगभग सार्वभौमिक पहुँच का अर्थ है निरंतर संपर्क, विशेषकर किशोरों और युवा वयस्कों के लिए।
- प्लेटफ़ॉर्म जुड़ाव बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए जाते हैं (ऑटोप्ले, अनंत स्क्रॉल, सूचनाएँ), जो बाध्यकारी उपयोग को बढ़ावा दे सकते हैं।
- इससे जुड़ी हानियों में ख़राब नींद, चिंता, ध्यान और सीखने में कमी, साइबर बुलिंग और ऑनलाइन जुए में नुकसान शामिल हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम निर्देश (जैसा बताया गया)

- उच्च शिक्षण संस्थानों को छात्र आत्महत्याओं की सूचना देनी होगी और नियामकों को वार्षिक अनुपालन रिपोर्ट देनी होगी; 15-29 आयु वर्ग के आँकड़े केंद्रीय स्तर पर एकत्र किए जाने चाहिए।
- संस्थानों में रिक्त नेतृत्व और संकाय पदों को चार महीने के भीतर भरा जाना चाहिए।
- मौजूदा सुरक्षा उपायों का सख़्त अनुपालन: रैगिंग-विरोधी समितियाँ, भेदभाव-विरोधी अधिकारी, आंतरिक शिकायत समितियाँ, और परामर्शदाताओं तथा चिकित्सा सहायता तक पहुँच।
- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) ने 2022 में लगभग 13,000 छात्र आत्महत्याएँ दर्ज कीं, और छात्र आत्महत्याएँ कुल आत्महत्याओं की तुलना में तेज़ी से बढ़ रही हैं।

उपलब्ध नीतिगत उपकरण

- **ऑनलाइन गेमिंग (संवर्धन और विनियमन) अधिनियम, 2025:** वास्तविक धन वाले ऑनलाइन खेलों पर प्रतिबंध लगाता है और ई-स्पोर्ट्स तथा सामाजिक खेलों को बढ़ावा देता है।
- **DPDP नियम, 2025:** बच्चों के व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण से पहले सत्यापन-योग्य अभिभावकीय सहमति अनिवार्य करते हैं।
- **स्वास्थ्य प्रणाली:** राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, टेली-मानस हेल्पलाइन (14416) और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017।
- **परिसर:** विद्यालयों में आत्महत्या की रोकथाम के लिए उम्मीद (UMMEED) दिशानिर्देश (2023) और राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति (2022), जिसका लक्ष्य 2030 तक आत्महत्या से होने वाली मौतों में 10% कमी लाना है।

आगे की राह

विद्यालयों और महाविद्यालयों में डिजिटल कल्याण शिक्षा, प्लेटफ़ॉर्मों के लिए आयु-उपयुक्त डिज़ाइन नियम, परिसरों में अधिक प्रशिक्षित परामर्शदाता, शैक्षणिक और वित्तीय दबाव में कमी (कोचिंग केंद्रों सहित), और जाति तथा अन्य प्रकार के भेदभाव से निपटना, जिसे न्यायालय और कार्य बल ने एक कारक के रूप में पहचाना। परिवार और साथियों का सहयोग सहायता की पहली पंक्ति बना हुआ है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 ने गंभीर तनाव की उपधारणा करके आत्महत्या के प्रयास को अपराध की श्रेणी से बाहर किया (धारा 115)।
- राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति (2022) भारत की पहली ऐसी रणनीति थी।
- टेली-मानस हेल्पलाइन: 14416 या 1-800-891-4416।

05 | अंतरराष्ट्रीय संबंध GS 2

भारत-EU मुक्त व्यापार समझौता संपन्न: 'सभी समझौतों की जननी' और आगे क्या

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह | GS3: बाह्य क्षेत्र, व्यापार समझौते

संदर्भ

27 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में 16वें भारत-EU शिखर सम्मेलन में भारत और यूरोपीय संघ (EU) ने मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर वार्ता के समापन की घोषणा की। EU के शीर्ष नेता, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, एक दिन पहले गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि थे। वार्ता 2007 में शुरू हुई, 2013 में रुक गई और जून 2022 में फिर से शुरू हुई। वॉन डेर लेयेन ने इसे 'सभी समझौतों की जननी' (मदर ऑफ़ ऑल डील्स) कहा। शिखर सम्मेलन में EU-भारत सुरक्षा और रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर भी हुए और गतिशीलता तथा प्रवासन समझौते पर सहमति बनी।

मुख्य बिंदु

- **पैमाना:** लगभग 2 अरब लोगों, वैश्विक GDP के लगभग एक-चौथाई और विश्व व्यापार के एक-तिहाई को कवर करने वाला मुक्त व्यापार क्षेत्र, जैसा EU ने प्रस्तुत किया।
- **प्रशुल्क (टैरिफ़):** EU के अनुसार उसके निर्यातक हर वर्ष शुल्क में लगभग 4 अरब यूरो बचाएँगे, और उदारीकरण का दायरा भारत के लिए लगभग 96.6% तथा EU के लिए 99.3% तक पहुँचता है।
- **प्रशुल्क से आगे:** सेवाओं, डिजिटल व्यापार, बौद्धिक संपदा, मानकों और पेशेवर गतिशीलता पर अध्याय। इस समझौते के तहत भारत WTO के सरकारी खरीद समझौते (GPA) में शामिल नहीं होता।
- **अभी पूरा नहीं:** घोषणा के समय कानूनी पाठ प्रकाशित नहीं हुआ था; लागू होने के लिए हस्ताक्षर, यूरोपीय संसद की सहमति और भारत द्वारा अनुसमर्थन आवश्यक है। एक अलग निवेश संरक्षण समझौते पर अभी वार्ता चल रही है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **विविधीकरण।** संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ प्रशुल्क अनिश्चितता का सामना करते हुए भारत ने व्यापक FTA कार्यक्रम आगे बढ़ाया है: UK, EFTA (अक्टूबर 2025 से लागू), और अब EU। EU पहले से ही भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में था, 2024 में वस्तु व्यापार लगभग 124 अरब यूरो रहा।
- **श्रम-प्रधान निर्यात।** वस्त्र, परिधान, चमड़ा और ऐसे ही क्षेत्र एक बड़े आयात बाज़ार में बेहतर पहुँच की उम्मीद करते हैं, जहाँ कई प्रतिस्पर्धियों को पहले से अधिमान्य पहुँच प्राप्त है।
- **रणनीतिक परत।** रक्षा और सुरक्षा साझेदारी, और उससे पहले हुई जर्मनी यात्रा, दिखाती है कि यूरोप एक बिखरती व्यवस्था में भारत को एक 'विश्वसनीय साझेदार' के रूप में देख रहा है।

चिंताएँ और आगे की राह

- **कार्बन सीमा।** यह समझौता EU के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (CBAM) को समाप्त नहीं करता, जिसके तहत जनवरी 2026 से शुल्क लगना शुरू हुआ (CBAM लेख देखें)। इस्पात और एल्युमिनियम के निर्यातक जोखिम में बने हुए हैं।
- **संवेदनशील क्षेत्र।** प्रस्ताव में घरेलू कृषि और डेयरी को संरक्षित रखा गया, लेकिन पाठ सार्वजनिक होने पर विवरण मायने रखेंगे।
- **अनुसमर्थन का जोखिम।** EU की मंज़ूरी में यूरोपीय संसद शामिल है और इसमें समय लग सकता है। निवेश समझौते और उत्पत्ति के नियमों (रूल्स ऑफ़ ओरिजिन) पर नज़र रखें।

क्या आप जानते हैं?

EU एक सीमा शुल्क संघ है: इसके 27 सदस्य एक ही बाहरी प्रशुल्क साझा करते हैं, इसलिए यूरोपीय आयोग सभी की ओर से व्यापार समझौतों पर वार्ता करता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- भारत-EFTA TEPA (व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता) अक्टूबर 2025 में लागू हुआ।
- EU सदस्य: 27 देश। यूरोपीय आयोग व्यापार समझौतों पर वार्ता करता है; यूरोपीय संसद सहमति देती है।
- भारत-EU वार्ता: 2007 में BTIA के रूप में शुरू, 2013 में निलंबित, 2022 में फिर से शुरू।

GS 2

वेनेज़ुएला में अमेरिकी अभियान और भारत के संयमित शब्द

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: विकसित देशों की नीतियों का भारत पर प्रभाव; महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ (संयुक्त राष्ट्र)

संदर्भ

3 जनवरी 2026 को संयुक्त राज्य अमेरिका ने वह कार्रवाई की जिसे राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व' कहा: काराकास और अन्य स्थानों पर हमले, और वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो तथा उनकी पत्नी सिलिया फ़्लोरेस को पकड़कर न्यूयॉर्क ले जाया गया। अमेरिकी अधिकारियों ने मादुरो पर नार्को-आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी की साज़िश का आरोप लगाया है, जिसे वे नकारते हैं। ट्रंप ने कहा कि संक्रमण होने तक अमेरिका वेनेज़ुएला को 'चलाएगा'। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने इस कार्रवाई को एक ख़तरनाक मिसाल बताया, और सुरक्षा परिषद की बैठक 5 जनवरी को निर्धारित की गई।

भारत की प्रतिक्रिया

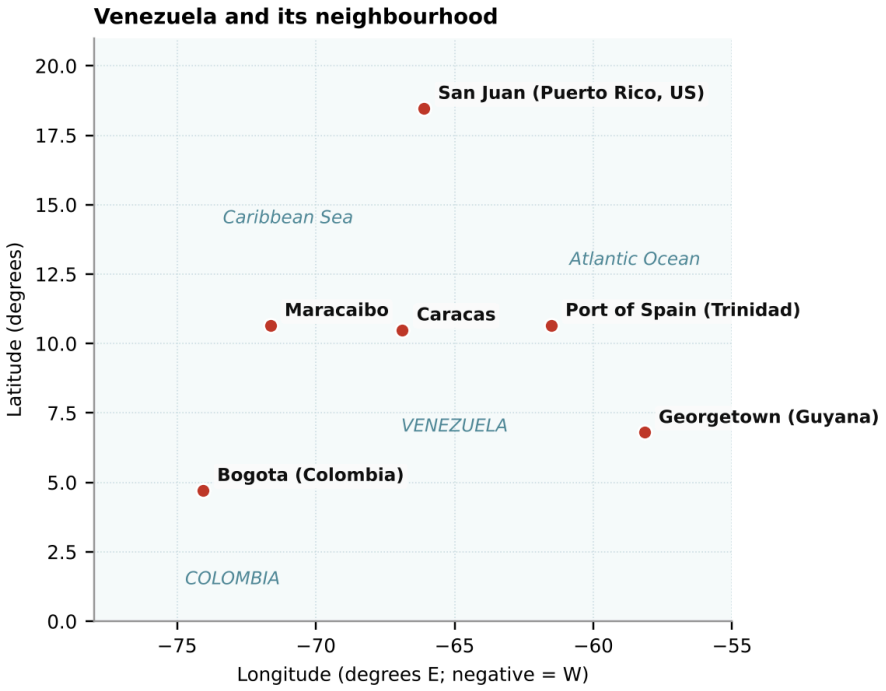
भारत के विदेश मंत्रालय (MEA) ने 4 जनवरी को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि घटनाक्रम 'गहरी चिंता का विषय' हैं, कि भारत स्थिति पर नज़र रख रहा है, और मुद्दों का समाधान संवाद के माध्यम से होना चाहिए। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका का नाम नहीं लिया गया और न ही हमलों की निंदा की गई। मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को वेनेज़ुएला की ग़ैर-ज़रूरी यात्रा से बचने की सलाह भी दी। भारत के वामपंथी दलों ने अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना की, जबकि एक व्यापार-अनुसंधान समूह ने बताया कि वेनेज़ुएला से भारत का प्रत्यक्ष व्यापारिक जोखिम सीमित है।

मुख्य बिंदु

- **कानूनी प्रश्न:** संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 2(4) किसी अन्य देश की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल प्रयोग या बल की धमकी को प्रतिबंधित करता है। अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा और सुरक्षा परिषद का प्राधिकार मुख्य अपवाद हैं।
- **राष्ट्राध्यक्ष की उन्मुक्ति और प्रत्यर्पण:** किसी पदासीन नेता को दूसरे देश में मुकदमे के लिए पकड़ना उन्मुक्ति और विधि की सम्यक् प्रक्रिया पर प्रश्न उठाता है।
- **क्षेत्रीय पहलू:** यह कदम मुनरो सिद्धांत और लैटिन अमेरिका में महाशक्तियों के प्रभाव पर बहस को फिर से जगाता है।
- **ऊर्जा:** वेनेज़ुएला के पास बड़े तेल भंडार हैं, इसलिए संक्रमण वैश्विक आपूर्ति और प्रतिबंध नीति को प्रभावित करता है।

विश्लेषण

- **रणनीतिक स्वायत्तता।** भारत ने किसी का पक्ष लेने से परहेज़ किया। वह वाशिंगटन के साथ स्थिर संबंधों (व्यापार समझौता वार्ता, प्रौद्योगिकी साझेदारी) को महत्व देता है और सिद्धांत रूप में संप्रभुता का समर्थन करने का उसका लंबा रिकॉर्ड है। शब्दावली दोनों के बीच संतुलन बनाती है।
- **सिद्धांत बनाम व्यावहारिकता।** आलोचकों का कहना है कि बल प्रयोग पर चुप्पी ग्लोबल साउथ और नियम-आधारित व्यवस्था की ओर से बोलने के भारत के दावे को कमज़ोर करती है। समर्थकों का कहना है कि नपी-तुली भाषा राष्ट्रीय हितों की रक्षा करती है।
- **निरंतरता की कसौटी।** पिछले हस्तक्षेपों पर भारत का रुख़ परिस्थितियों के अनुसार बदलता रहा है, जिससे सख़्त निरंतरता का दावा बनाए रखना कठिन है।
- **किस पर नज़र रखें।** काराकास में संक्रमण, वेनेज़ुएला के प्रति अमेरिकी तेल नीति, और क्या भारत की ऊर्जा कंपनियों को नए अवसर मिलते हैं या नए प्रतिबंध जोखिम।



मानचित्र. स्थान-आरेख। बिंदु अक्षांश और देशांतर के अनुसार अंकित; सीमाएँ नहीं दिखाई गईं। वेनेज़ुएला दक्षिण अमेरिका के कैरिबियाई तट पर, कोलंबिया और गुयाना के बीच स्थित है।

क्या आप जानते हैं?

वेनेज़ुएला के पास विश्व का सबसे बड़ा प्रमाणित कच्चे तेल का भंडार है, लगभग 300 अरब बैरल, जिसका अधिकांश भाग ओरिनोको बेल्ट में भारी तेल के रूप में है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- वेनेज़ुएला: राजधानी काराकास; OPEC का सदस्य; दक्षिण अमेरिका में।
- मुनरो सिद्धांत (1823): पश्चिमी गोलार्ध में यूरोपीय उपनिवेशीकरण का अमेरिकी विरोध।
- संयुक्त राष्ट्र चार्टर अनुच्छेद 2(4): बल प्रयोग पर प्रतिबंध; अनुच्छेद 51: आत्मरक्षा का अधिकार।

07 | अंतरराष्ट्रीय संबंध GS 2

ग्रीनलैंड, दावोस और 'बोर्ड ऑफ़ पीस': सहयोगियों पर प्रशुल्क और एक नया वैश्विक निकाय

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: विकसित देशों की नीतियों का भारत पर प्रभाव; महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ | GS1: भूगोल (आर्कटिक)

संदर्भ

जनवरी में संयुक्त राज्य अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर नियंत्रण के लिए दबाव और बढ़ा दिया, जो डेनमार्क साम्राज्य के भीतर एक स्वशासी क्षेत्र है। 6 जनवरी को पाँच बड़े EU देशों के नेताओं ने डेनमार्क और UK के साथ मिलकर एक वक्तव्य जारी किया, जिसमें संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर ज़ोर दिया गया और कहा गया कि केवल डेनमार्क और ग्रीनलैंड ही ग्रीनलैंड का भविष्य तय कर सकते हैं। कई यूरोपीय देशों द्वारा एक आर्कटिक अभ्यास के लिए ग्रीनलैंड में छोटी सैन्य टुकड़ियाँ भेजने के बाद, राष्ट्रपति ट्रंप ने 17 जनवरी को आठ देशों पर 1 फ़रवरी से अतिरिक्त 10% प्रशुल्क की घोषणा की: डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ़्रांस, जर्मनी, UK, नीदरलैंड और फ़िनलैंड। उन्होंने कहा कि यदि ग्रीनलैंड की 'ख़रीद' का समझौता नहीं हुआ तो 1 जून को यह बढ़कर 25% हो जाएगा।

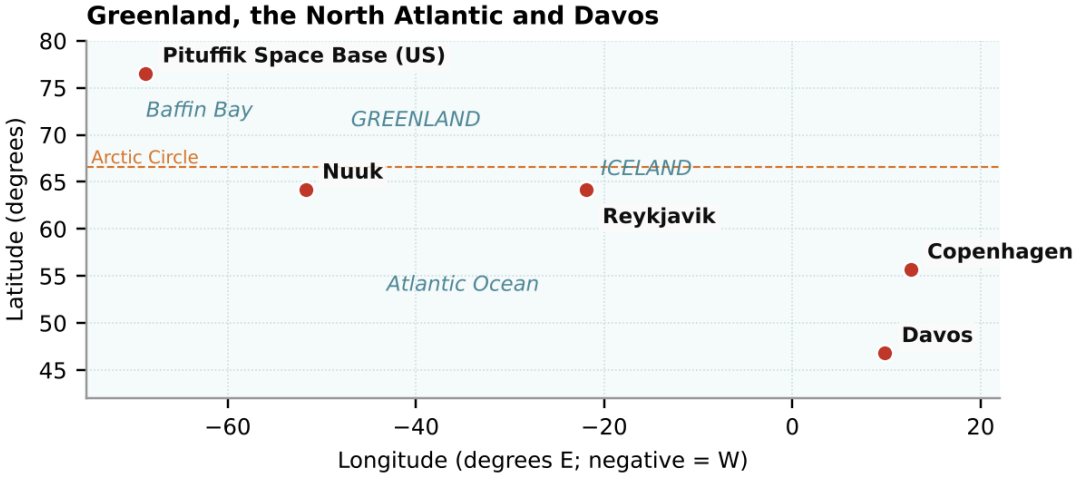
दावोस में विश्व आर्थिक मंच (WEF) पर दबाव कम हुआ। 21 जनवरी को NATO महासचिव मार्क रुटे से मिलने के बाद ट्रंप ने ग्रीनलैंड और व्यापक आर्कटिक पर 'भविष्य के समझौते के ढाँचे' की घोषणा की, प्रशुल्क की धमकी वापस ली और कहा कि वे बल प्रयोग नहीं करेंगे। अगले दिन, 22 जनवरी को, उन्होंने 'बोर्ड ऑफ़ पीस' के चार्टर पर हस्ताक्षर किए, जो ग़ाज़ा शांति योजना के इर्द-गिर्द बना एक नया अंतरराष्ट्रीय निकाय है।

मुख्य बिंदु

- **ग्रीनलैंड का महत्व:** विश्व का सबसे बड़ा द्वीप आर्कटिक नौवहन मार्गों और पूर्व-चेतावनी पथों पर स्थित है, और इसमें महत्वपूर्ण खनिज हैं। ट्रंप ने इसे प्रस्तावित 'गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा प्रणाली से जोड़ा।
- **ढाँचा:** विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए। NATO ने इसे आर्कटिक सुरक्षा पर सहयोगियों का सामूहिक कार्य बताया, और रुटे ने कहा कि खनिज संसाधनों पर चर्चा नहीं हुई।
- **बोर्ड ऑफ़ पीस:** सितंबर 2025 में प्रस्तावित और ग़ाज़ा के संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्प 2803 (नवंबर 2025) द्वारा स्वागत किया गया। इसका चार्टर ट्रंप को सदस्यता और निर्णयों पर व्यापक शक्तियों के साथ अध्यक्ष बनाता है। लगभग 60 देशों को आमंत्रित किया गया; 1 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान स्थायी सदस्यता दिलाता है, जबकि अन्य को तीन वर्ष का कार्यकाल मिलता है।
- **प्रतिक्रियाएँ:** कई यूरोपीय देशों ने शामिल होने से इनकार किया, और UK ने रूस के राष्ट्रपति को दिए गए निमंत्रण का हवाला दिया। भारत को आमंत्रित किया गया था, लेकिन वह दावोस में शुभारंभ से दूर रहा और कहा कि वह प्रस्ताव की जाँच कर रहा है; पाकिस्तान के प्रधानमंत्री उपस्थित रहे।

विश्लेषण

- **सुरक्षा हथियार के रूप में व्यापार।** क्षेत्र के मुद्दे पर NATO सहयोगियों के विरुद्ध प्रशुल्क का उपयोग दिखाता है कि व्यापार उपकरण अब रणनीतिक लक्ष्यों की पूर्ति करते हैं। यही वह 'भू-आर्थिक टकराव' है जिसे WEF ने 2026 के लिए शीर्ष जोखिम माना (वैश्विक परिदृश्य लेख देखें)।
- **संप्रभुता का सिद्धांत।** यूरोप द्वारा डेनमार्क की संप्रभुता का बचाव उसी सिद्धांत पर टिका है जिसका भारत अपनी सीमाओं के संबंध में आह्वान करता है। वेनेज़ुएला की तरह भारत ने सार्वजनिक रूप से बहुत कम कहा।
- **संयुक्त राष्ट्र का प्रतिद्वंद्वी?** आलोचकों को चिंता है कि अध्यक्ष-केंद्रित निकाय संयुक्त राष्ट्र प्रणाली को दरकिनार कर सकता है। भारत ग़ाज़ा पुनर्निर्माण और पश्चिम एशिया की स्थिरता का समर्थन करता है (IMEC इसी पर निर्भर है), लेकिन संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित व्यवस्था और सुरक्षा परिषद सुधार का भी समर्थन करता है। शामिल होने या बाहर रहने, दोनों की क़ीमत है।
- **आर्कटिक और भारत।** पिघलती बर्फ़ नए मार्ग और संसाधन खोलती है। भारत को आर्कटिक परिषद में पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है और उसकी एक आर्कटिक नीति है, इसलिए वहाँ की महाशक्ति प्रतिद्वंद्विता कोई दूर का मुद्दा नहीं है।



मानचित्र. स्थान-आरेख। बिंदु अक्षांश और देशांतर के अनुसार अंकित; सीमाएँ नहीं दिखाई गईं। ग्रीनलैंड डेनमार्क का एक स्वशासी क्षेत्र है; इसका अधिकांश भाग आर्कटिक वृत्त के उत्तर में स्थित है।

क्या आप जानते हैं?

ग्रीनलैंड विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है। इसके लगभग चार-पाँचवें भाग पर बर्फ़ की चादर है, और वहाँ केवल लगभग 57,000 लोग रहते हैं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- ग्रीनलैंड: राजधानी नूक; डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र; यहाँ अमेरिका का पिटुफ़िक अंतरिक्ष अड्डा (पूर्व में थुले) स्थित है।
- भारत: 2013 से आर्कटिक परिषद का पर्यवेक्षक; आर्कटिक नीति 2022 में जारी; अनुसंधान केंद्र हिमाद्रि, नी-ओलेसुंड, स्वालबार्ड (नॉर्वे) में।
- WEF वार्षिक बैठक 2026: दावोस, 19-23 जनवरी, विषय 'संवाद की भावना' (A Spirit of Dialogue)। UNSC संकल्प 2803 ग़ाज़ा शांति ढाँचे से संबंधित है।

08 | अंतरराष्ट्रीय संबंध GS 2

ईरान में अशांति और 25% द्वितीयक प्रशुल्क: भारत के संतुलन की परीक्षा

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: विकसित देशों की नीतियों का भारत पर प्रभाव; भारत और उसका (विस्तारित) पड़ोस | GS3: बाह्य क्षेत्र

संदर्भ

दिसंबर 2025 के अंत में ईरान में महँगाई और आर्थिक कठिनाइयों को लेकर शुरू हुए विरोध-प्रदर्शन जनवरी में सभी 31 प्रांतों में फैल गए और खुले तौर पर सरकार-विरोधी स्वर ले लिया। ईरान के बाहर स्थित मानवाधिकार समूहों ने जनवरी के मध्य तक सैकड़ों मौतों और 10,000 से अधिक गिरफ़्तारियों की सूचना दी, जबकि ईरानी अधिकारियों ने विदेशी हस्तक्षेप को दोषी ठहराया। 12 जनवरी को राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की कि ईरान के साथ 'व्यापार करने वाला' कोई भी देश संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अपने व्यापार पर 25% प्रशुल्क देगा, 'तत्काल प्रभाव से'। इसका दायरा, 'व्यापार करने' का अर्थ और कानूनी आधार स्पष्ट नहीं किए गए।

मुख्य बिंदु

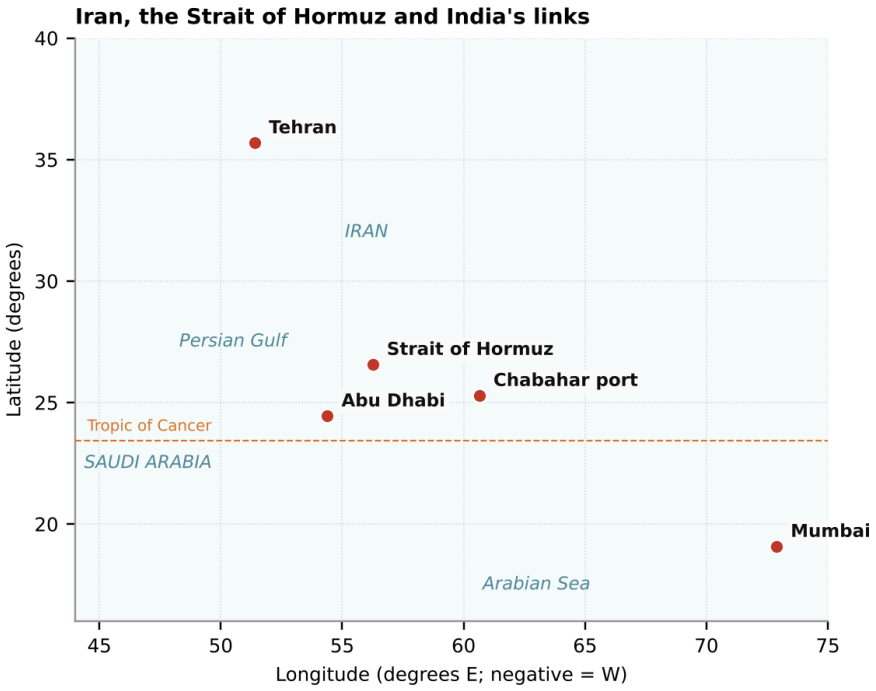
- **द्वितीयक प्रशुल्क:** यह उपाय तीसरे देशों को ईरान के साथ उनके लेन-देन के लिए दंडित करता है, और द्वितीयक प्रतिबंधों के तर्क को व्यापार नीति तक विस्तारित करता है।
- **कानूनी संदेह:** उस समय अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय को अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियाँ अधिनियम (IEEPA) के तहत लगाए गए प्रशुल्कों पर अभी निर्णय देना था, इसलिए ऐसे प्रशुल्कों का आधार अनिश्चित था।
- **कौन जोखिम में है:** ईरान के मुख्य साझेदारों में चीन, तुर्किये और UAE शामिल हैं; भारत भी ईरान के साथ व्यापार करता है (चावल, चाय, औषधियाँ) और चाबहार बंदरगाह में निवेश किए हुए है।
- **सैन्य धमकी:** वाशिंगटन ने कहा कि बल प्रयोग सहित सभी विकल्प खुले हैं; तेहरान ने कहा कि वह किसी भी हमले का जवाब देने को तैयार है।

भारत के लिए यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **संपर्क (कनेक्टिविटी):** चाबहार (शहीद बेहेश्ती टर्मिनल, 2024 में हस्ताक्षरित 10 वर्षीय भारत-ईरान अनुबंध के तहत संचालित) अफ़ग़ानिस्तान और मध्य एशिया तक भारत का मार्ग है, और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) से जुड़ता है।
- **ऊर्जा और नौवहन:** होर्मुज़ जलडमरूमध्य के पास अस्थिरता तेल की कीमतों, बीमा और भारतीय नाविकों तथा जहाज़ों की सुरक्षा को प्रभावित करती है।
- **लोग:** अशांति बढ़ने पर ईरान में भारतीय छात्रों और कामगारों के लिए निकासी योजना की आवश्यकता होती है।
- **अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता:** 'ईरान व्यापार' पर कोई भी प्रशुल्क वाशिंगटन के साथ भारत की वार्ताओं को जटिल बना देगा।

विश्लेषण

भारत का रुख़ अपने हितों की रक्षा करते हुए आंतरिक मामलों पर टिप्पणी से बचने का रहा है। द्वितीयक प्रशुल्क इसे कठिन बनाता है, क्योंकि यह साझेदारों से एक छोटे बाज़ार और बड़े अमेरिकी बाज़ार के बीच चुनाव करने को कहता है। व्यापार कानून की दृष्टि से, किसी साझेदार के तीसरे देश के साथ लेन-देन के आधार पर अलग-अलग प्रशुल्क WTO के सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्र (MFN) नियम से मेल नहीं खाते, जब तक कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अपवाद (GATT अनुच्छेद XXI) के तहत उचित न ठहराया जाए। भारत के लिए व्यावहारिक रास्ता है चाबहार के मानवीय और संपर्क संबंधी पक्ष को जीवित रखना, ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाना, और वाशिंगटन से दायरे पर स्पष्टता माँगना।



मानचित्र. स्थान-आरेख। बिंदु अक्षांश और देशांतर के अनुसार अंकित; सीमाएँ नहीं दिखाई गईं। चाबहार में भारत द्वारा संचालित टर्मिनल भारत को अफ़ग़ानिस्तान और मध्य एशिया तक ऐसा मार्ग देते हैं जो पाकिस्तान को बायपास करता है।

क्या आप जानते हैं?

विश्व की तेल खपत का लगभग पाँचवाँ भाग होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर गुज़रता है, जो फ़ारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- चाबहार: ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में ओमान की खाड़ी पर। INSTC: भारत, ईरान, रूस और आगे के देशों को जोड़ने वाला बहु-माध्यमी (मल्टीमॉडल) गलियारा।
- होर्मुज़ जलडमरूमध्य: फ़ारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ता है।
- ईरान 2023 में SCO और 2024 में BRICS में शामिल हुआ।

09 | अंतरराष्ट्रीय संबंध GS 2

भारत-UAE: तीन घंटे की यात्रा और रणनीतिक रक्षा साझेदारी की राह

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: भारत और उसका पड़ोस (पश्चिम एशिया); द्विपक्षीय समझौते | GS3: ऊर्जा सुरक्षा, निवेश

संदर्भ

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख़ मोहम्मद बिन ज़ायद अल नाहयान ने 19 जनवरी 2026 को नई दिल्ली की आधिकारिक यात्रा की और लगभग तीन घंटे रुके। यह दस वर्षों में उनकी पाँचवीं और राष्ट्रपति के रूप में तीसरी भारत यात्रा थी। प्रधानमंत्री मोदी ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। कम अवधि के बावजूद यात्रा से व्यापक परिणाम निकले, जिनमें सबसे प्रमुख रणनीतिक रक्षा साझेदारी पर एक आशय पत्र (LoI) था।

मुख्य परिणाम

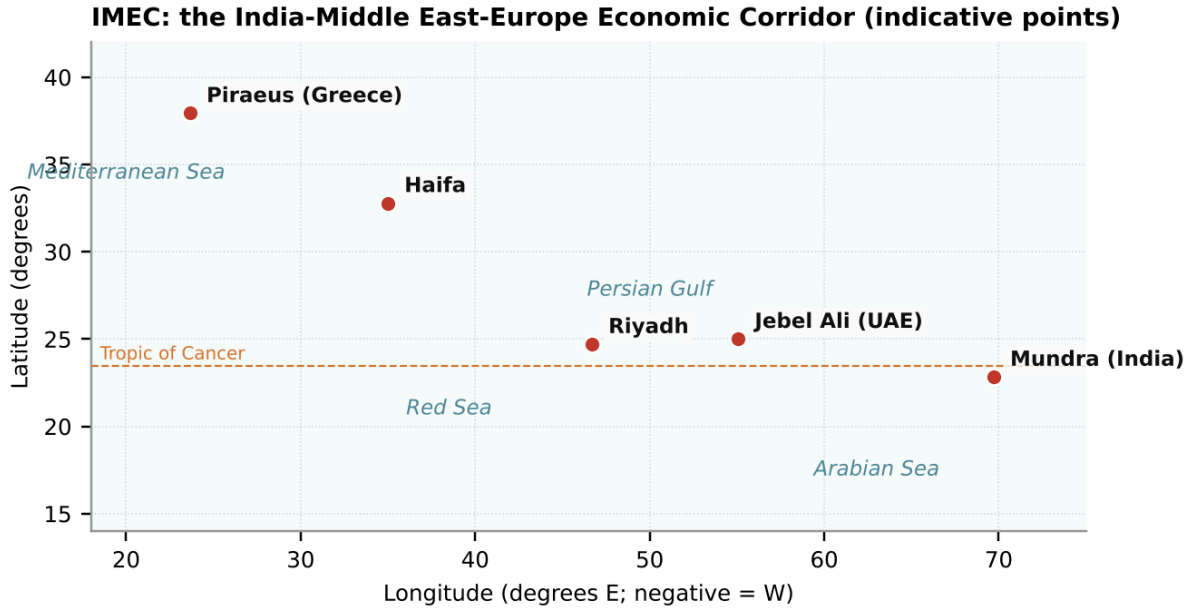
- **रक्षा:** रणनीतिक रक्षा साझेदारी ढाँचा समझौते की दिशा में काम करने के लिए एक आशय पत्र, जिसमें रक्षा उद्योग, नवाचार और उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, विशेष अभियान और अंतर-संचालनीयता, साइबर क्षेत्र और आतंकवाद-रोधी सहयोग शामिल हैं।
- **ऊर्जा:** एक बिक्री और ख़रीद समझौता, जिसके तहत HPCL 2028 से 10 वर्षों तक ADNOC गैस से प्रति वर्ष 0.5 मिलियन टन LNG ख़रीदेगी।
- **निवेश:** धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र के विकास पर गुजरात और UAE के निवेश मंत्रालय के बीच एक आशय पत्र।
- **अंतरिक्ष और AI:** IN-SPACe और UAE अंतरिक्ष एजेंसी के बीच आशय पत्र; C-DAC और UAE की कंपनी G42 द्वारा भारत में एक सुपरकंप्यूटिंग क्लस्टर स्थापित करने पर सैद्धांतिक सहमति।
- **व्यापार और वित्त:** 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 200 अरब अमेरिकी डॉलर करने का लक्ष्य; फ़र्स्ट अबू धाबी बैंक और DP वर्ल्ड GIFT सिटी में स्थापित। UAE ने भारत के नए SHANTI परमाणु कानून का स्वागत किया।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **ऊर्जा सुरक्षा।** दीर्घकालिक LNG अनुबंध भारत की ऊर्जा मिश्रण में गैस का हिस्सा बढ़ाने की योजना में मदद करते हैं, और भारत अब UAE की LNG का एक प्रमुख ख़रीदार है।
- **बदलती खाड़ी।** यह यात्रा 2025 के सऊदी-पाकिस्तान रक्षा समझौते के बाद और ईरान में अशांति के बीच हुई। UAE के साथ रक्षा ढाँचा क्षेत्र में भारत के विकल्पों को व्यापक बनाता है।
- **संपर्क।** दोनों पक्षों ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) का समर्थन किया, जिसमें UAE एक प्रमुख कड़ी है।

विश्लेषण

विदेश सचिव ने ज़ोर दिया कि आशय पत्र का अर्थ यह नहीं है कि भारत क्षेत्रीय संघर्षों में खिंच जाएगा। यह शर्त महत्वपूर्ण है: भारत एक साथ ईरान, इज़राइल, सऊदी अरब और UAE के साथ कामकाजी संबंध बनाए रखता है। चुनौती रक्षा सहयोग (अभ्यास, संयुक्त उत्पादन, प्रशिक्षण) को ऐसी परिचालन प्रतिबद्धताओं के बिना संस्थागत बनाने की है जो रणनीतिक स्वायत्तता को सीमित करें। आर्थिक पक्ष एक मज़बूत आधार पर टिका है: व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (CEPA), द्विपक्षीय निवेश संधि और रुपया-दिरहम निपटान।



मानचित्र. स्थान-आरेख। बिंदु अक्षांश और देशांतर के अनुसार अंकित; सीमाएँ नहीं दिखाई गईं। IMEC की घोषणा G20 नई दिल्ली शिखर सम्मेलन (2023) में हुई: भारत से UAE तक समुद्री संपर्क, अरब के पार रेल, फिर समुद्र मार्ग से यूरोप।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- भारत-UAE CEPA: फ़रवरी 2022 में हस्ताक्षरित, 1 मई 2022 से लागू। द्विपक्षीय निवेश संधि 2024 में हस्ताक्षरित।
- धोलेरा SIR: दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे पर गुजरात में एक ग्रीनफ़ील्ड औद्योगिक शहर।
- SHANTI अधिनियम (Sustainable Harnessing and Advancement of Nuclear Energy for Transforming India), दिसंबर 2025 में पारित, असैन्य परमाणु ऊर्जा को व्यापक भागीदारी के लिए खोलता है।

10 | अंतरराष्ट्रीय संबंध GS 2

भारत-अरब लीग: दिल्ली में दूसरी भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: भारत और उसका पड़ोस (पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ़्रीका); क्षेत्रीय समूह

संदर्भ

31 जनवरी 2026 को भारत ने नई दिल्ली में दूसरी भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक (IAFMM) की मेज़बानी की, जिसकी सह-अध्यक्षता भारत और UAE ने की। इसमें अरब राज्य लीग (League of Arab States) के सभी 22 सदस्य देशों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी तथा लीग के महासचिव शामिल हुए। यह भारत में आयोजित ऐसी पहली बैठक थी और 2016 में बहरीन में हुई पहली बैठक के दस वर्ष बाद हुई। इससे एक दिन पहले चौथी भारत-अरब वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई।

मुख्य बिंदु

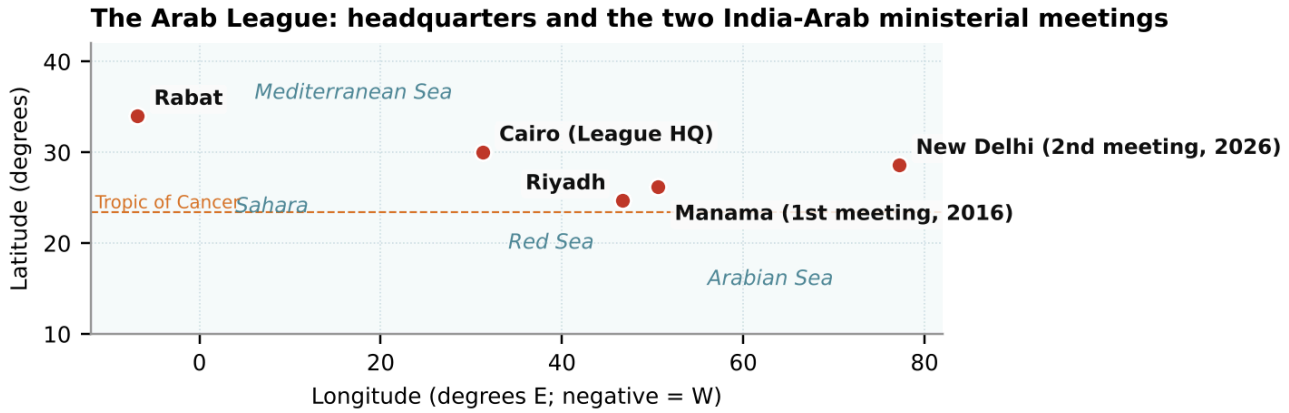
- **संस्थागत आधार:** भारत और अरब लीग ने संवाद को संस्थागत बनाने के लिए मार्च 2002 में एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए; 2008 में अरब-भारत सहयोग मंच बना। IAFMM इस साझेदारी का सर्वोच्च तंत्र है।
- 2016 में पहचाने गए **पाँच प्राथमिक क्षेत्र:** अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, शिक्षा, मीडिया और संस्कृति।
- **प्रतिनिधित्व:** मिस्र में भारत के राजदूत अरब लीग में स्थायी प्रतिनिधि के रूप में भी कार्य करते हैं; भारत को लीग में पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है।
- **आर्थिक महत्व:** अरब देश भारत के कच्चे तेल और LNG के प्रमुख स्रोत हैं, भारतीय प्रवासियों के बड़े हिस्से की मेज़बानी करते हैं, और बड़ी मात्रा में धन-प्रेषण (रेमिटेंस) तथा निवेश भेजते हैं।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **एक अशांत क्षेत्र।** यह बैठक ग़ाज़ा युद्धविराम के दूसरे चरण, ईरान में अशांति, यमन के संघर्ष और सीरिया के संक्रमण के बीच हुई। सामूहिक संवाद भारत को केवल खाड़ी साझेदारों से ही नहीं, पूरे अरब जगत से बात करने का अवसर देता है।
- **संपर्क।** 2023 में नई दिल्ली में G20 शिखर सम्मेलन में घोषित IMEC अरब देशों से होकर गुज़रता है; उनकी सहमति आवश्यक है।
- **संतुलन।** यह प्रारूप भारत को इज़राइल और ईरान के साथ अपनी साझेदारियों के साथ-साथ अरब देशों से संबंध बनाए रखने, और फ़िलिस्तीन में द्वि-राष्ट्र समाधान के लिए समर्थन दिखाने में मदद करता है।

विश्लेषण

नियमित मंत्रिस्तरीय बैठकें दुर्लभ रही हैं: दस वर्ष का अंतराल दिखाता है कि खाड़ी के साथ द्विपक्षीय संबंध बहुपक्षीय मार्ग की तुलना में तेज़ी से बढ़े। पूर्ण उपस्थिति के साथ दिल्ली में आयोजित बैठक संकेत देती है कि भारत एक संरचित, पूरे क्षेत्र को समेटने वाला संबंध चाहता है। परीक्षा अनुवर्ती कार्रवाई की होगी: बैठकों का नियमित कैलेंडर, व्यापार और निवेश पहलें, और लाल सागर तथा अदन की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा पर समन्वय।



मानचित्र. स्थान-आरेख। बिंदु अक्षांश और देशांतर के अनुसार अंकित; सीमाएँ नहीं दिखाई गईं। लीग के 22 सदस्य अटलांटिक पर मोरक्को से लेकर अरब सागर पर ओमान तक फैले हैं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- अरब राज्य लीग: 22 मार्च 1945 को काहिरा में स्थापित; 22 सदस्य; मुख्यालय काहिरा।
- पहली भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक: मनामा, बहरीन (2016)। दूसरी: नई दिल्ली (31 जनवरी 2026), भारत और UAE की सह-अध्यक्षता में।
- IMEC (भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा): सितंबर 2023 में G20 नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में घोषित।

11 | अंतरराष्ट्रीय संबंध GS 2

भारत ने BRICS की अध्यक्षता संभाली: लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह; महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ

संदर्भ

भारत ने 1 जनवरी 2026 को ब्राज़ील से BRICS की अध्यक्षता ग्रहण की। 13 जनवरी को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लोगो, विषय और वेबसाइट का शुभारंभ किया। विषय है '**Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability**' (लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण), जिसके प्रथमाक्षर समूह का नाम बनाते हैं। लोगो कमल है, जो भारत का राष्ट्रीय पुष्प है, और इसके केंद्र में 'नमस्ते' का रूपांकन है। भारत ने अपने दृष्टिकोण को 'मानवता-प्रथम' और 'जन-केंद्रित' बताया। यह भारत की चौथी अध्यक्षता है (2012, 2016 और 2021 के बाद), और भारत 2026 में आगे चलकर 18वें BRICS शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करेगा। समूह 2006 में पहली BRIC मंत्रिस्तरीय बैठक के 20 वर्ष पूरे कर रहा है।

मुख्य बिंदु

- **विस्तारित सदस्यता:** मूल पाँच सदस्यों के साथ 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और UAE तथा 2025 में इंडोनेशिया शामिल हुए। 2024 के कज़ान शिखर सम्मेलन में 'साझेदार देश' की श्रेणी बनाई गई।
- **संस्थाएँ:** न्यू डेवलपमेंट बैंक (मुख्यालय शंघाई) और आकस्मिक रिज़र्व व्यवस्था (CRA), दोनों पर 2014 में फ़ोर्टालेज़ा में सहमति बनी।
- **भारत की प्राथमिकताएँ:** सुधारित बहुपक्षवाद, ग्लोबल साउथ की चिंताएँ, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, जलवायु और विकास वित्त, और आतंकवाद-रोध।

अध्यक्ष के समक्ष चुनौतियाँ

- **भिन्न एजेंडे।** चीन और रूस BRICS को पश्चिम के प्रतिसंतुलन के रूप में देखते हैं; भारत इसे टकराव नहीं, सुधार के मंच के रूप में देखता है।
- **अमेरिकी दबाव।** वाशिंगटन ने 'अमेरिका-विरोधी' BRICS नीतियों से जुड़ने वाले देशों पर प्रशुल्क की धमकी दी है। भारत ने कहा है कि वह डॉलर का स्थान लेना नहीं चाहता।
- **सुरक्षा संबंधी मतभेद।** भारत दक्षिण अफ़्रीका के साइमन्स टाउन के पास BRICS प्लस नौसैनिक अभ्यास 'विल फ़ॉर पीस 2026' (9-16 जनवरी) से दूर रहा, जो समूह के भीतर सैन्य सहयोग की सीमाओं को दर्शाता है।
- **बड़े समूह में सहमति।** अधिक सदस्यों का अर्थ है अधिक हित, जिनमें ईरान, मिस्र और UAE के हित भी शामिल हैं, जो संयुक्त वक्तव्यों को जटिल बनाते हैं।

विश्लेषण

भारत की अध्यक्षता BRICS को गुट-राजनीति से दूर और व्यावहारिक परिणामों (विकास वित्त, स्वास्थ्य, डिजिटल और जलवायु सहयोग) की ओर ले जाने का अवसर है। अमेरिका और यूरोप के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखते हुए ऐसा करना भारत की बहु-संरेखण (मल्टी-अलाइनमेंट) नीति की मुख्य परीक्षा होगी।

क्या आप जानते हैं?

यह 2012, 2016 और 2021 के बाद भारत की चौथी BRICS अध्यक्षता है। 2024 और 2025 के विस्तार के बाद BRICS में अब दस पूर्ण सदस्य हैं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- BRIC विदेश मंत्रियों की पहली बैठक 2006 में हुई; पहला नेता-स्तरीय शिखर सम्मेलन: येकातेरिनबर्ग, 2009। दक्षिण अफ़्रीका 2010-11 में शामिल हुआ।
- भारत की BRICS अध्यक्षताएँ: 2012, 2016, 2021 और 2026।
- NDB: फ़ोर्टालेज़ा घोषणा (2014) के तहत स्थापित; मुख्यालय शंघाई।

12 | राजव्यवस्था GS 2

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17A: लोक सेवकों की जाँच हेतु पूर्व अनुमति पर विभाजित निर्णय

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: न्यायपालिका; कार्यपालिका और जवाबदेही | GS4: शासन में ईमानदारी (प्रोबिटी)

संदर्भ

13 जनवरी 2026 को सर्वोच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों की पीठ, न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और के.वी. विश्वनाथन, ने सेंटर फ़ॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन बनाम भारत संघ मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17A की वैधता पर विभाजित निर्णय दिया। धारा 17A 2018 के संशोधन द्वारा जोड़ी गई थी। यह किसी लोक सेवक द्वारा अपने आधिकारिक कार्यों के निर्वहन में लिए गए किसी निर्णय या की गई सिफ़ारिश की किसी भी पूछताछ या जाँच से पहले सक्षम सरकार की पूर्व अनुमति अनिवार्य करती है। चूँकि न्यायाधीशों में मतभेद था, इसलिए मामला बड़ी पीठ के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के पास जाता है।

दो मत

- **न्यायमूर्ति नागरत्ना:** धारा 17A असंवैधानिक है। यह अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करती है, अधिनियम के उद्देश्य के विपरीत है, और जाँच को शुरुआत में ही रोककर वस्तुतः भ्रष्ट लोगों को संरक्षण देती है। ईमानदार अधिकारियों को ऐसे वैधानिक संरक्षण की आवश्यकता नहीं है।
- **न्यायमूर्ति विश्वनाथन:** यह प्रावधान वैध है, लेकिन अनुमति सरकार के बजाय लोकपाल या लोकायुक्त से आनी चाहिए। इसे रद्द करना 'नहाने के पानी के साथ बच्चे को भी फेंक देना' होगा, क्योंकि ईमानदार अधिकारियों को तुच्छ या दुर्भावनापूर्ण जाँचों से संरक्षण की आवश्यकता है।

पूर्व अनुमति	पुलिस द्वारा किसी लोक सेवक के आधिकारिक निर्णय की पूछताछ से पहले सक्षम प्राधिकारी की अनुमति
स्पष्ट मनमानी (मैनिफ़ेस्ट आर्बिट्रेरीनेस)	अनुच्छेद 14 के तहत एक कसौटी, जिससे अतार्किक या पर्याप्त सिद्धांत-रहित कानून को रद्द किया जाता है
विभाजित निर्णय	जब दो न्यायाधीश असहमत हों, तो मुख्य न्यायाधीश के आदेश पर मामला बड़ी पीठ को जाता है

पृष्ठभूमि

- **विनीत नारायण (1997):** न्यायालय ने 'एकल निर्देश' (सिंगल डायरेक्टिव) को रद्द किया, जिसके तहत वरिष्ठ अधिकारियों की जाँच के लिए सरकार की पूर्व अनुमति आवश्यक थी।
- **सुब्रमण्यम स्वामी (2014):** न्यायालय ने दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम की धारा 6A को अनुच्छेद 14 के तहत भेदभावपूर्ण मानकर रद्द किया, जो संयुक्त सचिव और उससे ऊपर के अधिकारियों की जाँच के लिए अनुमति अनिवार्य करती थी।
- **2018 का संशोधन:** संसद ने धारा 17A जोड़ी, जिससे अनुमति की आवश्यकता सभी लोक सेवकों तक विस्तारित हो गई, अनुचित लाभ स्वीकार करने के मामलों में मौक़े पर गिरफ़्तारी के अपवाद के साथ।

विश्लेषण

- **जवाबदेही बनाम नीतिगत पंगुता।** यदि हर फ़ाइल आपराधिक जाँच का कारण बन सकती है तो अधिकारी निर्णय लेने से बच सकते हैं, लेकिन अनुमति की आवश्यकताएँ वास्तविक जाँचों में देरी कर सकती हैं या उन्हें रोक भी सकती हैं।
- **निर्णय कौन करे?** अनुमति को एक स्वतंत्र निकाय, लोकपाल या लोकायुक्त, के माध्यम से देने का समझौता यह परखता है कि क्या स्वतंत्रता सुब्रमण्यम स्वामी मामले में दिखी अनुच्छेद 14 की समस्या का समाधान कर सकती है।
- **संस्थागत पहलू।** विभाजित निर्णय विवादित प्रश्नों को बड़ी पीठों की ओर धकेलते हैं, जिससे संवैधानिक मुद्दों के निर्णय में देरी बढ़ती है।
- **आगे की राह।** बड़ी पीठ द्वारा समयबद्ध निर्णय, अनुमति संबंधी निर्णयों के लिए स्पष्ट समय-सीमा, और लोकपाल तथा लोकायुक्त संस्थाओं को सशक्त बनाना।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- धारा 17A: आधिकारिक निर्णयों की पूछताछ या जाँच के लिए पूर्व अनुमति; भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 द्वारा जोड़ी गई।
- लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 ने भ्रष्टाचार-रोधी लोकपाल (ओम्बड्समैन) निकाय बनाए।
- अनुच्छेद 14: विधि के समक्ष समता और विधियों का समान संरक्षण; 'स्पष्ट मनमानी' कानून को रद्द करने का एक आधार है।

13 | राजव्यवस्था GS 2

जब राज्यपाल सदन छोड़ दें: अनुच्छेद 176 और राज्यपाल का अभिभाषण

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: कार्यपालिका (राज्यपाल); राज्य विधानमंडल; केंद्र-राज्य संबंध

संदर्भ

जनवरी 2026 में तीन राज्य विधानसभाओं के उद्घाटन सत्र राज्यपालों के कारण बाधित हुए। 20 जनवरी को तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि लगातार तीसरे वर्ष प्रथागत अभिभाषण दिए बिना विधानसभा से चले गए; उनकी आपत्ति थी कि सत्र की शुरुआत राष्ट्रगान के बजाय राज्य गीत से हुई। अध्यक्ष ने तमिल पाठ पढ़ा और सदन ने सरकार के अंग्रेज़ी अभिभाषण को पढ़ा हुआ मानने का संकल्प लिया। केरल में राज्यपाल ने मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित अभिभाषण के कुछ हिस्से छोड़ दिए, और कर्नाटक में राज्यपाल ने पूरे पाठ के बजाय दो पंक्तियों का भाषण दिया। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी प्रथागत अभिभाषण को समाप्त करने के लिए संविधान संशोधन की माँग करेगी।

संवैधानिक स्थिति

- **अनुच्छेद 176(1):** राज्यपाल प्रत्येक आम चुनाव के बाद पहले सत्र के आरंभ में और प्रत्येक वर्ष के पहले सत्र के आरंभ में विधानसभा (या दोनों सदनों) को संबोधित करेगा, और उसे आह्वान के कारणों की जानकारी देगा।
- **अनुच्छेद 175:** राज्यपाल अन्य समय पर भी सदन को संबोधित कर सकता है और संदेश भेज सकता है।
- **अनुच्छेद 163:** राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करता है, सिवाय वहाँ जहाँ संविधान विवेकाधिकार की अपेक्षा करता है।
- **न्यायिक दृष्टिकोण:** नबाम रेबिया (2016) में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 175 और 176 के तहत अभिभाषणों को मंत्रिस्तरीय सलाह पर किए जाने वाले कार्य माना। तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल (2025) में न्यायालय ने कहा कि राज्यपाल के विवेकाधिकार का उपयोग निर्वाचित सरकार को बाधित करने के लिए नहीं किया जा सकता।

दोनों पक्षों के तर्क

- **राज्यपालों का दृष्टिकोण:** अभिभाषण राज्यपाल के नाम से दिया जाता है, इसलिए राज्यपाल को ऐसे वक्तव्य पढ़ने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए जिन्हें वे असत्य, पक्षपातपूर्ण या संघ के प्रति आलोचनात्मक मानते हों; संविधान यह नहीं कहता कि पाठ शब्दशः पढ़ा जाना चाहिए।
- **राज्यों का दृष्टिकोण:** अभिभाषण सरकार का नीतिगत वक्तव्य है, जैसा संविधान सभा का आशय था। इसे छोड़ना या संपादित करना अनुच्छेद 176 और उस संसदीय परंपरा का उल्लंघन है कि राज्य का प्रमुख मंत्रिमंडल की ओर से बोलता है, जैसा राष्ट्रपति संसद में करते हैं।

विश्लेषण

ये बहिर्गमन व्यापक राज्यपाल-राज्य संघर्ष का हिस्सा हैं, जो विधेयकों पर स्वीकृति और विश्वविद्यालय नियुक्तियों में देरी में भी दिखता है। संभावित उपायों में अभिभाषण को पढ़ा हुआ मानने के स्पष्ट प्रक्रिया नियम, संहिताबद्ध परंपराएँ (जैसी राज्यपाल की भूमिका पर सरकारिया और पुंछी आयोगों ने सिफ़ारिश की), या न्यायिक स्पष्टीकरण शामिल हैं। अभिभाषण को पूरी तरह हटाने से संवैधानिक प्रमुख और विधानमंडल के बीच का एक प्रतीकात्मक संबंध कमज़ोर होगा, इसलिए अधिकांश विशेषज्ञ इसे समाप्त करने के बजाय परंपरा को बहाल करने के पक्ष में हैं।

क्या आप जानते हैं?

अनुच्छेद 176 के अनुसार राज्यपाल को प्रत्येक आम चुनाव के बाद पहले सत्र के आरंभ में और प्रत्येक वर्ष के पहले सत्र के आरंभ में विधानमंडल को संबोधित करना होता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- अनुच्छेद 176: राज्यपाल का विशेष अभिभाषण; अनुच्छेद 175: संबोधित करने और संदेश भेजने का अधिकार; अनुच्छेद 163: राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद।
- संसद के लिए राष्ट्रपति का समतुल्य कर्तव्य अनुच्छेद 87 में है।
- सरकारिया आयोग (1983-88) और पुंछी आयोग (2007-10) ने केंद्र-राज्य संबंधों की जाँच की, जिसमें राज्यपाल का पद भी शामिल था।

14 | राजव्यवस्था GS 2

क्या ED रिट याचिका दायर कर सकता है? सर्वोच्च न्यायालय एजेंसी की अधिकारिता (लोकस) की जाँच करेगा

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: सांविधिक और अर्ध-न्यायिक निकाय; न्यायपालिका; केंद्र-राज्य संबंध

संदर्भ

20 जनवरी 2026 को न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ इस प्रश्न पर निर्णय देने को सहमत हुई कि क्या प्रवर्तन निदेशालय (ED) एक 'विधिक व्यक्ति' (ज्यूरिस्टिक पर्सन) के रूप में अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालयों में रिट याचिकाएँ दायर कर सकता है। यह मुद्दा तब उठा जब केरल ने 2021 में एक न्यायिक आयोग गठित किया, जिसे इन आरोपों की जाँच करनी थी कि ED अधिकारियों ने 2020 के राजनयिक सामान (डिप्लोमैटिक बैगेज) सोना तस्करी मामले के आरोपियों पर राजनीतिक नेताओं का नाम लेने का दबाव डाला। ED ने केरल उच्च न्यायालय में आयोग को चुनौती दी और स्थगन प्राप्त किया; केरल और तमिलनाडु ने अपील की।

कानूनी प्रश्न

- रिट मुख्य रूप से राज्य के विरुद्ध अधिकारों की रक्षा करती हैं। क्या संघ सरकार का कोई विभाग स्वयं किसी राज्य सरकार के विरुद्ध ऐसे उपचारों का दावा कर सकता है?
- क्या ED, जो अपने स्वयं के क़ानून से बना निकाय न होकर राजस्व विभाग के अधीन एक निदेशालय है, ऐसा 'व्यक्ति' है जो अपने नाम से मुकदमा कर सके?
- यदि संघ और किसी राज्य के बीच विवाद है, तो क्या मामला इसके बजाय अनुच्छेद 131 के तहत सर्वोच्च न्यायालय के मूल क्षेत्राधिकार में जाना चाहिए?

यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **संघवाद:** केंद्रीय एजेंसियों और विपक्ष-शासित राज्यों के बीच टकराव बढ़े हैं, जिनमें CBI की सहमति और ED के छापे भी शामिल हैं। यह निर्णय तय करेगा कि ये विवाद न्यायालय तक कैसे पहुँचते हैं।
- **एजेंसियों की जवाबदेही:** राज्यों का तर्क है कि उन्हें अपने क्षेत्र में केंद्रीय अधिकारियों के कथित कदाचार की जाँच करने में सक्षम होना चाहिए; ED का तर्क है कि ऐसी जाँचें अन्वेषण में बाधा डालती हैं।
- **रिट क्षेत्राधिकार:** एक व्यापक व्याख्या अनेक सरकारी निकायों को रिट के माध्यम से एक-दूसरे के विरुद्ध मुकदमेबाज़ी की अनुमति दे सकती है, जिससे उच्च न्यायालयों पर बोझ बढ़ेगा।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- अनुच्छेद 226: उच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों के लिए 'और किसी अन्य प्रयोजन के लिए' रिट जारी कर सकते हैं (अनुच्छेद 32 से व्यापक)।
- अनुच्छेद 131: संघ और राज्यों के बीच, या राज्यों के बीच विवादों में सर्वोच्च न्यायालय का अनन्य मूल क्षेत्राधिकार।
- ED धन-शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA), 1999 को लागू करता है। जाँच आयोग, जाँच आयोग अधिनियम, 1952 के तहत गठित किए जाते हैं।

15 | शासन GS 2

जनगणना 2027: पहला चरण अधिसूचित, भारत की पहली

डिजिटल जनगणना

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: जनसंख्या और संबंधित मुद्दे | GS2: सरकारी नीतियाँ; शासन

संदर्भ

7 जनवरी 2026 को गृह मंत्रालय ने भारत की जनगणना 2027 के पहले चरण को अधिसूचित किया। **मकान सूचीकरण और आवास जनगणना** 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के बीच चलेगी, प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा निर्धारित 30 दिनों की अवधि में, जिससे पहले 15 दिनों का **स्व-गणना** विकल्प होगा। दूसरा चरण, **जनसंख्या गणना**, फ़रवरी 2027 में निर्धारित है, जिसमें देश के अधिकांश भाग के लिए संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 होगी (लद्दाख जैसे हिमाच्छादित क्षेत्रों के लिए 1 अक्टूबर 2026)। यह 16वीं जनगणना है और 2011 के बाद पहली।

मुख्य बिंदु

- **डिजिटल-प्रथम:** स्व-गणना पोर्टल के साथ मोबाइल ऐप (एंड्रॉइड और iOS) के माध्यम से आँकड़े एकत्र किए जाएँगे; लगभग 30 लाख क्षेत्रीय कर्मी तैनात किए जाएँगे।
- **बजट:** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 दिसंबर 2025 को इस कार्य के लिए ₹11,718.24 करोड़ स्वीकृत किए।
- **प्रश्नावली:** पहले चरण के लिए 33 प्रश्न 22 जनवरी को अधिसूचित किए गए, जिनमें मकान का प्रकार, सामग्री, कमरे, सुविधाएँ, फ़ोन और इंटरनेट पहुँच जैसी परिसंपत्तियाँ, और उपभोग किया जाने वाला मुख्य अनाज शामिल हैं।
- **जाति:** राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 30 अप्रैल 2025 को जाति गणना का निर्णय लिया, जो जनसंख्या गणना चरण में दर्ज की जाएगी। SC और ST के अलावा जाति की गणना 1931 के बाद से किसी जनगणना में नहीं हुई है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **नीति के लिए साक्ष्य।** आवास, सुविधाओं और परिसंपत्तियों के आँकड़े आवास, स्वच्छता, बिजली और डिजिटल पहुँच से संबंधित योजनाओं का मार्गदर्शन करते हैं। जनसंख्या गणना कल्याण लक्ष्यीकरण और जनांकिकीय नियोजन का आधार है।
- **परिसीमन और प्रतिनिधित्व।** लोकसभा और विधानसभा सीटों के पुनर्समायोजन पर संवैधानिक रोक 2026 के बाद की पहली जनगणना से जुड़ी है, इसलिए जनगणना 2027 के आँकड़े उत्तर और दक्षिण के बीच परिसीमन बहस को प्रभावित करते हैं।
- **सामाजिक न्याय।** जाति गणना आरक्षण और कल्याण नीति को दिशा दे सकती है और न्यायिक पूर्व-निर्णय द्वारा तय 50% की सीमा पर पुनर्विचार की माँगों को फिर से जगा सकती है। इससे आँकड़ों की गुणवत्ता और निजता को लेकर चिंताएँ भी उठती हैं।
- **विलंबित आँकड़े।** 2021 की जनगणना (कोविड के कारण) स्थगित हो गई थी, इसलिए अनेक संकेतक अभी भी 2011 के आँकड़ों पर निर्भर हैं, जिससे नियोजन कमज़ोर होता है।

चुनौतियाँ

दूरस्थ क्षेत्रों में डिजिटल बहिष्करण, डेटा संरक्षण, बहुत बड़े कार्यबल का प्रशिक्षण, राज्यों में एक समान जाति वर्गीकरण, और प्रक्रिया में जन-विश्वास का निर्माण मुख्य जोखिम हैं।

जनगणना	वर्ष	टिप्पणी
पहली समकालिक जनगणना	1881	डब्ल्यू.सी. प्लाउडेन के अधीन संपन्न; दशकीय शृंखला यहीं से चलती है
अंतिम पूर्ण जाति गणना	1931	इसके बाद SC/ST से आगे के जाति आँकड़े प्रकाशित नहीं हुए
15वीं जनगणना	2011	अंतिम पूर्ण जनगणना; 121 करोड़ जनसंख्या
जनगणना 2027	2026-27	पहली डिजिटल जनगणना; जाति गणना शामिल

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- जनगणना संघ सूची में है (सातवीं अनुसूची, प्रविष्टि 69); भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त द्वारा जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत संचालित।
- चरण: मकान सूचीकरण (अप्रैल-सितंबर 2026) और जनसंख्या गणना (फ़रवरी 2027)।
- सभी समुदायों की अंतिम जाति गणना: 1931। सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (SECC) 2011 अलग थी और जनगणना अधिनियम के तहत नहीं थी।

16 | शासन GS 2

सहकारी समितियाँ: आकार से मज़बूती की ओर

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: सरकारी नीतियाँ; संवैधानिक प्रावधान | GS3: समावेशी विकास, कृषि

संदर्भ

संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (2025) और **राष्ट्रीय सहकारिता नीति, 2025** के बाद, जनवरी 2026 में इस पर नई बहस हुई कि भारत के बहुत बड़े सहकारी नेटवर्क को अधिक मज़बूत और बेहतर ढंग से चलने वाले व्यवसायों में कैसे बदला जाए। राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के अनुसार, भारत में 8 लाख से अधिक पंजीकृत सहकारी समितियाँ हैं, जिनके लगभग 30 करोड़ सदस्य हैं; यह दुनिया के सबसे बड़े नेटवर्कों में से एक है।

सहकारी समितियाँ कहाँ महत्वपूर्ण हैं

- **ग्रामीण ऋण:** प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (PACS) छोटे किसानों को ऋण देती हैं; सरकार इनका कंप्यूटरीकरण कर रही है और इन्हें अधिक व्यवसाय (उर्वरक, LPG, पेट्रोल पंप, कॉमन सर्विस सेंटर) चलाने की अनुमति दे रही है।
- **डेयरी और कृषि आदान:** अमूल और अन्य डेयरी सहकारी समितियाँ विपणन किए जाने वाले दूध का बड़ा हिस्सा संभालती हैं; इफ़को (IFFCO) और कृभको (KRIBHCO) भारत के उर्वरक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आपूर्ति करती हैं।
- **चीनी और प्रसंस्करण:** महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में चीनी का बड़ा हिस्सा सहकारी समितियाँ बनाती हैं।
- **महिलाएँ:** कई स्वयं सहायता समूह और महिलाओं की डेयरी सहकारी समितियाँ महिलाओं को औपचारिक वित्त से जोड़ती हैं।

विधिक और संस्थागत ढाँचा

- **97वाँ संविधान संशोधन (2011):** अनुच्छेद 19(1)(c) के तहत सहकारी समितियाँ बनाने का अधिकार, अनुच्छेद 43B में राज्य के नीति निदेशक तत्व, और सहकारी शासन पर भाग IXB।
- **राजेंद्र एन. शाह मामला (2021):** सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि भाग IXB केवल बहु-राज्य सहकारी समितियों पर लागू होता है, क्योंकि सहकारी समितियाँ राज्य का विषय हैं (राज्य सूची की प्रविष्टि 32)।
- **सहकारिता मंत्रालय (2021);** बहु-राज्य सहकारी समितियाँ (संशोधन) अधिनियम, 2023; निर्यात, बीज और जैविक उत्पादों के लिए तीन नई राष्ट्रीय सहकारी समितियाँ (2023); सहकारी शिक्षा के लिए त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय (2025)।

PACS	प्राथमिक कृषि ऋण समिति: गाँव-स्तर की सहकारी समिति जो किसानों को ऋण देती है
बहु-राज्य सहकारी समिति	एक से अधिक राज्यों में काम करने वाली सहकारी समिति, जिसका विनियमन केंद्र करता है
भाग IXB	सहकारी समितियों पर संविधान का अध्याय, जिसे 97वें संशोधन (2011) द्वारा जोड़ा गया

समस्याएँ

- कई समितियों में, विशेषकर ऋण और चीनी सहकारी समितियों में, राजनीतिक कब्ज़ा और अनियमित चुनाव।
- कमज़ोर पेशेवर प्रबंधन, खराब लेखा-परीक्षा और धोखाधड़ी, जैसा कि कुछ शहरी सहकारी बैंकों की विफलताओं में दिखा।
- बड़ा क्षेत्रीय असंतुलन: महाराष्ट्र और गुजरात में मज़बूत नेटवर्क, पूर्व और पूर्वोत्तर में कमज़ोर।
- केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों का टकराव, क्योंकि अब संघ एक राज्य विषय के लिए मंत्रालय चलाता है।

आगे की राह

पेशेवर बोर्ड, डिजिटल खाते और स्वतंत्र लेखा-परीक्षा; इक्विटी और ऋण तक आसान पहुँच; तथा प्रसंस्करण और निर्यात के लिए सहकारी समितियों और निजी कंपनियों के बीच साझेदारी। सहकारी संघवाद महत्वपूर्ण है: केंद्र की भूमिका आदर्श कानूनों, वित्त-पोषण और प्रौद्योगिकी के माध्यम से सबसे अच्छी तरह काम करती है, जबकि स्थानीय समितियों का नियंत्रण राज्यों के पास रहता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- 'सहकारी समितियाँ' राज्य सूची की प्रविष्टि 32 है; बहु-राज्य सहकारी समितियाँ संघ सूची की प्रविष्टि 44 के अंतर्गत आती हैं।
- अनुच्छेद 43B (नीति निदेशक तत्व): राज्य सहकारी समितियों के स्वैच्छिक गठन, स्वायत्त कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक नियंत्रण और पेशेवर प्रबंधन को बढ़ावा देगा।
- अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस: जुलाई का पहला शनिवार।

17 | सामाजिक न्याय GS 2

VB-G RAM G अधिनियम: भारत ने मनरेगा की जगह 125 दिन की गारंटी लागू की

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: कल्याणकारी योजनाएँ, संघवाद | GS3: ग्रामीण रोज़गार, समावेशी विकास

संदर्भ

दिसंबर 2025 में संसद ने **विकसित भारत - रोज़गार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025** (VB-G RAM G) पारित किया और राष्ट्रपति ने इसे स्वीकृति दी। यह महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम, 2005 (मनरेगा/MGNREGA) को निरस्त कर उसकी जगह लेता है। जनवरी 2026 के दौरान केंद्र और राज्यों ने नियम और संक्रमण व्यवस्थाएँ तैयार कीं; नया कानून लागू होने तक मनरेगा के प्रावधान जारी रहेंगे।

मुख्य विशेषताएँ

- **गारंटी:** हर उस ग्रामीण परिवार को वर्ष में 125 दिन का मज़दूरी रोज़गार, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम के लिए स्वेच्छा से तैयार हों (पहले 100 दिन)।
- **वित्त-पोषण:** केंद्र प्रायोजित मॉडल, जिसमें केंद्र-राज्य लागत साझेदारी 60:40 है; पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए 90:10; बिना विधानमंडल वाले केंद्रशासित प्रदेशों के लिए पूर्ण केंद्रीय वित्त-पोषण। मनरेगा के तहत मज़दूरी की पूरी लागत केंद्र वहन करता था।
- **मौसमी विराम:** राज्य बुआई और कटाई के चरम समय में वर्ष में कुल 60 दिनों तक का विराम अधिसूचित कर सकते हैं, ताकि खेतिहर श्रम उपलब्ध रहे।
- **कार्यों का फ़ोकस:** विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं से जुड़ी टिकाऊ परिसंपत्तियाँ, जैसे जल सुरक्षा, मूल ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका परिसंपत्तियाँ और जलवायु सहनशीलता।
- **वित्त-पोषण का स्वरूप:** पूरी तरह माँग-आधारित मॉडल के बजाय मानक (बजट-आधारित) आवंटन की ओर बदलाव।

बहस

- **बदलाव के पक्ष में:** अधिक गारंटीशुदा दिन, बेहतर गुणवत्ता की परिसंपत्तियाँ, बेहतर डिजिटल निगरानी, और ग्राम विकास योजनाओं के साथ तालमेल।
- **बदलाव के विरोध में:** राज्य, जिनमें से कई पहले से ही राजकोषीय दबाव में हैं, अब 40% लागत वहन करेंगे; सीमित आवंटन माँग-आधारित काम के अधिकार को कमज़ोर कर सकता है; एक प्रमुख योजना के नाम बदलने की राजनीतिक आलोचना हुई।
- **संघीय प्रश्न:** सबसे अधिक माँग वाले गरीब राज्यों के लिए अपना हिस्सा जुटाना सबसे कठिन हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय अंतर बढ़ सकता है।

विश्लेषण

मनरेगा की ताकत उसकी कानूनी, माँग-आधारित गारंटी थी, जो कोविड-19 जैसे संकटों में स्वचालित स्थिरीकरण का काम करती थी। उसकी कमज़ोरियाँ थीं: मज़दूरी भुगतान में देरी, वास्तव में दिए गए औसत दिनों की कम संख्या, और असमान गुणवत्ता की परिसंपत्तियाँ। नया कानून वादा तो बढ़ाता है, पर भुगतान करने वाला बदल देता है। 125 दिन वास्तविकता बनेंगे या नहीं, यह राज्यों के बजट, समय पर मज़दूरी भुगतान, मज़बूत सामाजिक लेखा-परीक्षा और काम न मिलने पर बेरोज़गारी भत्ते की पारदर्शिता पर निर्भर करेगा।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- मनरेगा 2005 में अधिनियमित हुआ और फ़रवरी 2006 में (बांदलापल्ली, आंध्र प्रदेश से) शुरू किया गया। अब इसे VB-G RAM G अधिनियम, 2025 ने निरस्त कर दिया है।
- VB-G RAM G के तहत लागत साझेदारी: 60:40 (सामान्य राज्य), 90:10 (पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्य), 100% केंद्र (बिना विधानमंडल वाले केंद्रशासित प्रदेश)।
- ग्रामीण रोज़गार कार्यों का सामाजिक लेखा-परीक्षण (सोशल ऑडिट) ग्राम सभाओं के माध्यम से किया जाता है।

18 | सामाजिक न्याय GS 2

UGC समता विनियम, 2026: 13 जनवरी को अधिसूचित, 29

जनवरी को रोक

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: शिक्षा; कमज़ोर वर्गों का कल्याण; न्यायपालिका | GS1: सामाजिक सशक्तीकरण

संदर्भ

13 जनवरी 2026 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) ने 2012 के भेदभाव-विरोधी नियमों की जगह लेने के लिए **UGC (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता का संवर्धन) विनियम, 2026** अधिसूचित किए। ये रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं द्वारा दायर एक जनहित याचिका के बाद आए, जिसकी निगरानी सर्वोच्च न्यायालय कर रहा था; ये दोनों छात्र कथित जातिगत भेदभाव के बाद आत्महत्या कर चुके थे। हर संस्थान को अपने समान अवसर केंद्र के अंतर्गत एक समता समिति बनानी थी। विरोध प्रदर्शनों और याचिकाओं के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने **29 जनवरी 2026** को 2026 के विनियमों पर रोक लगा दी।

ⓘ न्यायालय का आदेश

- मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने भाषा को प्रथम दृष्टया अस्पष्ट और दुरुपयोग योग्य पाया, जिसके संभवतः 'व्यापक परिणाम' हो सकते हैं।
- अनुच्छेद 142 का उपयोग करते हुए, शून्यता से बचने के लिए न्यायालय ने 2012 के विनियमों को अंतरिम ढाँचे के रूप में पुनर्जीवित किया, और केंद्र तथा UGC को नोटिस जारी किया।
- मामले को 19 मार्च 2026 को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया। न्यायालय ने पाठ पर विशेषज्ञों द्वारा पुनर्विचार का भी सुझाव दिया।

तर्क

- **विनियमों के विरोध में।** सामान्य वर्ग की पृष्ठभूमि वाले याचिकाकर्ताओं ने कहा कि जाति-आधारित भेदभाव की परिभाषा इस मामले में संकीर्ण थी कि वह किसे संरक्षण देती है, और इससे उनके विरुद्ध शिकायतों का दुरुपयोग हो सकता है।
- **विनियमों के पक्ष में।** छात्र समूहों और मूल याचिकाकर्ताओं के पक्ष सहित समर्थकों ने कहा कि 2012 का ढाँचा नुकसान रोकने में विफल रहा था, और संस्थानों पर स्पष्ट दायित्व लंबे समय से अपेक्षित थे। कुछ आलोचकों ने 2026 के पाठ को बहुत कमज़ोर भी बताया।
- **व्यापक चिंता।** भेदभाव की शिकायतें, कमज़ोर शिकायत निवारण और परिसरों में छात्रों का तनाव एक प्रभावी ढाँचे को ज़रूरी बनाते हैं, उसका अंतिम रूप चाहे जो हो।

विश्लेषण

यह मामला अनुच्छेद 14, 15 और 21 तथा UGC अधिनियम के संगम पर है। एक अच्छे ढाँचे को चाहिए: भेदभाव की स्पष्ट परिभाषा, भेदभाव और झूठी शिकायतों दोनों से सुरक्षा, समयबद्ध शिकायत प्रक्रियाएँ, समितियों में स्वतंत्र सदस्य, और विफल संस्थानों पर परिणामों के साथ निगरानी। पुनर्लेखन की प्रक्रिया संभवतः तय करेगी कि विवाद घटेगा या बढ़ेगा।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- UGC, UGC अधिनियम, 1956 के तहत एक सांविधिक निकाय है, जो उच्च शिक्षा में मानकों का विनियमन करता है।
- अनुच्छेद 142: 'पूर्ण न्याय' के लिए आवश्यक आदेश पारित करने की सर्वोच्च न्यायालय की शक्ति।
- अनुच्छेद 15(1) और 17 जाति सहित विभिन्न आधारों पर भेदभाव का निषेध करते हैं और अस्पृश्यता का उन्मूलन करते हैं।

19 | सामाजिक न्याय — GS 2

मासिक धर्म स्वास्थ्य जीवन के अधिकार का हिस्सा: सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूलों में मुफ़्त पैड और शौचालय का आदेश दिया

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: मौलिक अधिकार, न्यायपालिका, शिक्षा | GS1: महिलाओं से जुड़े मुद्दे

संदर्भ

30 जनवरी 2026 को, डॉ. जया ठाकुर द्वारा दायर एक याचिका में, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि मासिक धर्म स्वास्थ्य का अधिकार और स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (MHM) तक पहुँच **अनुच्छेद 21** के तहत जीवन और गरिमा के अधिकार का हिस्सा है। न्यायालय ने संघ, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निरंतर परमादेश (कंटिन्यूइंग मैंडेमस) जारी किया।

मुख्य निर्देश

- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के हर स्कूल को, चाहे वह सरकारी, सहायता प्राप्त या निजी हो, छात्राओं (कक्षा 6 से 12) को **मुफ़्त जैव-निम्नीकरणीय सैनिटरी नैपकिन** देने होंगे, अधिमानतः शौचालयों के भीतर वेंडिंग मशीनों या किसी निर्धारित स्थान के माध्यम से।
- पानी और साबुन के साथ कार्यशील, **लिंग-पृथक शौचालय**, और ठोस अपशिष्ट नियमों के अनुरूप मासिक धर्म अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान।
- स्कूलों में **MHM कॉर्नर**, जिनमें आपात स्थिति के लिए अतिरिक्त अंतःवस्त्र, यूनिफ़ॉर्म और सामग्री हो।
- पाठ्यक्रम में मासिक धर्म और यौवनारंभ शिक्षा (NCERT और SCERT के माध्यम से) तथा शिक्षक प्रशिक्षण। अनुपालन न करने वाले निजी स्कूलों की शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के तहत मान्यता जा सकती है।

न्यायालय का तर्क

- **अनुच्छेद 21:** गरिमा और स्वास्थ्य जीवन के अधिकार का हिस्सा हैं; जिस लड़की को स्कूल छोड़ना पड़े या असुरक्षित सामग्री इस्तेमाल करनी पड़े, वह दोनों से वंचित होती है।
- **अनुच्छेद 14 (सारभूत समानता):** असमान छात्रों से एक जैसा व्यवहार करने से वंचना और गहरी होती है; राज्य का सकारात्मक दायित्व है कि वह सहायता दे ताकि लड़कियाँ बराबरी पर आ सकें।
- **अनुच्छेद 21A और RTE अधिनियम:** 'मुफ़्त' शिक्षा का अर्थ है उपस्थिति की बाधाओं को हटाना, जिनमें मासिक धर्म से जुड़ी बाधाएँ भी शामिल हैं।

विश्लेषण

यह फ़ैसला मासिक धर्म स्वच्छता को एक कल्याणकारी योजना से एक प्रवर्तनीय अधिकार में बदल देता है, और मासिक धर्म स्वच्छता योजना तथा केरल और राजस्थान के राज्य कार्यक्रमों जैसी योजनाओं पर आधारित है। क्रियान्वयन बजट, जैव-निम्नीकरणीय उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला, शौचालयों के रखरखाव और शिक्षा के माध्यम से कलंक तोड़ने पर निर्भर करेगा। यह पर्यावरण से भी जुड़ता है: सैनिटरी अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान शहरी स्थानीय निकायों के लिए बढ़ती चुनौती है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- अनुच्छेद 21A (86वें संशोधन, 2002 द्वारा जोड़ा गया): 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा।
- RTE अधिनियम, 2009: धारा 12(1)(c) के तहत निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को प्रवेश-स्तर की 25% सीटें वंचित बच्चों के लिए आरक्षित करनी होती हैं।
- मासिक धर्म स्वच्छता दिवस 28 मई को मनाया जाता है।

20 | अर्थव्यवस्था GS 3

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26: स्थिर संवृद्धि, ऊँची संभावित दर और अनुकूलन का तर्क

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: भारतीय अर्थव्यवस्था और नियोजन; मुद्रास्फीति; राजकोषीय नीति; जलवायु अनुकूलन

संदर्भ

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने **29 जनवरी 2026** को, 1 फ़रवरी के केंद्रीय बजट से कुछ दिन पहले, संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश किया। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन के मार्गदर्शन में तैयार यह सर्वेक्षण 2025-26 के लिए वास्तविक GDP संवृद्धि **7.4%** आँकता है और 2026-27 के लिए **6.8-7.2%** का अनुमान लगाता है।

मुख्य आँकड़े

- **संभावित संवृद्धि:** भारत की मध्यम अवधि की संभावित संवृद्धि अब लगभग 7% आँकी गई है, जो पहले लगभग 6.5% थी।
- **उपभोग:** निजी अंतिम उपभोग 2025-26 में GDP का 61.5% हो गया, जो 2011-12 के बाद सबसे अधिक है।
- **मुद्रास्फीति:** खुदरा मुद्रास्फीति 2024-25 के 4.6% से घटकर अप्रैल-दिसंबर 2025 में 1.7% रह गई।
- **बाह्य क्षेत्र:** 2025-26 की पहली छमाही (H1) में चालू खाता घाटा GDP का 0.8% (एक वर्ष पहले 1.3%)। 2025-26 में राजकोषीय घाटा GDP के 4.5% से नीचे रहने की उम्मीद।
- **बैंकिंग:** सकल NPA कई दशकों के निचले स्तर 2.2% पर (सितंबर 2025), जैसा कि सर्वेक्षण के बैंक अनुसंधान सारांशों में उद्धृत है।

ध्यान देने योग्य विषय

- **वित्त एक सक्षमकर्ता के रूप में।** सर्वेक्षण का तर्क है कि वित्त को परिवर्तन की संरचना के रूप में नए सिरे से देखा जाना चाहिए: वित्तीय प्रणालियों में भरोसा, प्रतिस्पर्धा और नवाचार विकास को आगे बढ़ाते हैं।
- **अनुकूलन के रूप में विकास।** सर्वेक्षण आर्थिक विकास को ही जलवायु अनुकूलन का एक रूप बताता है, क्योंकि अधिक समृद्ध और बेहतर जुड़ी अर्थव्यवस्थाएँ अधिक सहनशील होती हैं। द्वितीयक सारांशों के अनुसार, यह बताता है कि घरेलू अनुकूलन व्यय 2022 तक बढ़कर GDP का लगभग 5.6% हो गया।
- **जोखिम।** टैरिफ़ से जुड़ा व्यापार व्यवधान, प्रमुख साझेदारों में धीमी संवृद्धि और अस्थिर पूँजी प्रवाह निर्यात और धारणा पर भारी पड़ सकते हैं। सर्वेक्षण यह भी अपेक्षा करता है कि FY27 में मुद्रास्फीति बहुत निचले स्तर से बढ़ेगी।

विश्लेषण

कम मुद्रास्फीति और मज़बूत उपभोग नीति-निर्माताओं को गुंजाइश देते हैं, फिर भी बहुत कम मुद्रास्फीति आंशिक रूप से खाद्य कीमतों की नरमी को दर्शाती है, इसलिए यह टिकाऊ नहीं भी हो सकती। 'अनुकूलन के रूप में विकास' की रूपरेखा उपयोगी है पर विवादित भी: यह सबसे गरीब क्षेत्रों के लिए लक्षित अनुकूलन वित्त और हानि-एवं-क्षति (लॉस एंड डैमेज) सहायता की ज़रूरत को कम करके आँक सकती है। अभ्यर्थियों को दोनों पक्ष प्रस्तुत करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- आर्थिक सर्वेक्षण बजट से पहले पेश किया जाता है (बजट 2026, 1 फ़रवरी को था); यह कोई विधिक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि आर्थिक कार्य विभाग द्वारा की गई नीतिगत समीक्षा है।
- बाज़ार मूल्य पर GDP = GVA + उत्पाद कर - उत्पाद सब्सिडी।
- FY26 के लिए GDP के प्रथम अग्रिम अनुमान (7 जनवरी को जारी) ने संवृद्धि 7.4% आँकी, वही आँकड़ा जिसे सर्वेक्षण अपनाता है।

21 | अर्थव्यवस्था GS 3

वैश्विक परिदृश्य: जनवरी 2026 की IMF, विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र और WEF रिपोर्टें

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: भारतीय अर्थव्यवस्था; संवृद्धि और विकास | GS2: महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ

संदर्भ

जनवरी की चार रिपोर्टों ने भारत के बजट सत्र की वैश्विक पृष्ठभूमि तय की: संयुक्त राष्ट्र की **वर्ल्ड इकोनॉमिक सिचुएशन एंड प्रॉस्पेक्ट्स** (8 जनवरी), विश्व बैंक की **ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स** (13 जनवरी), विश्व आर्थिक मंच (WEF) की **ग्लोबल रिस्क्स रिपोर्ट 2026** (14 जनवरी) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) का **वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट** (19 जनवरी)।

IMF WEO अपडेट, जनवरी 2026

- जुलाई-सितंबर तिमाही (8.2%) के मज़बूत प्रदर्शन और अंतिम तिमाही तक जारी गति का हवाला देते हुए भारत के FY26 के संवृद्धि अनुमान को 0.7 प्रतिशत अंक बढ़ाकर **7.3%** किया गया।
- भारत का FY27 अनुमान: **6.4%** (6.2% से बढ़ाकर), क्योंकि चक्रीय समर्थन कम होगा।
- वैश्विक संवृद्धि: 2026 में 3.3% और 2027 में 3.2%। 2025 में तेज़ गिरावट के बाद भारत में मुद्रास्फीति के लक्ष्य के निकट लौटने की उम्मीद।
- जोखिम: अमेरिकी टैरिफ़ और अनिश्चितता, तथा यह आशंका कि AI-आधारित निवेश धीमा पड़े और वैश्विक वित्तीय परिस्थितियाँ सख़्त हों।

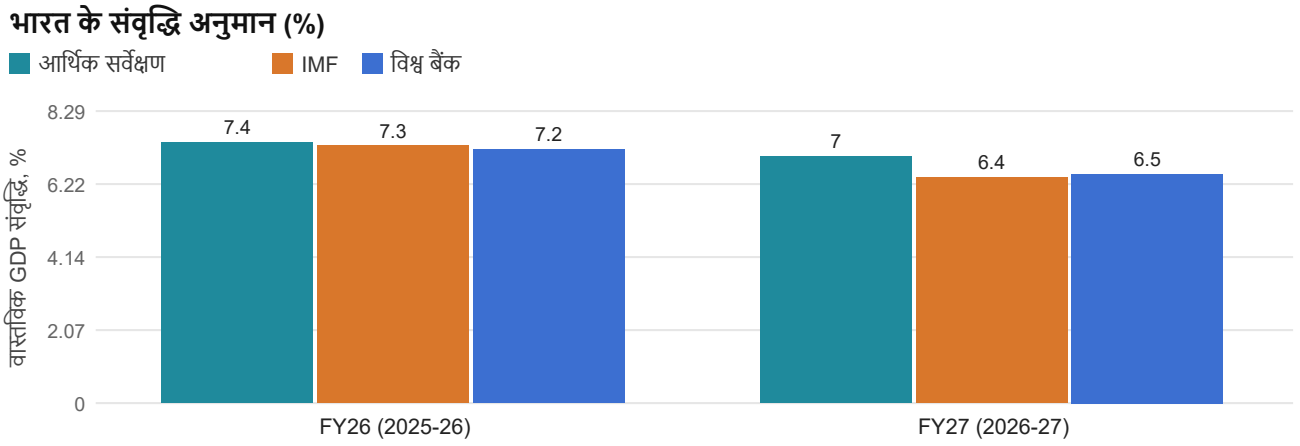
विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र के परिदृश्य (जनवरी 2026)

- **विश्व बैंक, ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स (13 जनवरी):** भारत की FY26 संवृद्धि 0.9 अंक बढ़ाकर 7.2% की गई, जो FY27 में घटकर 6.5% होगी; 2026 में वैश्विक संवृद्धि धीमी होकर 2.6% रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में सरकारी ऋण 55 वर्ष के उच्चतम स्तर के करीब है।
- **संयुक्त राष्ट्र वर्ल्ड इकोनॉमिक सिचुएशन एंड प्रॉस्पेक्ट्स 2026 (8 जनवरी):** 2026 में वैश्विक उत्पादन संवृद्धि 2.7%; कैलेंडर वर्ष 2026 में भारत की संवृद्धि घटकर 6.6% रहेगी, फिर भी वह सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

WEF ग्लोबल रिस्क्स रिपोर्ट 2026 (21वाँ संस्करण)

- 1,300 से अधिक नेताओं और विशेषज्ञों के सर्वेक्षण पर आधारित।
- **2026 का शीर्ष जोखिम:** भू-आर्थिक टकराव, जिसे 18% उत्तरदाताओं ने वैश्विक संकट पैदा करने की सबसे अधिक संभावना वाला जोखिम चुना; इसके बाद राज्य-आधारित सशस्त्र संघर्ष, चरम मौसम, सामाजिक ध्रुवीकरण और गलत/भ्रामक सूचना।
- **दो वर्ष की अवधि:** भू-आर्थिक टकराव पहले स्थान पर (आठ स्थान ऊपर), भ्रामक सूचना दूसरे स्थान पर।
- **दस वर्ष की अवधि:** चरम मौसम सूची में सबसे ऊपर है और शीर्ष दस में से आधे जोखिम पर्यावरणीय हैं। असमानता लगातार दूसरे वर्ष सबसे अधिक परस्पर जुड़ा जोखिम है।

विश्लेषण



चार्ट. सर्वेक्षण का FY27 का स्तंभ उसकी 6.8-7.2% सीमा का मध्य-बिंदु है। स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26; IMF WEO अपडेट और विश्व बैंक GEP, जनवरी 2026

- **तीन अनुमान, एक कहानी।** FY26 के लिए NSO (7.4%), आर्थिक सर्वेक्षण (7.4%), IMF (7.3%) और विश्व बैंक (7.2%) लगभग सहमत हैं। FY27 के लिए सर्वेक्षण का 6.8-7.2% IMF के 6.4% और विश्व बैंक के 6.5% से काफ़ी अधिक है; यह अंतर उत्तरों में उल्लेख करने योग्य है।
- **घरेलू इंजन।** संवृद्धि उपभोग और सार्वजनिक निवेश पर टिकी है, जो भारत को कमज़ोर बाहरी माँग से तो बचाता है, पर निर्यात पर टैरिफ़ के झटकों से नहीं।
- **जोखिम पहले से दिख रहे हैं।** ग्रीनलैंड टैरिफ़, ईरान पर द्वितीयक टैरिफ़ और यूरोपीय संघ का CBAM, सभी एक ही महीने में भू-आर्थिक टकराव को दर्शाते हैं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- IMF का वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक: पूर्ण संस्करण अप्रैल और अक्टूबर में, अद्यतन जनवरी और जुलाई में।
- ग्लोबल रिस्क्स रिपोर्ट: WEF (मुख्यालय कोलोनी, जिनेवा) द्वारा अपने ग्लोबल रिस्क्स परसेप्शन सर्वे के आधार पर प्रकाशित।
- विश्व बैंक की ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स: वर्ष में दो बार (जनवरी और जून) प्रकाशित। वर्ल्ड इकोनॉमिक सिचुएशन एंड प्रॉस्पेक्ट्स संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों का विभाग (UN DESA) प्रकाशित करता है।

22 | अर्थव्यवस्था GS 3

स्टार्टअप इंडिया के दस वर्ष: राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2026

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: भारतीय अर्थव्यवस्था, संवृद्धि, रोज़गार; विज्ञान और प्रौद्योगिकी (नवाचार); सरकारी नीतियाँ

संदर्भ

भारत ने **16 जनवरी 2026** को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया, जो 16 जनवरी 2016 को स्टार्टअप इंडिया कार्य योजना के शुभारंभ के दस वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। सरकार ने 2022 में इस तिथि को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस घोषित किया था। प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में संस्थापकों और नवप्रवर्तकों को संबोधित किया, जहाँ पाँचवें राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कारों और राज्यों की पाँचवीं स्टार्टअप रैंकिंग के परिणाम घोषित किए गए।

मुख्य आँकड़े (दिसंबर 2025 - जनवरी 2026 के लिए, जैसा बताया गया)

- DPIIT द्वारा मान्यता प्राप्त 2 लाख से अधिक स्टार्टअप (दिसंबर 2025 तक लगभग 2.09 लाख), जिससे भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारितंत्र है।
- मान्यता प्राप्त स्टार्टअप में से लगभग आधे टियर-II और टियर-III शहरों से हैं।
- 45% से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप में कम से कम एक महिला निदेशक है।
- ₹10,000 करोड़ की निधि वाला स्टार्टअप के लिए फ़ंड ऑफ़ फ़ंड्स (FFS) सिडबी (SIDBI) द्वारा प्रबंधित है और सीधे निवेश करने के बजाय SEBI-पंजीकृत फ़ंडों के माध्यम से निवेश करता है।

योजना क्या प्रदान करती है

- **मान्यता:** किसी इकाई को निगमन से दस वर्ष तक DPIIT द्वारा स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी जा सकती है।
- **प्रोत्साहन:** लगातार तीन वर्षों के लिए आयकर अवकाश (पात्र स्टार्टअप के लिए), कुछ श्रम और पर्यावरण कानूनों के तहत स्व-प्रमाणन, तेज़ पेटेंट परीक्षण और शुल्क में छूट, तथा सार्वजनिक खरीद के शिथिल मानदंड।
- **वित्त:** FFS, स्टार्टअप इंडिया सीड फ़ंड योजना और स्टार्टअप के लिए ऋण गारंटी योजना।

विश्लेषण

पहले दशक ने उद्यमिता को महानगरों से बहुत आगे तक फैलाया और अधिक महिला संस्थापकों को जोड़ा। अगले दशक की समस्याएँ कठिन हैं: शुरुआती चरण की कंपनियों के लिए सूखते फ़ंडिंग चक्र, ऐसे देश में डीप-टेक की कमज़ोर पाइपलाइन जिसका अनुसंधान एवं विकास (R&D) व्यय GDP के 1% से नीचे है, और बढ़ती कंपनियों के लिए नियामकीय अड़चनें। नीति अब अनुसंधान-आधारित नवाचार की ओर बढ़ रही है, जिसमें 2025 में स्वीकृत ₹1 लाख करोड़ की अनुसंधान, विकास और नवाचार (RDI) योजना शामिल है। सफलता धैर्यवान पूँजी, विश्वविद्यालय-उद्योग संबंधों और सार्वजनिक बाज़ारों के माध्यम से घरेलू निकास (एग्ज़िट) पर निर्भर करेगी।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- DPIIT (उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग) वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन है।
- राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस: 16 जनवरी। स्टार्टअप इंडिया का शुभारंभ: 16 जनवरी 2016।
- FFS का संचालन सिडबी (भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक) करता है।

23 | पर्यावरण — GS 3

यूरोपीय संघ का CBAM निर्णायक चरण में: भारतीय निर्यातकों के लिए कार्बन सीमा

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन; बाह्य क्षेत्र | GS2: अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियम

संदर्भ

यूरोपीय संघ (EU) का कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (CBAM) केवल रिपोर्टिंग वाले संक्रमण चरण (1 अक्टूबर 2023 से 31 दिसंबर 2025) से निकलकर **1 जनवरी 2026 को अपने निर्णायक चरण** में पहुँच गया। अब शामिल वस्तुओं के EU आयातकों को CBAM प्रमाणपत्र लेने होंगे, जो उस कार्बन मूल्य को दर्शाते हैं जो वस्तुएँ EU नियमों के तहत बनने पर चुकाया जाता। उत्सर्जन आँकड़ों का सत्यापन किसी मान्यता प्राप्त सत्यापनकर्ता द्वारा होना चाहिए। शामिल क्षेत्र हैं: लोहा और इस्पात, एल्युमिनियम, सीमेंट, उर्वरक, बिजली और हाइड्रोजन।

भारत पर जोखिम क्यों

- लोहा-इस्पात और एल्युमिनियम, CBAM के दायरे वाले भारत के EU को सबसे बड़े निर्यात हैं। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) के अनुसार, रिपोर्टिंग चरण के दौरान भी EU को भारत का इस्पात और एल्युमिनियम निर्यात 24.4% घटकर FY24 के 7.71 अरब अमेरिकी डॉलर से FY25 में 5.82 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया।
- GTRI का अनुमान है कि निर्यातकों को कीमतें 15-22% तक घटानी पड़ सकती हैं ताकि EU के खरीदार कार्बन लागत वहन कर सकें।
- छोटी कंपनियों को ईंधन, बिजली और उत्पादन आँकड़ों को EU के प्रारूप में दर्ज करने की अनुपालन लागत उठानी पड़ती है।

भारत के तर्क

- **साझा किंतु विभेदित उत्तरदायित्व (CBDR)।** भारत का तर्क है कि एकतरफ़ा सीमा उपाय इस सिद्धांत की अनदेखी करता है कि उत्सर्जन कटौती में विकसित देशों को आगे रहना चाहिए और विकासशील देशों को नीतिगत गुंजाइश चाहिए।
- **व्यापार नियम।** आलोचक CBAM को व्यापार पर एक संभावित प्रच्छन्न प्रतिबंध बताते हैं। EU का कहना है कि यह एक पर्यावरणीय उपाय है जो 'कार्बन रिसाव' (कार्बन लीकेज) रोकता है और उसके अपने कार्बन बाज़ार (EU ETS) की रक्षा करता है।
- **प्रति व्यक्ति दृष्टिकोण।** भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन कम है, पर उसका इस्पात उत्पादन मार्ग कोयला-प्रधान है, जिससे प्रति टन अंतर्निहित उत्सर्जन बढ़ता है।

प्रतिक्रियाएँ और आगे की राह

- उत्पादन का डीकार्बनीकरण: ग्रीन हाइड्रोजन-आधारित इस्पात, स्क्रैप-आधारित इलेक्ट्रिक आर्क फ़र्नेस और एल्युमिनियम प्रगलन के लिए नवीकरणीय बिजली।
- घरेलू कार्बन मूल्य और मापन प्रणाली (कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना) बनाना, ताकि भारत में चुकाए गए कार्बन मूल्य को EU मान्यता दे सके।

- समतुल्य उपायों की मान्यता, संक्रमण सहायता और पूर्वानुमेय नियमों के लिए भारत-EU मुक्त व्यापार समझौता (FTA) प्रक्रिया और WTO मंचों का उपयोग।
- बाज़ारों का विविधीकरण और मूल्य श्रृंखला में ऊपर बढ़ना, क्योंकि CBAM मूल सामग्रियों पर लागू होता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- CBAM: EU का कानून; चुनिंदा कार्बन-प्रधान वस्तुओं के आयात पर लागू; निर्णायक चरण 1 जनवरी 2026 से।
- कार्बन रिसाव: उत्सर्जन-प्रधान उत्पादन का कमज़ोर जलवायु नियमों वाले स्थानों पर स्थानांतरण।
- EU ETS: यूरोपीय संघ उत्सर्जन व्यापार प्रणाली, एक 'कैप-एंड-ट्रेड' कार्बन बाज़ार।

24 | अर्थव्यवस्था GS 3

बैंक धोखाधड़ी: मामले कम, रकम कहीं अधिक

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: भारतीय अर्थव्यवस्था, बैंकिंग क्षेत्र, संसाधनों का संग्रहण

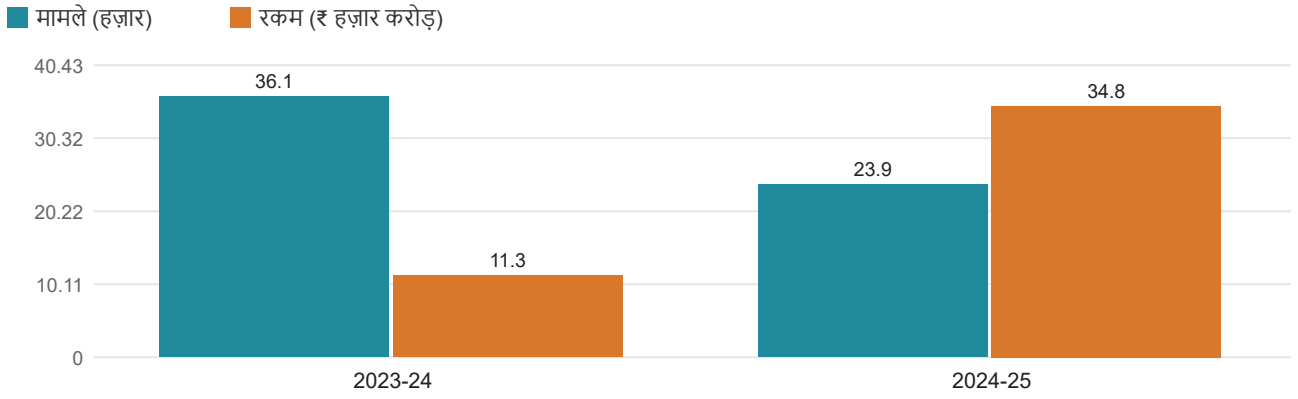
संदर्भ

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की 'भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति 2024-25' रिपोर्ट, जो वर्ष के अंत के आसपास प्रकाशित हुई, ने दिखाया कि धोखाधड़ी के मामलों की संख्या तेज़ी से घटी, जबकि उनमें शामिल रकम तीन गुना हो गई।

मुख्य आँकड़े

- मामले 36,052 (2023-24) से घटकर 23,879 (2024-25) रह गए, पर रकम ₹11,261 करोड़ से बढ़कर ₹34,771 करोड़ हो गई।
- यह उछाल मुख्यतः ₹18,336 करोड़ के 122 पुराने मामलों के दोबारा रिपोर्ट होने के कारण था, जब बैंकों ने सर्वोच्च न्यायालय के 2023 के उस फ़ैसले के अनुरूप धोखाधड़ी का वर्गीकरण फिर से किया, जिसके अनुसार किसी खाते को धोखाधड़ी घोषित करने से पहले उधारकर्ता को सुनवाई का अवसर देना ज़रूरी है।
- अप्रैल-सितंबर 2025 में मामले घटकर 5,092 रह गए, पर रकम बढ़कर ₹21,515 करोड़ हो गई।
- संख्या के हिसाब से कार्ड और इंटरनेट धोखाधड़ी लगभग 67% मामले थे; मूल्य के हिसाब से ऋण (अग्रिम) धोखाधड़ी हावी रही।
- संख्या के हिसाब से सबसे अधिक मामले निजी बैंकों ने रिपोर्ट किए (59%), पर अधिकांश रकम सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की थी (71%)।

बैंक धोखाधड़ी: मामले कम, रकम अधिक



चार्ट. मामले लगभग एक-तिहाई घटे, जबकि उनमें शामिल रकम तीन गुना हो गई। स्रोत: RBI, भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति 2024-25

प्रवृत्ति को समझना

- **छोटी डिजिटल धोखाधड़ी घट रही है**, बेहतर लेनदेन निगरानी, जोखिम-आधारित प्रमाणीकरण, री-KYC और 'म्यूल' खातों पर कार्रवाई के कारण।
- **बड़े नुकसान ऋणों से होते हैं:** बड़े कॉर्पोरेट ऋण धोखाधड़ी का पता लगने में वर्षों लगते हैं, इसलिए वे देर से सामने आते हैं और बाद के आँकड़ों को बढ़ा देते हैं।
- **प्रक्रिया मायने रखती है:** SBI बनाम राजेश अग्रवाल (2023) में सर्वोच्च न्यायालय का फ़ैसला किसी खाते को धोखाधड़ी वर्गीकृत करने से पहले सुनवाई ज़रूरी बनाता है, जिससे निष्पक्षता बढ़ती है पर वर्गीकरण धीमा होता है।

आगे की राह

- फ़ोरेंसिक ऑडिट, बैंकों के बीच आँकड़ों की साझेदारी (RBI का बड़े ऋणों पर सूचना का केंद्रीय भंडार, CRILC) और प्रारंभिक चेतावनी संकेतों के माध्यम से ऋण धोखाधड़ी का जल्द पता लगाना।
- दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (IBC) सहित तेज़ जाँच और वसूली, तथा CBI और ED के साथ बेहतर समन्वय।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में, जहाँ सबसे अधिक पैसा डूबता है, मज़बूत शासन और जवाबदेही।
- 'डिजिटल अरेस्ट' घोटालों सहित डिजिटल धोखाधड़ी पर निरंतर जन-जागरूकता, और 1930 हेल्पलाइन के माध्यम से त्वरित रिपोर्टिंग।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और हेल्पलाइन 1930, गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) के अंतर्गत संचालित हैं।
- म्यूल खाता: चोरी का पैसा इधर-उधर करने के लिए इस्तेमाल होने वाला बैंक खाता, जो अक्सर किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर खोला या किराए पर लिया जाता है।
- RBI की प्रवृत्ति और प्रगति रिपोर्ट, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 36(2) के तहत एक सांविधिक रिपोर्ट है।

25 | अर्थव्यवस्था — GS 3

सहज सीमा से नीचे मुद्रास्फीति: राहत या जोखिम?

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: मुद्रास्फीति, मौद्रिक नीति, संवृद्धि

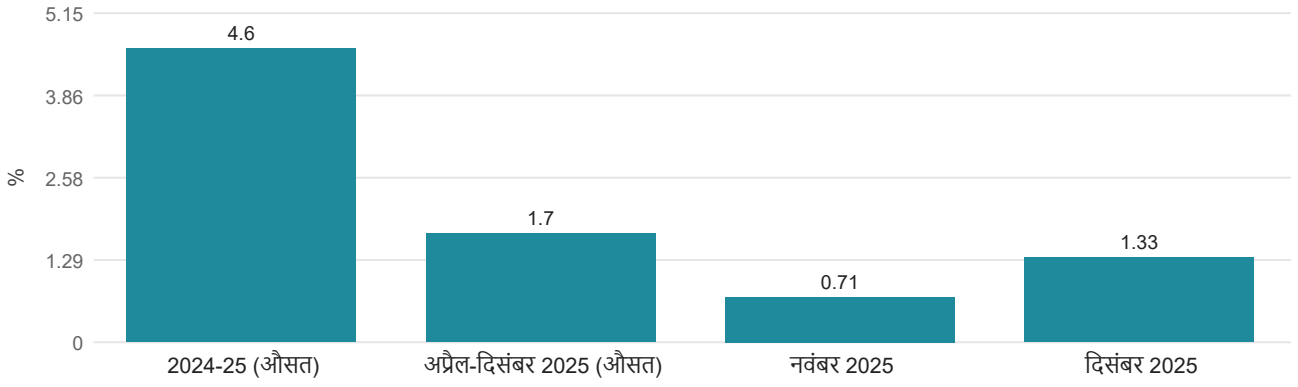
संदर्भ

खुदरा मुद्रास्फीति (CPI) लगातार चौथे महीने भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की 2% की निचली सहनशीलता सीमा से नीचे रही: नवंबर 2025 में 0.71% और दिसंबर 2025 में 1.33%, जबकि खाद्य कीमतें लगातार सात महीनों तक वर्ष-दर-वर्ष आधार पर गिरीं। RBI ने दिसंबर 2025 में रेपो दर घटाकर 5.25% कर दी, जो उस वर्ष की चौथी कटौती थी। मज़बूत संवृद्धि के साथ बहुत कम मुद्रास्फीति आदर्श लगती है, पर इससे अपने प्रश्न भी उठते हैं।

मुद्रास्फीति इतनी कम क्यों हुई

- 2025 में अच्छा मानसून, भरे जलाशय और गेहूँ की रिकॉर्ड बुआई से खाद्य आपूर्ति मज़बूत रही; सब्ज़ियों और दालों की कीमतें तेज़ी से गिरीं।
- सितंबर 2025 में GST दरों में कटौती से कई उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें घटीं।
- ऊँचा आधार: एक वर्ष पहले खाद्य मुद्रास्फीति ऊँची थी, इसलिए वर्ष-दर-वर्ष बदलाव बहुत कम दिखते हैं।
- कच्चे तेल सहित वैश्विक जिंसों की नरम कीमतें।

खुदरा (CPI) मुद्रास्फीति, वर्ष-दर-वर्ष %



चार्ट. RBI का लक्ष्य 4% है, 2-6% की सहनशीलता सीमा के साथ। स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26; MoSPI की CPI विज्ञप्तियाँ

बहुत कम मुद्रास्फीति चिंता क्यों है

- **कृषि आय:** फ़सलों की गिरती कीमतें किसानों को नुकसान पहुँचाती हैं, भले ही उपभोक्ताओं को लाभ हो (उत्तर प्रदेश में आलू की थोक कीमतें पिछले वर्ष के लगभग आधे स्तर पर आ गईं)।

- **सांकेतिक संवृद्धि और कर राजस्व:** कम मुद्रास्फीति सांकेतिक (नॉमिनल) GDP संवृद्धि को नीचे खींचती है (2025-26 में लगभग 8%, कई वर्षों का निचला स्तर), जिससे कर संग्रह दबता है और ऋण अनुपात घटाना कठिन होता है।
- **नीतिगत विश्वसनीयता:** RBI के सर्वेक्षण दिखाते हैं कि परिवार अब भी आधिकारिक आँकड़ों से कहीं अधिक मुद्रास्फीति की अपेक्षा करते हैं, इसलिए बहुत कम आँकड़े व्यवहार नहीं बदल सकते।
- **उलटफेर का जोखिम:** आधार प्रभाव समाप्त होने पर मुद्रास्फीति तेज़ी से बढ़ सकती है, जिससे नीति में यू-टर्न लेना पड़ सकता है।

विश्लेषण

लचीला मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढाँचा 2% से नीचे की मुद्रास्फीति को भी लक्ष्य से चूक मानता है, ठीक वैसे ही जैसे 6% से ऊपर की मुद्रास्फीति को। RBI की कटौतियाँ इसी को दर्शाती हैं। 2024 आधार वर्ष वाली नई CPI शृंखला (फ़रवरी 2026 में जारी) में खाद्य पदार्थों का भार कम है, जिससे भविष्य में मुख्य (हेडलाइन) मुद्रास्फीति की अस्थिरता का स्वरूप बदल सकता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- मुद्रास्फीति लक्ष्य: 2% से 6% की सीमा के साथ 4% CPI, जिसे सरकार RBI अधिनियम, 1934 की धारा 45ZA के तहत पाँच-वर्षीय अवधि के लिए तय करती है। मौद्रिक नीति समिति (MPC) में छह सदस्य होते हैं।
- कोर मुद्रास्फीति में खाद्य और ईंधन शामिल नहीं होते; हेडलाइन मुद्रास्फीति में सभी वस्तुएँ शामिल होती हैं।
- अपस्फीति (डिफ़्लेशन): सामान्य मूल्य स्तर में निरंतर गिरावट; अवस्फीति (डिसइन्फ़्लेशन): मुद्रास्फीति की दर में गिरावट।

26 | अर्थव्यवस्था GS 3

भूमि अधिग्रहण: अवसंरचना पर सबसे बड़ा ब्रेक

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: अवसंरचना, निवेश मॉडल, भूमि सुधार

संदर्भ

बड़ी परियोजनाओं की निगरानी के लिए प्रधानमंत्री के मंच **प्रगति (PRAGATI)** के माध्यम से मॉनिटर की जा रही बड़ी परियोजनाओं की एक समीक्षा में भूमि अधिग्रहण को देरी का सबसे बड़ा कारण बताया गया, जो पर्यावरण और वन मंज़ूरी तथा मार्गाधिकार (राइट-ऑफ़-वे) की समस्याओं से भी आगे है। यह ऐसे समय में है जब सार्वजनिक पूँजीगत व्यय लगभग ₹11.2 लाख करोड़ (2025-26) के रिकॉर्ड स्तर पर है।

विधिक ढाँचा

- **भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013** (RFCTLARR) ने भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 का स्थान लिया।
- अधिकांश परियोजनाओं के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन ज़रूरी है, तथा निजी परियोजनाओं के लिए 80% और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) परियोजनाओं के लिए 70% प्रभावित परिवारों की सहमति आवश्यक है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में बाज़ार मूल्य के चार गुना तक और शहरी क्षेत्रों में दो गुना तक प्रतिकर, साथ में पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन।
- 'संपत्ति का अर्जन और अधिग्रहण' समवर्ती सूची की प्रविष्टि 42 है; कई राज्यों ने अपने संशोधन या भूमि-क्रय नीतियाँ पारित की हैं।

देरी क्यों बनी रहती है

- अस्पष्ट और पुराने भूमि अभिलेखों से स्वामित्व विवाद और मुक़दमेबाज़ी होती है।
- सामाजिक प्रभाव आकलन और सहमति प्रक्रियाओं में समय लगता है, और प्रतिकर विवाद अक्सर अदालत तक पहुँचते हैं।
- छोटी, बिखरी जोतों का अर्थ है कि एक रैखिक परियोजना के लिए हज़ारों मालिकों से निपटना पड़ता है।
- जहाँ आजीविका, वन या जनजातीय भूमि प्रभावित होती है वहाँ विरोध होते हैं; वन अधिकार अधिनियम, 2006 और पेसा (PESA), 1996 ग्राम सभा की सहमति की अतिरिक्त आवश्यकताएँ जोड़ते हैं।

आगे की राह

- DILRMP के तहत भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण और शुद्धिकरण, विशिष्ट भूखंड संख्याओं (भू-आधार) और निर्णायक स्वामित्व (कनक्लूसिव टाइटलिंग) का उपयोग करते हुए।
- भूमि पूलिंग (जैसे अमरावती में) और उचित, त्वरित भुगतान के साथ बातचीत द्वारा क्रय का उपयोग।
- समयबद्ध विवाद समाधान और समर्पित भूमि न्यायाधिकरण।
- संवेदनशील भूमि से बचने के लिए GIS और पीएम गति शक्ति का उपयोग करते हुए गलियारों की पहले से योजना।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- प्रगति (PRAGATI - प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) 2015 में शुरू किया गया।
- अनुच्छेद 300A: संपत्ति का अधिकार एक संवैधानिक अधिकार है (44वें संशोधन, 1978 के बाद से मौलिक अधिकार नहीं)।
- पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (2021) अवसंरचना नियोजन के लिए एक GIS-आधारित मंच है।

27 | कृषि GS 3

कृषि संकट: आत्महत्या के आँकड़े क्या बताते हैं

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: कृषि, कृषि संकट | GS1: सामाजिक मुद्दे

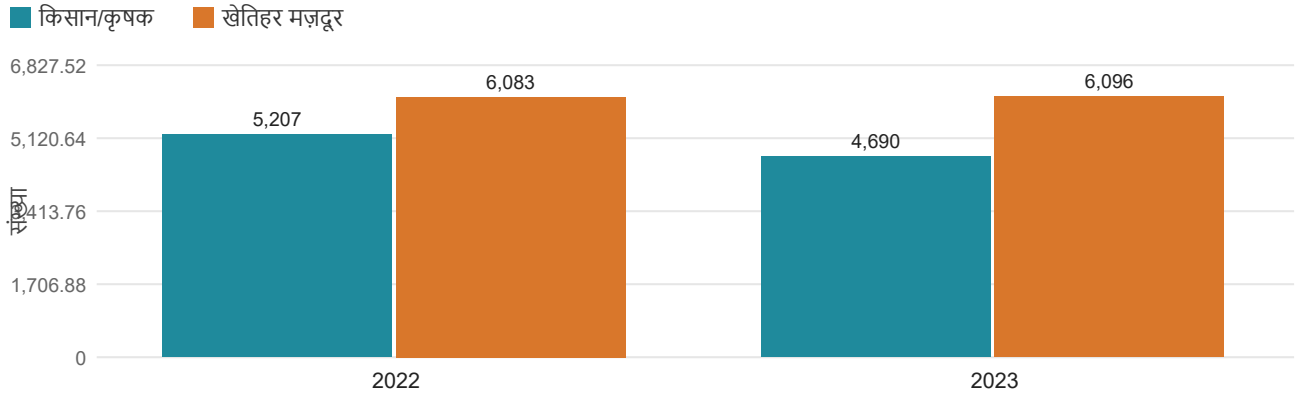
संदर्भ

जनवरी में प्रकाशित विश्लेषण ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की 'भारत में दुर्घटनावश मृत्यु और आत्महत्याएँ 2023' (सितंबर 2025 में जारी) के आधार पर कृषि क्षेत्र की आत्महत्याओं पर फिर से नज़र डाली। 2023 में कृषि क्षेत्र के **10,786** लोगों ने आत्महत्या की: 4,690 किसान/कृषक और 6,096 खेतिहर मज़दूर, जो भारत की सभी आत्महत्याओं का लगभग 6.3% है। 2022 की तुलना में किसान आत्महत्याएँ लगभग 10% घटीं, जबकि मज़दूरों की आत्महत्याएँ लगभग अपरिवर्तित रहीं।

प्रवृत्तियाँ

- कृषि क्षेत्र की आत्महत्याओं में अब मज़दूरों की संख्या कृषकों से अधिक है, जो दर्शाता है कि भूमिहीन और अस्थायी श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षित हैं।
- **संकेंद्रण:** सबसे अधिक मामले महाराष्ट्र (लगभग 4,150 कृषि क्षेत्र आत्महत्याएँ) और कर्नाटक (लगभग 2,400) में दर्ज हुए, इसके बाद आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश।
- **दीर्घकालिक:** कृषि क्षेत्र की आत्महत्याएँ 2000 के दशक की शुरुआत में चरम पर थीं और तब से घटी हैं, पर वर्षा-आधारित, कपास और सोयाबीन क्षेत्रों में अब भी ऊँची हैं।

कृषि क्षेत्र की आत्महत्याएँ, 2022 और 2023



चार्ट. अब बड़ा हिस्सा मज़दूरों का है। स्रोत: NCRB, भारत में दुर्घटनावश मृत्यु और आत्महत्याएँ 2023

कारण

- **ऋण:** बार-बार फ़सल विफलता और अनौपचारिक साहूकारों से ऊँचे ब्याज पर उधार।
- **वर्षा-आधारित खेती:** निवल बोए गए क्षेत्र का लगभग आधा हिस्सा वर्षा पर निर्भर है, इसलिए सूखा या अनियमित मानसून आय पर भारी चोट करता है।
- **कीमतों में अस्थिरता:** अच्छी फ़सल के बाद फ़सलों की कीमतों में गिरावट (जैसे 2025 में आलू) और बढ़ती आदान लागत।
- **छोटी जोतें:** अधिकांश किसानों के पास 2 हेक्टेयर से कम भूमि है, जिससे आय और ऋण तक पहुँच सीमित रहती है।
- **कमज़ोर सुरक्षा जाल:** फ़सल बीमा का सीमित भुगतान, और ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्लभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता।

क्या मदद करता है

- **ग्रामीण रोज़गार गारंटी:** अध्ययन मनरेगा के विस्तारित काम को घटते संकट से जोड़ते हैं; नए VB-G RAM G अधिनियम (धारा 17) को समय पर काम देना होगा।

- सिंचाई, फ़सल विविधीकरण और मूल्य स्थिरीकरण (MSP संचालन, मूल्य स्थिरीकरण कोष)।
- प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना (PMFBY) के तहत तेज़ और निष्पक्ष फ़सल बीमा, तथा किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से संस्थागत ऋण।
- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और टेली-मानस (14416) के तहत सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य सहायता।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- NCRB गृह मंत्रालय के अधीन है; यह 'भारत में अपराध' (Crime in India) और 'भारत में दुर्घटनावश मृत्यु और आत्महत्याएँ' (ADSI) प्रकाशित करता है।
- पीएम-किसान पात्र भू-धारक किसानों को तीन किस्तों में प्रति वर्ष ₹6,000 देता है।
- टेली-मानस: राष्ट्रीय टेली-मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन 14416 (2022 में शुरू)।

28 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

PSLV-C62 के बाद: गगनयान की समय-सारिणी और भारत की अंतरिक्ष क्षमता की समस्या

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण; विज्ञान-प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ

संदर्भ

जनवरी 2026 की शुरुआत एक झटके से हुई और अंत एक समय-सारिणी के साथ। PSLV-C62 12 जनवरी को विफल हुआ, जो PSLV के तीसरे चरण में लगातार दूसरी विसंगति थी (देखें खंड 29)। 30 जनवरी को इसरो (ISRO) अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा कि ह्यूमनॉइड रोबोट **व्योममित्र** को ले जाने वाली पहली मानवरहित गगनयान उड़ान, **G1**, का लक्ष्य मार्च 2026 है और 8,000 से अधिक भू-परीक्षणों के बाद यह लगभग 90% तैयार है। मानवयुक्त उड़ान अब तीन मानवरहित मिशनों के बाद **2027** के लिए नियोजित है। उन्होंने कहा कि PSLV विफलता का विश्लेषण अलग से चल रहा है और इससे गगनयान में देरी नहीं होगी। साथ मिलकर ये एक बड़ा प्रश्न उठाते हैं: क्या इसरो क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलते हुए एक भीड़ भरा रोडमैप पूरा कर सकता है?

मुख्य बिंदु

- **गगनयान:** तीन चालक दल सदस्य लगभग 400 किमी की कक्षा में अधिकतम तीन दिनों के लिए, मानव-अनुकूलित (ह्यूमन-रेटेड) LVM3 से प्रक्षेपित। चार नामित अंतरिक्ष यात्री हैं ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, अजित कृष्णन, अंगद प्रताप और शुभांशु शुक्ला, जो 2025 में एक्सिओम-4 मिशन से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) गए थे।
- **दीर्घकालिक रोडमैप:** 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय मानवयुक्त अवतरण।
- **नेक्स्ट जनरेशन लॉन्च व्हीकल (NGLV):** सितंबर 2024 में ₹8,240 करोड़ की लागत से स्वीकृत, पुन: प्रयोज्य पहले चरण के साथ और निम्न भू-कक्षा तक 30 टन तक की क्षमता, जो आज की क्षमता का लगभग तीन गुना है। विकास 96 महीनों में तीन परीक्षण उड़ानों के साथ नियोजित है।
- **पुन: प्रयोज्यता परीक्षण:** 2024 में पूरी हुई इसरो की RLV-LEX श्रृंखला ने एक पंखयुक्त यान ('पुष्पक') की स्वायत्त रनवे लैंडिंग का प्रदर्शन किया।
- **क्षेत्रीय सुधार:** IN-SPACe (2020) निजी गतिविधियों को अधिकृत करता है; NSIL वाणिज्यिक शाखा है; भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 भूमिकाएँ तय करती है; 2024 में FDI नियम आसान किए गए।

क्षमता की समस्या

- **प्रक्षेपण की आवृत्ति।** इसरो ने 2025 में गिने-चुने मिशन ही उड़ाए, जो उसकी योजना से काफ़ी कम थे। प्रमुख परियोजनाएँ (गगनयान, चंद्रयान-4, NISAR के अनुवर्ती मिशन, BAS मॉड्यूल) एक ही टीमों, परीक्षण स्टैंडों और प्रक्षेपण पैडों के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं।
- **साझा अवसंरचना।** स्काईरूट और अग्निकुल जैसी निजी प्रक्षेपण कंपनियाँ अब भी श्रीहरिकोटा में इसरो की सुविधाओं और इसरो के परीक्षणों पर निर्भर हैं। एक विफलता जाँच पूरे पारितंत्र को धीमा कर सकती है।
- **मध्यम-भार पर निर्भरता।** PSLV और GSLV व्यय-योग्य (एक्सपेंडेबल) मध्यम-भार रॉकेट हैं, जबकि बाज़ार भारी-भार वाले पुन: प्रयोज्य यानों की ओर बढ़ रहा है, जो प्रति किलोग्राम लागत को तेज़ी से घटाते हैं।
- **कानूनी कमियाँ।** भारत में कोई राष्ट्रीय अंतरिक्ष कानून नहीं है। 1972 के दायित्व अभिसमय (लायबिलिटी कन्वेंशन) के तहत क्षति के लिए प्रक्षेपण करने वाला देश उत्तरदायी होता है, इसलिए सरकार बिना किसी कानून के निजी जोखिम उठाती है। अंतरिक्ष गतिविधियाँ विधेयक 2017 से मसौदे के रूप में लंबित है।

आगे की राह

- लाइसेंसिंग, दायित्व, बीमा और विवाद समाधान को शामिल करते हुए एक राष्ट्रीय अंतरिक्ष गतिविधि कानून पारित करना।
- दूसरा प्रक्षेपण परिसर (तमिलनाडु में कुलशेखरपट्टिनम स्पेसपोर्ट, मुख्यतः SSLV के लिए) तथा अधिक निजी परीक्षण और एकीकरण सुविधाएँ बनाना।
- नियमित प्रक्षेपण और उपग्रह निर्माण उद्योग को सौंपना (जैसे PSLV और SSLV प्रौद्योगिकी हस्तांतरण), ताकि इसरो अनुसंधान और मानव अंतरिक्ष उड़ान पर ध्यान दे सके।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- व्योममित्र: अर्ध-ह्यूमनॉइड रोबोट, जो मानवरहित गगनयान मिशनों पर उड़ान भरेगा।
- NGLV: पुन: प्रयोज्य पहला चरण, निम्न भू-कक्षा (LEO) तक 30 टन तक (LVM3 की लागत के लगभग 1.5 गुना पर उसकी तीन गुना पेलोड क्षमता)।

29 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

PSLV-C62: एक वर्ष से कम समय में तीसरे चरण में दूसरी विसंगति

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: विज्ञान और प्रौद्योगिकी; विज्ञान-प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; अंतरिक्ष

संदर्भ

12 जनवरी 2026 को इसरो (ISRO) का वर्ष का पहला प्रक्षेपण, PSLV-C62, ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान की 64वीं उड़ान के रूप में श्रीहरिकोटा के पहले लॉन्च पैड से लगभग सुबह 10:17 बजे (IST) रवाना हुआ। इसमें पृथ्वी अवलोकन उपग्रह **EOS-N1 (अन्वेषा)** और 15 सह-यात्री उपग्रह थे, जिनमें से आठ विदेशी थे; यह न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) का मिशन था। तीसरे चरण (PS3) के अंत के निकट, इसरो ने यान की रोल दरों में गड़बड़ी और उसके बाद उड़ान पथ से विचलन देखा, और उपग्रह अपनी निर्धारित कक्षा तक नहीं पहुँचे। इसरो ने विस्तृत विश्लेषण शुरू किया।

मुख्य बिंदु

- **यान:** PSLV चार चरणों वाला रॉकेट है जिसमें ठोस और तरल चरण बारी-बारी से हैं: स्ट्रैप-ऑन के साथ ठोस पहला चरण, तरल दूसरा, ठोस तीसरा (PS3), तरल चौथा (PS4)।
- **प्रवृत्ति:** मई 2025 में PSLV-C61 में भी तीसरे चरण में तकनीकी विसंगति आई थी, जिससे PSLV-C62 में PS3 की यह लगातार दूसरी समस्या है।
- **वाणिज्यिक पहलू:** यह NSIL का 9वाँ समर्पित वाणिज्यिक मिशन था, इसलिए विदेशी ग्राहकों का भरोसा दाँव पर है।
- **मिशन का उद्देश्य:** EOS-N1 का उद्देश्य कृषि, शहरी मानचित्रण और पर्यावरण निगरानी के लिए सुदूर संवेदन को बेहतर बनाना था।

विश्लेषण

- **विश्वसनीयता।** PSLV लंबे और मज़बूत रिकॉर्ड के साथ भारत का भरोसेमंद 'वर्कहॉर्स' रहा है, जिसमें 2017 में 104 उपग्रहों का विश्व-रिकॉर्ड प्रक्षेपण शामिल है। एक ही चरण में लगातार विफलताएँ दुर्भाग्य के बजाय डिज़ाइन या गुणवत्ता की समस्या की ओर इशारा करती हैं।
- **विफलता विश्लेषण।** एक विफलता विश्लेषण समिति को मूल कारण पहचानना चाहिए, निष्कर्षों को उचित रूप से प्रकाशित करना चाहिए और अगली उड़ान से पहले चरण को ठीक करना चाहिए। पारदर्शिता ग्राहकों और जनता का भरोसा बढ़ाती है।
- **अर्थशास्त्र।** 16 उपग्रहों के नुकसान से NSIL और PSLV राइडशेयर मिशनों पर उड़ान भरने वाले भारतीय स्टार्टअप्स के लिए बीमा, प्रतिष्ठा और समय-सारिणी की लागत जुड़ी है।
- **व्यापक कार्यक्रम।** गगनयान, NavIC की पुनःपूर्ति और वाणिज्यिक प्रक्षेपण एक स्वस्थ प्रक्षेपण यान बेड़े पर निर्भर हैं। निजी प्रक्षेपक और SSLV जैसे नए यान अतिरिक्त विकल्प (रिडंडेंसी) जोड़ सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

PSLV के चार चरण हैं जिनमें ठोस और तरल प्रणोदन बारी-बारी से है: ठोस (PS1), तरल (PS2), ठोस (PS3) और तरल (PS4)। हाल की दोनों विसंगतियाँ ठोस तीसरे चरण में थीं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- PSLV: ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान, चार चरण (ठोस-तरल-ठोस-तरल); सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित।
- NSIL: इसरो की वाणिज्यिक शाखा, अंतरिक्ष विभाग के अधीन।
- IN-SPACe: निजी अंतरिक्ष गतिविधियों को अधिकृत करता है और बढ़ावा देता है।

30 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

डिज़ाइन द्वारा शासन: AI के प्रति भारत का तकनीकी-विधिक दृष्टिकोण

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: IT और AI में विकास | GS2: सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप

संदर्भ

जनवरी 2026 में प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PSA) के कार्यालय ने एक श्वेत पत्र, **'तकनीकी-विधिक ढाँचे के माध्यम से AI शासन को सुदृढ़ करना'** (Strengthening AI Governance Through a Techno-Legal Framework), जारी किया। यह किसी एकल, स्वतंत्र AI कानून के विरुद्ध तर्क देता है। इसके बजाय यह 'कानून-और-प्रौद्योगिकी' मॉडल प्रस्तावित करता है: कानूनी दायित्वों को इस बात में ही शामिल किया जाता है कि AI प्रणालियाँ कैसे डिज़ाइन, परीक्षित और लागू की जाती हैं। यह नवंबर 2025 में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा जारी भारत AI शासन दिशानिर्देशों पर आधारित है और नई दिल्ली में इंडिया AI इम्पैक्ट समिट (19-20 फ़रवरी 2026) से पहले आया है।

मुख्य प्रस्ताव

- **डिज़ाइन द्वारा शासन:** निजता, सुरक्षा, निष्पक्षता और जवाबदेही के सुरक्षा उपाय, केवल नुकसान होने के बाद जाँचने के बजाय, प्रणाली में ही अंतर्निहित।
- **जीवनचक्र दृष्टिकोण:** पाँच चरणों पर नियंत्रण: डेटा संग्रह, उपयोग में डेटा की सुरक्षा, मॉडल प्रशिक्षण और आकलन, सुरक्षित अनुमान (आउटपुट), और स्वयं कार्य करने वाला एजेंटिक AI।
- **आनुपातिकता:** दायित्व हर प्रणाली पर एक समान लागू होने के बजाय जोखिम के अनुपात में बढ़ते हैं।
- **संस्थाएँ:** PSA की अध्यक्षता में एक AI शासन समूह, MeitY के अंतर्गत एक प्रौद्योगिकी और नीति विशेषज्ञ समिति, परीक्षण और मूल्यांकन के लिए एक AI सुरक्षा संस्थान, और एक राष्ट्रीय AI घटना डेटाबेस।
- **डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना:** सहमति, सत्यापन और ऑडिट ट्रेल के लिए आधार, डिजिलॉकर, UPI और डेटा सशक्तीकरण और संरक्षण संरचना (DEPA) जैसे उपकरणों का उपयोग।

भारत यह मॉडल क्यों पसंद करता है

- **नवाचार की गुंजाइश।** EU जैसा भारी कानून स्टार्टअप्स पर बोझ डाल सकता है और इंडियाAI मिशन (2024 में स्वीकृत, लगभग ₹10,372 करोड़) को धीमा कर सकता है, जो कंप्यूट क्षमता और भारतीय फ़ाउंडेशन मॉडल बना रहा है।
- **मौजूदा कानून पहले से लागू हैं।** सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 और उसके 2025 के नियम, उपभोक्ता कानून और क्षेत्रीय नियामक (RBI, SEBI) पहले से ही AI से जुड़े कई नुकसानों को कवर करते हैं।
- **बदलाव की गति।** तकनीकी मानकों और उपकरणों को कानून की तुलना में तेज़ी से अद्यतन किया जा सकता है।

चिंताएँ

- **प्रवर्तन।** कानून के बिना यह स्पष्ट नहीं है कि जब कोई AI प्रणाली विभिन्न क्षेत्रों में नुकसान करे तो कौन-सा नियामक कार्रवाई करेगा।
- **लोगों के लिए उपचार।** प्रभावित व्यक्ति के लिए किसी स्वचालित निर्णय या डीपफ़ेक से हुए नुकसान को चुनौती देने के स्पष्ट रास्ते कम हैं।
- **क्षमता।** छोटी कंपनियों और राज्य एजेंसियों के पास ऑडिट और तकनीकी सुरक्षा उपाय चलाने के लिए कौशल और धन की कमी हो सकती है।
- **स्वैच्छिक बनाम अनिवार्य।** वे सीमाएँ अभी अपरिभाषित हैं जिन पर अनुपालन अनिवार्य हो जाता है।

विश्लेषण

यह दृष्टिकोण ऐसे देश के अनुकूल है जो लागत कम रखते हुए AI का बड़ा उपयोगकर्ता और निर्माता बनना चाहता है। यह डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के माध्यम से शासन करने के भारत के रिकॉर्ड से मेल खाता है। इसकी सफलता इस पर निर्भर करेगी कि AI सुरक्षा संस्थान को वास्तविक परीक्षण शक्तियाँ मिलती हैं या नहीं, उच्च-जोखिम उपयोगों के लिए घटना रिपोर्टिंग अनिवार्य होती है या नहीं, और नागरिकों को

शिकायत का सरल रास्ता मिलता है या नहीं। स्मॉल लैंग्वेज मॉडल, जो फ़ोन पर और भारतीय भाषाओं में कम लागत पर चलते हैं, डिज़ाइन द्वारा शासन को बड़े पैमाने पर लागू करना आसान बना सकते हैं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार: अजय के. सूद। MeitY ने नवंबर 2025 में भारत AI शासन दिशानिर्देश जारी किए।
- इंडियाAI मिशन: मार्च 2024 में स्वीकृत; सात स्तंभ, जिनमें कंप्यूट क्षमता, फ़ाउंडेशन मॉडल, डेटासेट और सुरक्षित एवं विश्वसनीय AI शामिल हैं।
- इंडिया AI इम्पैक्ट समिट: भारत मंडपम, नई दिल्ली, 19-20 फ़रवरी 2026।

31 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

शांति (SHANTI) अधिनियम और हल्के जल रिएक्टर: भारत का दोहरा परमाणु मार्ग

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: ऊर्जा; परमाणु प्रौद्योगिकी; अवसंरचना | GS2: सरकारी नीतियाँ

संदर्भ

दिसंबर में पारित **सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ़ न्यूक्लियर एनर्जी फ़ॉर ट्रांसफ़ॉर्मिंग इंडिया (SHANTI) अधिनियम, 2025** परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए सिविल दायित्व अधिनियम, 2010 को निरस्त करता है। जनवरी 2026 में ध्यान इस पर गया कि आगे क्या होगा, जिसमें भारत के स्वदेशी दाबित भारी जल रिएक्टरों (PHWR) के साथ-साथ विदेशी और निजी **हल्के जल रिएक्टर (LWR)** शामिल हैं। 27 जनवरी को भारत-EU शिखर सम्मेलन ने भी 2020 के भारत-यूरेटॉम (Euratom) समझौते के तहत व्यापक सहयोग का समर्थन किया।

शांति अधिनियम क्या बदलता है

- संयंत्रों के निर्माण और संचालन, उपकरण निर्माण तथा कुछ ईंधन-चक्र गतिविधियों में लाइसेंस के तहत सीमित निजी भागीदारी की अनुमति देता है।
- परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (AERB) को वैधानिक दर्जा देता है, जिससे उसकी स्वतंत्रता मज़बूत होती है।
- एकल दायित्व सीमा के स्थान पर एक श्रेणीबद्ध (graded) ढाँचा लाता है, जो प्रतिष्ठान के प्रकार और आकार के अनुसार बदलता है। 2010 के क़ानून के तहत आपूर्तिकर्ता दायित्व की चिंताओं ने विदेशी विक्रेताओं को दूर रखा था।
- **2047 तक 100 GW परमाणु क्षमता** के राष्ट्रीय लक्ष्य का समर्थन करता है; आज यह लगभग 8.8 GW है (2031-32 तक लगभग 22 GW तक पहुँचने की योजना)।

LWR बनाम PHWR

- **LWR:** साधारण जल शीतलक (coolant) और मंदक (moderator) दोनों के रूप में; संवर्धित यूरेनियम की आवश्यकता; वैश्विक मानक (विश्व के अधिकांश रिएक्टर)। इसके प्रकारों में दाबित जल रिएक्टर (PWR) और क्वथन जल रिएक्टर (BWR) शामिल हैं।
- **PHWR:** भारी जल (D_2O) मंदक और शीतलक के रूप में; प्राकृतिक यूरेनियम पर चलता है; भारत का स्वदेशी मुख्य आधार (220 MW और 700 MW डिज़ाइन)।
- **भारत के वर्तमान LWR:** तारापुर 1 और 2 (BWR, 1969) और कुडनकुलम (रूसी VVER PWR)। नियोजित आयातों में जैतापुर (फ़्रांस) और कोव्वाडा (अमेरिका) शामिल हैं।

अभी LWR क्यों

- **पैमाना और गति:** बड़ी LWR इकाइयाँ (1,000 MW और अधिक) 2047 के लक्ष्य की ओर तेज़ी से क्षमता जोड़ती हैं।
- **लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR):** बजट 2025-26 का परमाणु ऊर्जा मिशन (₹20,000 करोड़) 2033 तक कम से कम पाँच स्वदेशी SMR का लक्ष्य रखता है, जिनमें PWR-आधारित BSMR-200 और SMR-55 शामिल हैं। ये LWR प्रौद्योगिकियाँ हैं।
- **निर्यात और कूटनीति:** एक भारतीय LWR डिज़ाइन भारत को ग्लोबल साउथ के साझेदारों को रिएक्टर देने में सक्षम बनाएगा।

चिंताएँ

- **लागत:** आयातित रिएक्टरों की पूँजीगत लागत अधिक होती है, जिससे बिजली महँगी हो सकती है।

- **ईंधन निर्भरता:** संवर्धित यूरेनियम का अधिकांश भाग आयात करना पड़ता है; PHWR प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग करते हैं और भारत के थोरियम की ओर ले जाने वाले त्रि-चरणीय कार्यक्रम में फ़िट बैठते हैं।
- **दायित्व और सुरक्षा:** आलोचकों को चिंता है कि किसी गंभीर दुर्घटना के बाद श्रेणीबद्ध दायित्व के कारण पीड़ितों को अपर्याप्त मुआवज़ा मिल सकता है; जन विश्वास के लिए वास्तव में स्वतंत्र नियामक आवश्यक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- त्रि-चरणीय कार्यक्रम (होमी भाभा): PHWR (प्राकृतिक यूरेनियम) से फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टर (प्लूटोनियम) और फिर थोरियम-आधारित रिएक्टर। 500 MW का प्रोटोटाइप फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टर कलपक्कम में है।
- मंदक न्यूट्रॉनों की गति धीमी करता है; शीतलक ऊष्मा को हटाता है। भारी जल साधारण जल की तुलना में कम न्यूट्रॉन अवशोषित करता है, इसलिए प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग किया जा सकता है।
- AERB की स्थापना 1983 में हुई थी; शांति अधिनियम इसे वैधानिक आधार देता है।

32 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

रक्षा के लिए क्वांटम: सैन्य क्वांटम मिशन नीति ढाँचा

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विकास; सुरक्षा; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण

संदर्भ

23 जनवरी 2026 को चीफ़ ऑफ़ डिफ़ेंस स्टाफ़ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने **सैन्य क्वांटम मिशन नीति ढाँचा** जारी किया। यह बताता है कि थलसेना, नौसेना और वायुसेना नागरिक **राष्ट्रीय क्वांटम मिशन** (NQM) के साथ तालमेल में मिलकर क्वांटम प्रौद्योगिकियों को कैसे अपनाएँगी।

ढाँचा

- **चार स्तंभ:** क्वांटम संचार, क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम संवेदन और मापिकी (metrology), तथा क्वांटम सामग्री और उपकरण, जो NQM के चार विषयों से मेल खाते हैं।
- **संयुक्तता (Jointness):** प्रत्येक सेना में अलग-अलग परियोजनाओं के स्थान पर एकल त्रि-सेवा दृष्टिकोण।
- **नागरिक-सैन्य समन्वय:** सब कुछ स्वयं बनाने के बजाय शिक्षा जगत, स्टार्टअप, उद्योग और NQM हब की सहायता लेना।
- **लक्ष्य:** सुरक्षित संचार, बेहतर संवेदन और नेविगेशन, तेज़ निर्णय-प्रक्रिया तथा साइबर और इलेक्ट्रॉनिक हमलों के विरुद्ध लचीलापन।

क्या आप जानते हैं?

क्वांटम कुंजी वितरण (QKD) लिंक किसी गुप्त रूप से सुनने वाले (eavesdropper) को उजागर कर सकता है, क्योंकि क्वांटम अवस्था को मापने से वह विक्षुब्ध हो जाती है। इसीलिए सेनाएँ इसे अपने सबसे संवेदनशील लिंकों के लिए चाहती हैं।

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (पृष्ठभूमि)

- 19 अप्रैल 2023 को 2023-24 से 2030-31 के लिए ₹6,003.65 करोड़ के साथ स्वीकृत; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित।
- **लक्ष्य:** आठ वर्षों के भीतर 50-1,000 भौतिक क्यूबिट वाले क्वांटम कंप्यूटर; भारत के भीतर 2,000 किमी से अधिक उपग्रह-आधारित सुरक्षित क्वांटम संचार; 2,000 किमी से अधिक अंतर-शहरी क्वांटम कुंजी वितरण; सटीक मैग्नेटोमीटर और परमाणु घड़ियाँ।
- **चार विषयगत हब:** कंप्यूटिंग (IISc बेंगलुरु), संचार (IIT मद्रास, C-DOT के साथ), संवेदन और मापिकी (IIT बॉम्बे), सामग्री और उपकरण (IIT दिल्ली)।

सैन्य उपयोग

- **क्वांटम कुंजी वितरण (QKD):** कुंजी को गुप्त रूप से सुनने का कोई भी प्रयास क्वांटम अवस्थाओं को विक्षुब्ध करता है और पकड़ा जाता है।
- **पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफ़ी:** बड़े क्वांटम कंप्यूटर आज के सार्वजनिक-कुंजी एन्क्रिप्शन को तोड़ सकते हैं, इसलिए सैन्य नेटवर्क को अभी से क्वांटम-सुरक्षित एल्गोरिद्म चाहिए ('अभी एकत्र करो, बाद में डिक्रिप्ट करो' का जोखिम)।
- **क्वांटम संवेदन:** मैग्नेटोमीटर और ग्रेविमीटर पनडुब्बियों या सुरंगों का पता लगा सकते हैं; क्वांटम घड़ियाँ और जड़त्वीय सेंसर GPS जाम होने पर भी नेविगेशन संभव बनाते हैं।

चुनौतियाँ

भारत का क्वांटम हार्डवेयर आधार छोटा है: क्रायोजेनिक्स, लेज़र, एकल-फ़ोटॉन डिटेक्टर और विशेष सामग्री अधिकांशतः आयात की जाती हैं। प्रतिभा कम है और अमेरिका तथा चीन की तुलना में निजी निवेश मामूली है। ढाँचे को समर्पित वित्तपोषण, सुरक्षित आपूर्ति शृंखलाओं और ऐसे रक्षा

ख़रीद नियमों की आवश्यकता होगी जो स्टार्टअप को प्रोटोटाइप से तैनात प्रणालियों तक पहुँचने दें।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- क्यूबिट: एक क्वांटम बिट जो 0 और 1 की अध्यारोपण (superposition) अवस्था में हो सकता है; उलझाव (entanglement) क्यूबिटों को जोड़ता है जिससे उनकी अवस्थाएँ सहसंबद्ध रहती हैं।
- QKD नो-क्लोनिंग प्रमेय पर आधारित है: किसी अज्ञात क्वांटम अवस्था की सटीक प्रतिलिपि नहीं बनाई जा सकती।
- जनवरी में ही: गणतंत्र दिवस पर प्रदर्शित DRDO की लंबी दूरी की जहाज़-रोधी हाइपरसोनिक मिसाइल (LR-AShM) की अधिकतम गति लगभग मैक 10 बताई गई है।

33 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

पृथ्वी के लिए अंतरिक्ष और कक्षा में क़ानून: स्वास्थ्य सेवा में स्पिन-ऑफ़ और अंतरिक्ष में पेटेंट

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: दैनिक जीवन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग; बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के मुद्दे | GS2: अंतरराष्ट्रीय संधियाँ

संदर्भ

जनवरी की दो चर्चाएँ दिखाती हैं कि अंतरिक्ष अनुसंधान दैनिक जीवन तक कैसे पहुँचता है और क़ानून कैसे पीछे छूट रहा है। एक चर्चा उन चिकित्सा प्रौद्योगिकियों पर थी जो अंतरिक्ष कार्यक्रमों से विकसित हुईं। दूसरी में पूछा गया कि चंद्रमा पर या कक्षा में स्थायी रूप से मानवयुक्त किसी अड्डे पर किए गए आविष्कार का स्वामी कौन है। भारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की योजना बना रहा है, इसलिए दोनों प्रश्न नीति के लिए महत्वपूर्ण हैं।

स्वास्थ्य सेवा में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी

- **इमेजिंग:** ग्रहों और खगोलीय चित्रों के लिए विकसित डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग ने CT, MRI और अन्य स्कैन में मदद की।
- **सघन (कॉम्पैक्ट) निदान:** सूक्ष्म-गुरुत्व में रक्त परीक्षण करने की आवश्यकता ने लघु विश्लेषकों और लैब-ऑन-चिप उपकरणों को बढ़ावा दिया।
- **पहनने योग्य उपकरण (वियरेबल्स):** अंतरिक्ष यात्रियों की बायोटेलीमेट्री ने हृदय गति, ECG और श्वसन की निरंतर निगरानी को आकार दिया।
- **स्वच्छ वातावरण:** अंतरिक्ष यान की वायु और जल शुद्धिकरण प्रणालियाँ अस्पतालों में संक्रमण नियंत्रण में सहायक हैं।
- **टेलीमेडिसिन:** इसरो (ISRO) का उपग्रह टेलीमेडिसिन नेटवर्क 2000 के दशक की शुरुआत से ज़िला अस्पतालों और दूरदराज़ के क्षेत्रों को विशेषज्ञों से जोड़ता रहा है।
- **पैमाना:** नासा (NASA) ने 1976 से अब तक 2,000 से अधिक व्यावसायिक स्पिन-ऑफ़ दर्ज किए हैं; इसरो ने कई प्रौद्योगिकियाँ भारतीय उद्योग को हस्तांतरित की हैं, जिनमें जैव-चिकित्सा उपकरण शामिल हैं।

अंतरिक्ष में पेटेंट क़ानून क्यों कठिनाई में है

- **पेटेंट क्षेत्रीय होते हैं;** वे किसी देश की सीमाओं के भीतर लागू होते हैं। बाह्य अंतरिक्ष संधि (1967) के अनुच्छेद II के तहत कोई भी राज्य बाह्य अंतरिक्ष, चंद्रमा या अन्य खगोलीय पिंडों पर संप्रभुता का दावा नहीं कर सकता।
- **क्षेत्राधिकार पंजीकरण के अनुसार चलता है।** अनुच्छेद VIII पंजीकरण करने वाले राज्य को उसकी अंतरिक्ष वस्तुओं पर क्षेत्राधिकार देता है, इसलिए किसी पंजीकृत मॉड्यूल में किया गया आविष्कार उसी राज्य में किया गया माना जाता है।
- **ISS मॉडल:** 1998 के ISS अंतर-सरकारी समझौते का अनुच्छेद 21 प्रत्येक साझेदार का पेटेंट क़ानून उसके अपने मॉड्यूल पर लागू करता है। यह अलग-अलग मॉड्यूल के लिए तो काम करता है, पर संयुक्त रूप से निर्मित और संचालित चंद्र अड्डों के लिए नहीं।
- **जीवन-रक्षक प्रौद्योगिकियाँ:** किसी स्थायी अड्डे पर जल पुनर्चक्रण, ऑक्सीजन या बिजली पर पेटेंट दूसरों को अनिवार्य चीज़ों से वंचित कर सकते हैं, जो इस सिद्धांत से मेल नहीं खाता कि अंतरिक्ष सभी के उपयोग के लिए स्वतंत्र है।
- **'सुविधा के झंडे' (Flags of convenience):** कंपनियाँ कमज़ोर नियमों वाले राज्यों में अपनी वस्तुएँ पंजीकृत करा सकती हैं, जैसा जहाज़ों के मामले में होता है।

आगे की राह

विकल्पों में संयुक्त अड्डों के लिए एक बहुपक्षीय बौद्धिक संपदा (IP) व्यवस्था, जीवन-रक्षक प्रौद्योगिकियों के लिए अनिवार्य लाइसेंसिंग और संयुक्त रूप से किए गए आविष्कारों पर स्पष्ट नियम शामिल हैं। बाह्य अंतरिक्ष संधि का पक्षकार और आर्टेमिस समझौते (2023) का हस्ताक्षरकर्ता भारत

ऐसे नियमों के लिए प्रयास कर सकता है जो उभरते अंतरिक्ष राष्ट्रों के लिए पहुँच खुली रखें। देश के भीतर उसे एक ऐसे अंतरिक्ष क़ानून की आवश्यकता है जो निजी मिशनों के लिए IP को भी शामिल करे।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख अंतरिक्ष संधियाँ: बाह्य अंतरिक्ष संधि (1967), बचाव समझौता (1968), दायित्व अभिसमय (1972), पंजीकरण अभिसमय (1975), चंद्रमा समझौता (1979)। भारत ने चंद्रमा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, पर उसका अनुसमर्थन नहीं किया है।
- भारत ने जून 2023 में अमेरिका के नेतृत्व वाले आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- UNCOPUOS (बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग पर संयुक्त राष्ट्र समिति) की स्थापना 1959 में हुई थी; भारत इसका संस्थापक सदस्य है।

34 | आपदा प्रबंधन GS 3

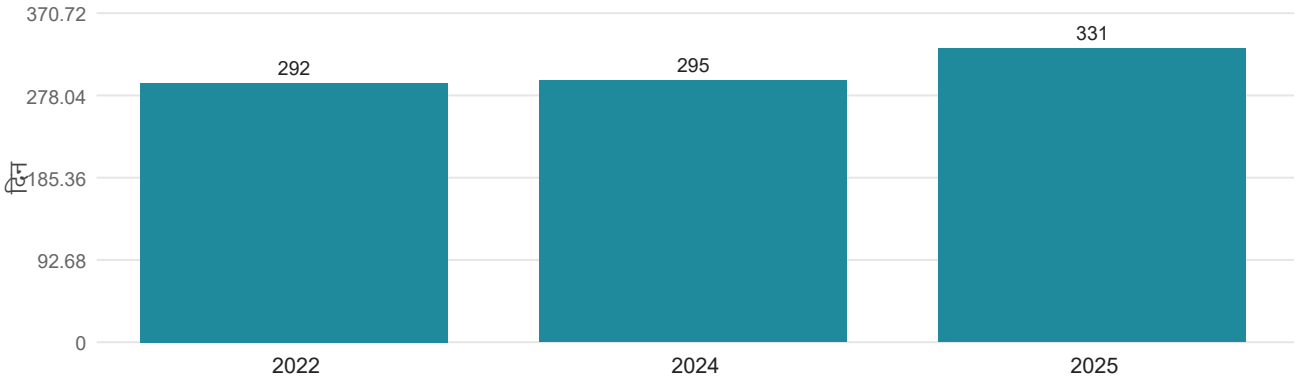
चरम घटनाओं का वर्ष: हिमालयी आपदाएँ और समुदाय-आधारित जोखिम न्यूनीकरण

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: भूगोल (हिमालय), महत्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएँ | GS3: आपदा प्रबंधन, पर्यावरण

संदर्भ

विज्ञान और पर्यावरण केंद्र (CSE) और 'डाउन टू अर्थ' के 2025 के आकलन में पाया गया कि भारत में वर्ष के **पहले 334 दिनों में से 331 दिन** चरम मौसम रहा, जो 2024 के 295 दिनों से अधिक है। कम से कम **4,419 लोगों** की मृत्यु हुई, लगभग 1.74 करोड़ (17.4 मिलियन) हेक्टेयर फ़सलें प्रभावित हुईं और 1.8 लाख से अधिक घर नष्ट हुए। अपने आकार की तुलना में हिमालयी राज्य सबसे अधिक प्रभावित हुए: हिमाचल प्रदेश में लगभग 80% दिनों में चरम घटनाएँ हुईं, और अगस्त 2025 में उत्तराखंड के धराली में आई आकस्मिक बाढ़ (फ़्लैश फ़्लड) इस जोखिम का प्रतीक बन गई। जनवरी में बहस इस ओर मुड़ी कि पहाड़ी राज्य और स्थानीय निकाय बेहतर तैयारी कैसे कर सकते हैं।

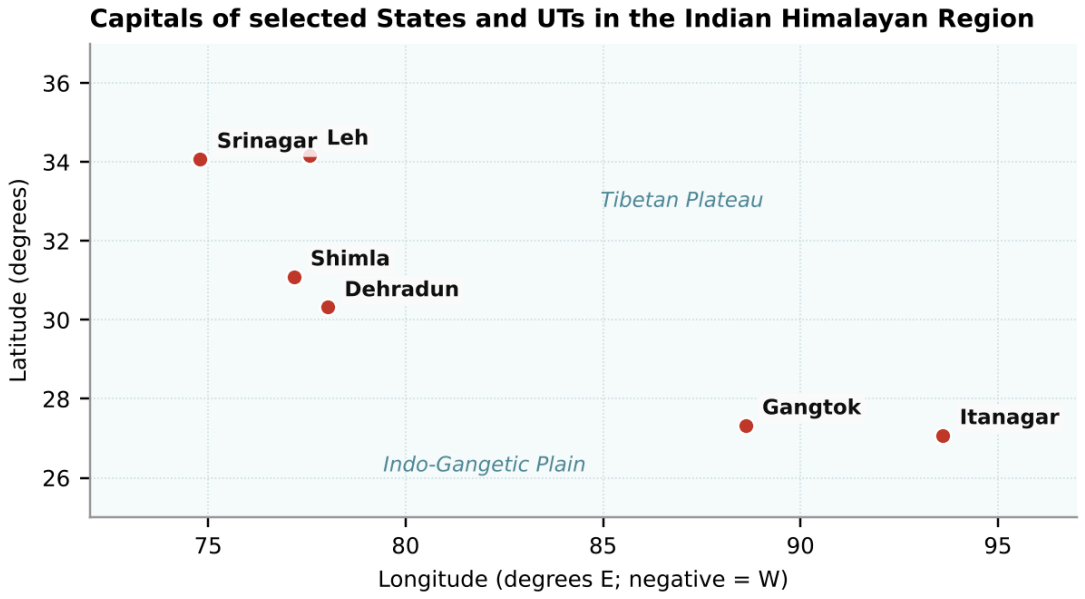
भारत में चरम मौसम वाले दिन (जनवरी से नवंबर)



चार्ट. 2025 में अब तक वर्ष के लगभग हर दिन चरम घटनाएँ दर्ज की गईं। स्रोत: CSE और डाउन टू अर्थ, स्टेट ऑफ़ एक्सट्रीम वेदर 2025

हिमालय इतना असुरक्षित क्यों है

- **नवीन, नाज़ुक पर्वत:** खड़ी ढलानें, कमज़ोर चट्टानें और सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र भूस्खलन और मलबा प्रवाह को आम बना देते हैं।
- **औसत से तेज़ तापन:** हिमनदों के पीछे हटने से हिमनद झीलें बनती हैं जो फट सकती हैं (GLOF); अधिक गर्म और नम वायु के कारण अधिक तीव्र बादल फटने की घटनाएँ होती हैं।
- **अनियोजित निर्माण:** ढलान स्थिरीकरण के बिना काटी गई सड़कें, जलविद्युत सुरंगें और विस्फोट, नदी तल और बाढ़ के मैदानों पर इमारतें, तथा पर्यटन का दबाव।
- **पैमाना:** भारतीय हिमालयी क्षेत्र 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैला है और सिंधु, गंगा तथा ब्रह्मपुत्र नदी तंत्रों को जल देता है, जो निचले क्षेत्रों में करोड़ों लोगों का भरण-पोषण करते हैं।



मानचित्र. स्थान आरेख: भारतीय हिमालयी क्षेत्र के चुनिंदा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानियाँ। बिंदु अक्षांश और देशांतर के अनुसार अंकित हैं; सीमाएँ नहीं दिखाई गई हैं। हिमालयी राज्यों के पश्चिम से पूर्व फैलाव को याद रखने के लिए इसका उपयोग करें।

समुदाय क्यों महत्वपूर्ण हैं

अधिकांश आपदाओं में पहले प्रतिक्रिया देने वाले पड़ोसी होते हैं, राष्ट्रीय दल नहीं। समुदाय-आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन (CBDRM) स्थानीय लोगों और पंचायतों को केंद्र में रखता है: ख़तरों और असुरक्षित परिवारों का मानचित्रण, पूर्व-चेतावनी शृंखलाएँ चलाना, स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण देना और निकासी की योजना बनाना।

भारत का ढाँचा

- **आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005** (2025 में संशोधित): NDMA, SDMA और DDMA; 2025 के संशोधन ने शहरी आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा राष्ट्रीय और राज्य आपदा डेटाबेस जोड़े।
- **निधियाँ:** 15वें वित्त आयोग के अनुसार, आपदा जोखिम प्रबंधन निधियाँ राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर प्रतिक्रिया और शमन (mitigation) के बीच विभाजित हैं।
- **आपदा मित्र:** आपदा-प्रवण ज़िलों में सामुदायिक स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण देता है। पंचायतें ग्राम पंचायत विकास योजनाओं में जोखिम न्यूनीकरण को शामिल कर सकती हैं।
- **अंतरराष्ट्रीय:** आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क 2015-2030; भारत आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (CDRI, 2019) का नेतृत्व करता है।

कमियाँ और आगे की राह

- पहाड़ी निर्माण के लिए ख़तरा क्षेत्रीकरण (hazard zoning) को बाध्यकारी बनाएँ, साथ ही शहरों और पर्यटन स्थलों के लिए वहन क्षमता अध्ययन करें।
- स्वचालित मौसम केंद्रों, डॉप्लर रडारों और हिमनद झील निगरानी का विस्तार करें, और चेतावनियों को ग्राम-स्तरीय SMS तथा सायरन अलर्ट में बदलें।
- पंचायतों को प्रशिक्षित कर्मचारी और शमन निधियों तक समय पर पहुँच दें; कौशल की कमी और देरी आम बाधाएँ हैं।
- पारितंत्र-आधारित उपाय अपनाएँ: उन वनों, आर्द्रभूमियों और नदी गलियारों की रक्षा करें जो बाढ़ को सोखते हैं और ढलानों को स्थिर करते हैं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- NDMA के अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं; NDRF का गठन आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत किया गया।
- GLOF: हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (glacial lake outburst flood)। 2023 की दक्षिण ल्होनक GLOF ने सिक्किम की तीस्ता घाटी को प्रभावित किया।
- सेंडाई फ्रेमवर्क: आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर तीसरे संयुक्त राष्ट्र विश्व सम्मेलन, सेंडाई, जापान (2015) में अपनाया गया।

35 | आंतरिक सुरक्षा GS 3

साइबर युद्ध: सहायक उपकरण से युद्ध के हथियार तक

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौतियाँ; साइबर सुरक्षा; सुरक्षा में प्रौद्योगिकी की भूमिका

संदर्भ

वेनेज़ुएला में अमेरिकी अभियान (3 जनवरी 2026) और 2025 में ईरानी परमाणु स्थलों पर हुए पहले के हमलों के विश्लेषण से संकेत मिला कि पारंपरिक सेनाओं के साथ-साथ साइबर और इलेक्ट्रॉनिक अभियानों का उपयोग किया गया, उदाहरण के लिए हमलों से पहले बिजली, संचार और वायु रक्षा को बाधित करने के लिए। टिप्पणीकारों ने कहा कि यह एक बदलाव है: कंप्यूटर नेटवर्क अभियान अब केवल जासूसी के उपकरण नहीं, बल्कि स्वयं हमले के पैकेज का हिस्सा बन रहे हैं।

मुख्य अवधारणाएँ

- **साइबरस्पेस युद्ध का पाँचवाँ क्षेत्र** है, थल, जल, वायु और अंतरिक्ष के बाद।
- **अभियानों के प्रकार:** जासूसी (डेटा चुराना), तोड़फोड़ (प्रणालियों को निष्क्रिय करना, जैसा स्टक्सनेट वर्म ने लगभग 2010 में ईरानी सेंट्रीफ़्यूजों के साथ किया), दुष्प्रचार, और बिजली ग्रिड, बंदरगाहों तथा बैंकों जैसी महत्वपूर्ण अवसंरचना पर हमले।
- **आरोपण (attribution) की समस्या:** हमलावर प्रॉक्सी के पीछे छिप सकते हैं, इसलिए यह सिद्ध करना कठिन है कि किसने हमला किया और विधिसम्मत ढंग से जवाबी कार्रवाई करना भी कठिन है।
- **क़ानूनी अस्पष्ट क्षेत्र (ग्रे ज़ोन):** टालिन मैनुअल (NATO-समर्थित विशेषज्ञ अध्ययन) का तर्क है कि अंतरराष्ट्रीय क़ानून साइबर अभियानों पर लागू होता है, परंतु कोई बाध्यकारी साइबर संधि नहीं है।

भारत की असुरक्षा और ढाँचा

- **ख़तरे:** बिजली ग्रिड, बंदरगाह, अस्पताल और भुगतान प्रणालियाँ प्रमुख लक्ष्य हैं; 2020 में मुंबई की बिजली कटौती और 2022 में AIIMS पर रैनसमवेयर हमले ने इन जोखिमों को दिखाया।
- **संस्थाएँ:** CERT-In (राष्ट्रीय घटना प्रतिक्रिया, IT अधिनियम की धारा 70B के तहत), NCIIPC (महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना की सुरक्षा, धारा 70A), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (NSCS) में राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक, और एकीकृत रक्षा स्टाफ़ के अधीन रक्षा साइबर एजेंसी (2019)।
- **नीति:** राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति 2013 की है; एक नई राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति की लंबे समय से प्रतीक्षा है।

आगे की राह

- नागरिक और सैन्य एजेंसियों की स्पष्ट भूमिकाओं के साथ एक अद्यतन राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति जारी करें।
- एक पूर्ण साइबर कमान के तहत आक्रामक और रक्षात्मक साइबर क्षमता का निर्माण करें, इस पर स्पष्ट नियमों के साथ कि इसका उपयोग कब किया जा सकता है।
- महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए सुरक्षा मानकों और घटनाओं की सूचना देने को अनिवार्य बनाएँ, और नियमित अभ्यासों से ग्रिड तथा बंदरगाहों का परीक्षण करें।
- कहीं अधिक बड़ा साइबर कार्यबल प्रशिक्षित करें और आयातित हार्डवेयर व सॉफ़्टवेयर पर निर्भरता घटाने के लिए भारतीय सुरक्षा उत्पादों को समर्थन दें।
- ICT सुरक्षा पर संयुक्त राष्ट्र के ओपन-एंडेड वर्किंग ग्रुप (OEWG) के माध्यम से वैश्विक मानदंडों को आकार दें।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- CERT-In: भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के अधीन; इसके 2022 के निर्देशों के तहत साइबर घटनाओं की सूचना छह घंटे के भीतर देनी होती है।
- NCIIPC राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन (NTRO) के अधीन है।
- साइबर अपराध पर बुडापेस्ट अभिसमय (2001): भारत इसका पक्षकार नहीं है।

36 | नीतिशास्त्र GS 4

केस स्टडी: फ़ास्ट-ट्रैक फ़ाइल

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS4: लोक प्रशासन में नीतिशास्त्र; सत्यनिष्ठा (प्रोबिटी); जवाबदेही; पर्यावरणीय नीतिशास्त्र

मामला

आप एक हिमालयी ज़िले के ज़िलाधिकारी (कलेक्टर) हैं, जो पिछले मानसून में भूस्खलनों से प्रभावित हुआ था। पर्यटन और सेना की रसद के लिए महत्वपूर्ण एक सड़क-चौड़ीकरण परियोजना को इसी सप्ताह आपकी स्वीकृति चाहिए, अन्यथा वर्ष की निधियाँ व्यपगत (lapse) हो जाएँगी। ठेकेदार एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता का क़रीबी है, जिन्होंने दो बार फ़ोन करके 'शीघ्र निर्णय की अपेक्षा' जताई है। एक सरकारी भूविज्ञानी की टिप्पणी चेतावनी देती है कि दो हिस्से अस्थिर ढलानों से होकर गुज़रते हैं और उनका पुनः डिज़ाइन आवश्यक है, जिससे काम में छह महीने की देरी होगी। कुछ ग्रामीण रोज़गार और अस्पताल तक पहुँच के लिए सड़क जल्दी चाहते हैं; अन्य को डर है कि उनके घर खिसक जाएँगे।

हितधारक

- ग्रामीण, वे भी जो तेज़ पहुँच चाहते हैं और वे भी जिन्हें भूस्खलन का ख़तरा है।
- सड़क का उपयोग करने वाले पर्यटक, व्यापारी और सशस्त्र बल।
- ठेकेदार और राजनीतिक नेता।
- आप और आपके कर्मचारी, जिन पर सुरक्षा की क़ानूनी जवाबदेही है।
- नाज़ुक पर्वतीय पारितंत्र और भावी निवासी।

नैतिक मुद्दे

- **गति बनाम सार्वजनिक सुरक्षा:** जीवन की देखभाल का कर्तव्य (duty of care) किसी समय-सीमा की सुविधा से अधिक महत्वपूर्ण है।
- **दबाव में सत्यनिष्ठा:** राजनीतिक दबाव विशेषज्ञ सलाह और उचित प्रक्रिया पर हावी नहीं होना चाहिए।
- **एहतियाती सिद्धांत:** जहाँ हानि गंभीर और अपरिवर्तनीय हो सकती है, वहाँ पूर्ण निश्चितता का अभाव आगे बढ़ने का बहाना नहीं है।
- **अंतर-पीढ़ीगत समता:** आज ढलानों को क्षति पहुँचाने से दशकों तक जोखिम बढ़ता है।

विकल्प	गुण	दोष
परियोजना को जैसी है वैसी ही स्वीकृत करना	निधियों का उपयोग; तेज़ पहुँच; राजनीतिक स्वीकृति	विशेषज्ञ चेतावनी की उपेक्षा; जीवन को ख़तरा; व्यक्तिगत और क़ानूनी दायित्व
परियोजना को अस्वीकार करना	कोई तात्कालिक जोखिम नहीं	आवश्यक संपर्क (कनेक्टिविटी) से वंचित करना; निधियाँ समाप्त; अड़ंगा डालने वाला प्रतीत होना
सुरक्षित हिस्सों को अभी स्वीकृत करना और दो जोखिमपूर्ण हिस्सों का पुनः डिज़ाइन	निधियों का उपयोग; सुरक्षा बनी रहती है; साक्ष्य का पालन	आंशिक देरी; विभाग और ठेकेदार के साथ बातचीत आवश्यक

तर्कसंगत कार्यवाही

तीसरा विकल्प अपनाएँ। भूविज्ञानी की सलाह और अपने कारणों को लिखित रूप में दर्ज करें। पुनः डिज़ाइन किए गए हिस्सों के लिए औपचारिक समय-विस्तार या निधियों को अगले वर्ष ले जाने (carry-over) की माँग करें। राजनीतिक नेता को विनम्रतापूर्वक और रिकॉर्ड पर निर्णय के क़ानूनी और सुरक्षा आधार की जानकारी दें। एक जन-सभा आयोजित करें ताकि ग्रामीण योजना को समझ सकें, और परियोजना में ढलान स्थिरीकरण, जल-निकासी और पूर्व-चेतावनी प्रणाली जोड़ें। यह विकास और देखभाल के कर्तव्य के बीच संतुलन बनाता है, और निर्णय को पारदर्शी तथा बचाव-योग्य रखता है।

उपयोग के लिए नीतिशास्त्र शब्दावली

- **दृढ़ विश्वास का साहस (Courage of conviction):** दबाव के बावजूद किसी उचित निर्णय पर डटे रहना।
- **जवाबदेही:** निर्णयों और उनके कारणों के लिए उत्तरदायी होना, जिसमें लिखित अभिलेख सहायक होते हैं।
- **सत्यनिष्ठा (Probity):** सार्वजनिक पद पर ईमानदारी और नैतिक दृढ़ता (ईमानदार निर्णयों की रक्षा पर धारा 17A की बहस भी देखें)।

37 | नीतिशास्त्र GS 4

समाचारों में नीतिशास्त्र: जनवरी की सुर्ख़ियों के पीछे के मूल्य

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS4: नीतिशास्त्र और मानवीय सहसंबंध; शासन में सत्यनिष्ठा; अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिक मुद्दे; अभिवृत्ति

नीतिशास्त्र के लिए समाचार क्यों पढ़ें

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र IV में उन उत्तरों को अधिक अंक मिलते हैं जो अमूर्त मूल्यों को वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ते हैं। इस महीने की लगभग हर बड़ी ख़बर ने कोई न कोई नैतिक प्रश्न उठाया। इन संबंधों को तैयार उदाहरणों के रूप में उपयोग करें, और प्रत्येक को एक छोटे अनुच्छेद में बदलने का अभ्यास करें।

ख़बर (लेख देखें)	नैतिक प्रश्न	उपयोग के लिए अवधारणाएँ
धारा 17A पर खंडित निर्णय	हम भ्रष्टाचार को संरक्षण दिए बिना ईमानदार निर्णयों की रक्षा कैसे करें?	सत्यनिष्ठा; जवाबदेही; ईमानदारी; निर्णय लेने का भय ('नीतिगत पंगुता')
मासिक धर्म स्वास्थ्य पर निर्णय	क्या गरिमा दान का विषय है या अधिकार का?	मानवीय गरिमा; वास्तविक (substantive) समानता; लोक नीति में करुणा
वेनेज़ुएला में अमेरिकी अभियान	क्या एक अच्छा लक्ष्य सीमाओं के पार बल प्रयोग को उचित ठहरा सकता है?	संप्रभुता; न्यायसंगत युद्ध; साधन और साध्य; नियम-आधारित व्यवस्था
डिज़ाइन द्वारा AI शासन	जब कोई मशीन हानि पहुँचाए तो ज़िम्मेदार कौन है?	उत्तरदायित्व; पारदर्शिता; निष्पक्षता; एहतियाती सिद्धांत
कृषि संकट के आँकड़े	जो समाज का पेट भरते हैं, उनके प्रति समाज का क्या दायित्व है?	समानुभूति; सामाजिक न्याय; वितरणात्मक न्याय
अरावली परिभाषा मामला	क्या प्रकृति की रक्षा केवल वहीं होनी चाहिए जहाँ कोई संख्या ऐसा कहे?	पर्यावरणीय नीतिशास्त्र; अंतर-पीढ़ीगत समता; न्यासिता (stewardship)
UGC के समता नियमों पर रोक	भेदभाव से सुरक्षा और आरोपी के प्रति निष्पक्षता के बीच संतुलन कैसे बनाएँ?	न्याय; उचित प्रक्रिया; निष्पक्षता

उद्धृत करने योग्य विचारक

- **महात्मा गांधी का जंतर (ताबीज़):** संदेह होने पर अपने देखे हुए सबसे ग़रीब व्यक्ति का चेहरा याद करें और स्वयं से पूछें कि क्या आपका कदम उसकी मदद करेगा। कल्याण और कृषि संकट से जुड़े उत्तरों में इसका उपयोग करें।
- **इमैनुएल कांट:** लोगों को सदैव साध्य मानें, कभी केवल साधन नहीं। गरिमा, सहमति और निगरानी से जुड़े प्रश्नों में इसका उपयोग करें।
- **जॉन रॉल्स:** 'अज्ञान का पर्दा' (veil of ignorance) हमसे यह जाने बिना नियम बनाने को कहता है कि हम कहाँ खड़े होंगे। आरक्षण, समता नियमों और सामाजिक न्याय के लिए इसका उपयोग करें।
- **अरस्तू:** सद्गुण दो अतियों के बीच के मध्य मार्ग में है। संतुलन वाले प्रश्नों में इसका उपयोग करें, जैसे विकास में गति बनाम सुरक्षा।

उत्तर में इनका उपयोग कैसे करें

- मूल्य की एक पंक्ति की परिभाषा से शुरू करें; एक वर्तमान उदाहरण जोड़ें; अंत में एक व्यावहारिक कदम बताएँ जो प्रशासक उठा सकता है।
- उदाहरणों को संतुलित रखें: प्रतिस्पर्धी मूल्य को भी दिखाएँ, फिर बताएँ कि आप दोनों में सामंजस्य कैसे बिठाएँगे।

निबंध कॉर्नर: इस महीने के विषय

जनवरी की ख़बरों से लिए गए तीन निबंध विषय, एक नमूना रूपरेखा के साथ। इस सप्ताह एक अभ्यास निबंध (1,000-1,200 शब्द) लिखें।

अभ्यास के लिए विषय

- **पहाड़ जल्दबाज़ी को क्षमा नहीं करते।** नाज़ुक क्षेत्रों में विकास, आपदाएँ और पारिस्थितिकी।
- **मशीनों के लिए नियम, मनुष्यों के लिए नियम हैं।** प्रौद्योगिकी, विनियमन और मानवीय उत्तरदायित्व।
- **व्यापार शक्ति की भाषा बन गया है।** टैरिफ़, मुक्त व्यापार समझौते और रणनीतिक स्वायत्तता।

नमूना रूपरेखा: 'पहाड़ जल्दबाज़ी को क्षमा नहीं करते'

- **भूमिका:** एक ऐसे गाँव की छोटी-सी कहानी जो आकस्मिक बाढ़ के बाद फिर से बसाया गया, और फिर उसी नदी तल में दोबारा बना दिया गया।
- **पारिस्थितिक आयाम:** नवीन पर्वत, हिमनद, बादल फटना; 2025 में चरम मौसम का रिकॉर्ड (334 में से 331 दिन)।
- **आर्थिक आयाम:** सड़कें, जलविद्युत और पर्यटन जीवन-रेखाएँ हैं; प्रश्न यह है कि कैसे, यह नहीं कि होना चाहिए या नहीं।
- **शासन आयाम:** ख़तरा क्षेत्रीकरण, वहन क्षमता, समुदाय-आधारित जोखिम न्यूनीकरण।
- **नैतिक आयाम:** अंतर-पीढ़ीगत समता और एहतियाती सिद्धांत।
- **प्रति-दृष्टिकोण:** देरी की भी जानें जाती हैं (अस्पताल तक सड़क नहीं, रोज़गार नहीं); संतुलन चाहिए, पंगुता नहीं।
- **निष्कर्ष:** ढलान का सम्मान करने वाला विकास लंबे समय में अधिक तेज़ होता है।

क्या आप जानते हैं?

एक सशक्त निबंध कई आयामों और भारत के विभिन्न भागों से उदाहरण लेता है। हर महीने की पत्रिका से उदाहरण एक ही निबंध नोटबुक में लिखते जाएँ।

39 | इतिहास
प्रारंभिक

इतिहास, कला और संस्कृति: त्वरित नोट्स

समाचारों में रहे उत्खनन, वर्षगाँठें और व्यक्तित्व।

पुरातत्व

- **रत्नागिरि (जाजपुर, ओडिशा):** इस बौद्ध मठ स्थल पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के नए उत्खनन में बुद्ध के विशाल शीर्ष और एक मंदिर परिसर मिले हैं, और दक्षिण-पूर्व एशिया से संबंधों की जाँच की जा रही है। रत्नागिरि, उदयगिरि और ललितगिरि मिलकर ओडिशा का 'डायमंड ट्रायंगल' बनाते हैं।
- **राखीगढ़ी (हिसार, हरियाणा):** भारत में सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल, घग्गर (दृषद्वती) तंत्र पर स्थित, जिसे एक प्रतिष्ठित (आइकॉनिक) विरासत स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- **तेलुगु अभिलेख, पितिकायागुल्ला (आंध्र प्रदेश):** 8वीं शताब्दी के आरंभ का एक अभिलेख जिसमें एक तटबंध के निर्माण का उल्लेख है; यह क्षेत्र के सबसे प्राचीन तेलुगु अभिलेखों में से एक है।
- **झारखंड के महापाषाण (मेगालिथ):** राज्य की विशाल महापाषाण परंपरा, जिसमें पकरी बरवाडीह जैसे खगोलीय संरेखण वाले स्थल शामिल हैं, को विरासत मान्यता के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है।

वर्षगाँठें

- **CPI के 100 वर्ष:** भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी अपनी स्थापना 26 दिसंबर 1925 के कानपुर सम्मेलन से मानती है (एक अन्य मत इसे ताशकंद, 1920 से जोड़ता है)।
- **शिक्षापत्री द्विशताब्दी:** भगवान स्वामीनारायण द्वारा 1826 में लिखित नैतिक उपदेशों के 212 श्लोकों वाले संस्कृत ग्रंथ के 200 वर्ष।
- **बुल्ले शाह** (लगभग 1680-1757): क़ादिरी सिलसिले के पंजाबी सूफ़ी कवि, जो अपनी काफ़ियों के लिए प्रसिद्ध हैं; मसूरी में उनके एक स्मारक में तोड़फोड़ की गई, जिसके बाद सूफ़ी विरासत की रक्षा की माँग उठी।

व्यक्तित्व और दिवस

- **सावित्रीबाई फुले** (जन्म 3 जनवरी 1831): 1848 में ज्योतिराव फुले के साथ पुणे में बालिका विद्यालय खोला; उन्हें भारत की पहली महिला शिक्षिका माना जाता है।
- **रानी वेलु नचियार** (जन्म 3 जनवरी 1730): शिवगंगा की रानी, जिन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी से युद्ध किया और 1780 में अपना राज्य वापस प्राप्त किया।
- **पराक्रम दिवस** (23 जनवरी): सुभाष चंद्र बोस की जयंती। **राष्ट्रीय बालिका दिवस**: 24 जनवरी। **शहीद दिवस**: 30 जनवरी।

40 | कला और संस्कृति
प्रारंभिक

संस्कृति, विरासत और व्यक्तित्व: प्रारंभिक परीक्षा के लिए और नोट्स

इतिहास और संस्कृति नोट्स (खंड 39) के पूरक।

संस्कृति मंत्रालय की वर्षांत समीक्षा (2025 की प्रमुख उपलब्धियाँ)

- **पिपरहवा अवशेष:** 1898 में पिपरहवा (उत्तर प्रदेश) में उत्खनित बुद्ध के अवशेषों की विदेश में नीलामी रोकी गई और उन्हें 2025 में भारत वापस लाया गया।
- **मराठा सैन्य परिदृश्य (Maratha Military Landscapes):** 12 किलों की एक शृंखला, जिसे जुलाई 2025 में यूनेस्को (UNESCO) विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया; यह भारत का 44वाँ विश्व धरोहर स्थल है।
- **ज्ञान भारतम्:** भारत की पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण के लिए एक राष्ट्रीय मिशन।
- **काशी तमिल संगमम्:** एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत तमिलनाडु और वाराणसी के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान।

व्यक्तित्व

- **माधव गाडगिल** (निधन जनवरी 2026): पारिस्थितिकीविद्, जिन्होंने IISc बेंगलुरु में पारिस्थितिक विज्ञान केंद्र की स्थापना की और पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल (2010-11) की अध्यक्षता की, जिसने पूरे पश्चिमी घाट को श्रेणीबद्ध क्षेत्रों में पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील मानने की सिफ़ारिश की थी। उन्हें पद्म श्री (1981), पद्म भूषण (2006) और UNEP चैंपियंस ऑफ़ द अर्थ पुरस्कार (2024) मिले।
- **टोबी कीर्स (Toby Kiers):** अमेरिकी जीवविज्ञानी, जिन्हें भूमिगत कवक (फ़ंगल) नेटवर्क पर शोध के लिए 2026 का टायलर पुरस्कार मिला, जिसे प्रायः 'पर्यावरण का नोबेल' कहा जाता है।
- **INS सुदर्शिनी (लोकायन 26):** नौसेना का पाल प्रशिक्षण पोत लगभग 10 महीने की, 22,000 समुद्री मील की यात्रा पर रवाना हुआ, जिसमें वह फ़्रांस और अमेरिका के आयोजनों में भाग लेगा; यह भारत के महासागर (MAHASAGAR) दृष्टिकोण (मार्च 2025 में मॉरीशस में घोषित, 2015 के SAGAR पर आधारित) के तहत समुद्री संपर्क का हिस्सा है।

41 | भूगोल

प्रारंभिक

भूगोल: समाचारों में घटनाएँ और संसाधन

जनवरी की ख़बरों में आईं भौतिक भूगोल की अवधारणाएँ। ये प्रारंभिक परीक्षा के बार-बार पूछे जाने वाले विषय हैं।

बम चक्रवात और ध्रुवीय भँवर

- **बम चक्रवात (बॉम्बोजेनेसिस):** एक मध्य-अक्षांशीय चक्रवात जिसका केंद्रीय दाब 24 घंटे के भीतर लगभग 24 hPa या उससे अधिक गिर जाता है; यह प्रायः वहाँ बनता है जहाँ ठंडी महाद्वीपीय वायु गर्म महासागरीय वायु से मिलती है, जैसे अमेरिका के पूर्वी तट के पास।
- **ध्रुवीय भँवर (Polar vortex):** ध्रुवों के चारों ओर घूमता निम्न दाब और ठंडी वायु का एक बड़ा क्षेत्र, जो सर्दियों में सबसे प्रबल होता है। जब यह कमज़ोर होता है या टूटता है, तो आर्कटिक वायु दक्षिण की ओर फैल जाती है; जनवरी में अमेरिका के एक भीषण शीतकालीन तूफ़ान को ऐसी ही गड़बड़ी से जोड़ा गया।

भीषण (G4) भू-चुंबकीय तूफ़ान

- भू-चुंबकीय तूफ़ानों को NOAA के पैमाने पर G1 (मामूली) से G5 (चरम) तक श्रेणीबद्ध किया जाता है। ये कोरोनल मास इजेक्शन (CME) या तीव्र सौर पवन के पृथ्वी के चुंबकमंडल से टकराने से उत्पन्न होते हैं।
- जनवरी में एक G4 घटना से असामान्य रूप से निम्न अक्षांशों पर ध्रुवीय ज्योति (ऑरोरा) दिखाई दी; ऐसे तूफ़ान उपग्रहों, GPS, रेडियो और बिजली ग्रिडों को बाधित कर सकते हैं।

रेड स्प्राइट्स

- प्रबल तड़ित-झंझाओं के ऊपर मध्यमंडल (लगभग 50-90 किमी ऊँचाई) में होने वाले क्षणिक, लालिमा लिए विद्युत विसर्जन, जो प्रायः धनात्मक बादल-से-भूमि तड़ित से उत्पन्न होते हैं। इनसे संबंधित 'क्षणिक प्रकाशमान घटनाओं' (transient luminous events) में ब्लू जेट्स और ELVES शामिल हैं।

थ्वेट्स ('डूम्सडे') हिमनद और पॉइंट नीमो

- पश्चिमी अंटार्कटिका में स्थित **थ्वेट्स हिमनद** अस्थिर है क्योंकि गर्म महासागरीय जल इसे नीचे से पिघला रहा है; इसके ढहने से वैश्विक समुद्र-स्तर आधे मीटर से अधिक बढ़ सकता है।
- दक्षिण प्रशांत महासागर में **पॉइंट नीमो** किसी भी भूमि से सबसे दूर स्थित महासागरीय बिंदु है (लगभग 2,700 किमी); इसका उपयोग सेवामुक्त अंतरिक्ष यानों के क़ब्रिस्तान के रूप में होता है।

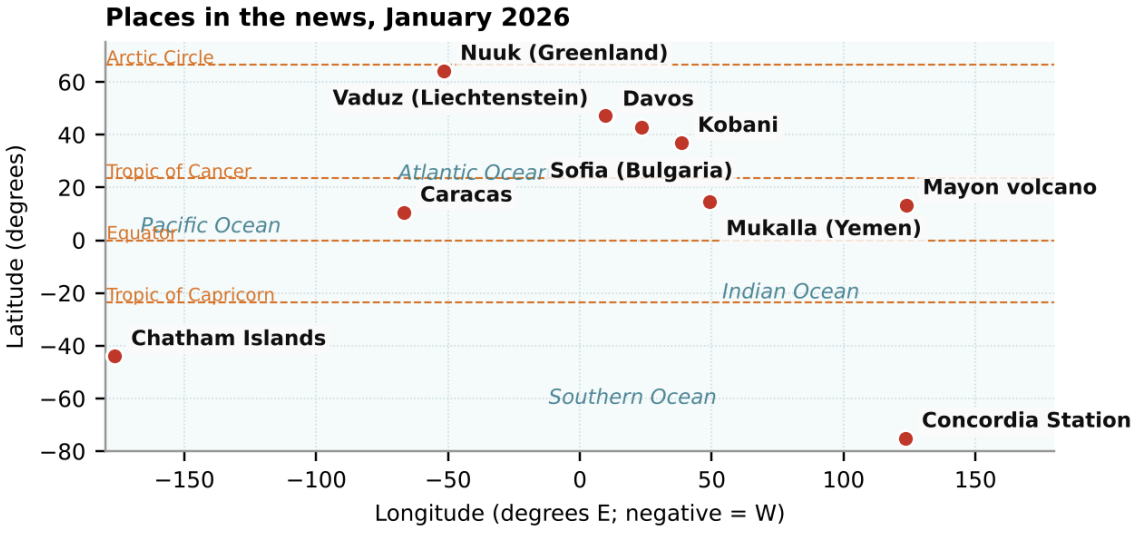
चाँदी की क़ीमतों में उछाल

- औद्योगिक माँग (सौर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, डेटा केंद्र) और निवेश हेतु ख़रीद के कारण चाँदी रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँच गई। अधिकांश चाँदी सीसा, जस्ता और ताँबे के उप-उत्पाद के रूप में खनन की जाती है, इसलिए आपूर्ति धीरे-धीरे प्रतिक्रिया करती है। अमेरिका ने 2025 में चाँदी को अपनी महत्वपूर्ण खनिजों की सूची में जोड़ा।

42 | अंतरराष्ट्रीय संबंध — प्रारंभिक

समाचारों में स्थान: मानचित्र पर जनवरी 2026

प्रत्येक स्थान को मानचित्र पर खोजें, फिर उसके बारे में एक तथ्य याद करें। प्रारंभिक परीक्षा के मानचित्र प्रश्न प्रायः सापेक्ष स्थिति की जाँच करते हैं।



मानचित्र. स्थान आरेख: समाचारों में स्थान, जनवरी 2026। बिंदु अक्षांश और देशांतर के अनुसार अंकित हैं; सीमाएँ नहीं दिखाई गई हैं। लाल बिंदु स्थानों को दर्शाते हैं; टूटी रेखाएँ उष्णकटिबंधों, विषुवत रेखा और आर्कटिक वृत्त को दर्शाती हैं।

पश्चिमी गोलार्ध

- **काराकास:** वेनेज़ुएला की राजधानी, 3 जनवरी के अमेरिकी अभियान का लक्ष्य।
- **नूक:** ग्रीनलैंड की राजधानी; ग्रीनलैंड डेनमार्क का एक स्वशासी क्षेत्र है, जो टैरिफ़ विवाद के केंद्र में है।

यूरोप और पश्चिम एशिया

- **दावोस:** स्विट्ज़रलैंड का नगर, जहाँ विश्व आर्थिक मंच (WEF) की बैठक (19-23 जनवरी) हुई।
- **सोफ़िया:** बुल्गारिया की राजधानी; बुल्गारिया 1 जनवरी 2026 को यूरो क्षेत्र में शामिल हुआ।
- **मुकल्ला:** यमन के सबसे बड़े प्रांत (गवर्नरेट) हद्रामौत की राजधानी और बंदरगाह नगर।

एशिया-प्रशांत और अंटार्कटिका

- **मेयॉन:** फ़िलीपींस के लूज़ोन द्वीप पर स्थित सक्रिय स्ट्रैटोज्वालामुखी, प्रशांत 'अग्नि वलय' (रिंग ऑफ़ फ़ायर) पर।
- **कॉनकॉर्डिया स्टेशन:** फ़्रांस-इटली का अंटार्कटिक अड्डा, जहाँ नया 'आइस मेमोरी' अभयारण्य स्थित है।

43 | राजव्यवस्था — प्रारंभिक

राजव्यवस्था और शासन: त्वरित नोट्स

जनवरी 2026 के निर्णय, रिपोर्टें और प्रशासनिक बदलाव।

न्यायालय

- **न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा:** सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायाधीश (जाँच) अधिनियम, 1968 के तहत जाँच समिति गठित करने की लोकसभा अध्यक्ष की शक्ति को बरक़रार रखा, भले ही राज्यसभा में ऐसा ही प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया गया था। न्यायाधीशों को हटाना: अनुच्छेद 124(4) (सर्वोच्च न्यायालय) और 218 (उच्च न्यायालय)।
- **'रोमियो-जूलियट' अपवाद:** सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र से किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों के लिए पॉक्सो (POCSO) अधिनियम, 2012 के तहत 'निकट-आयु' अपवाद पर विचार करने को कहा। सहमति की आयु 18 वर्ष ही बनी हुई है।
- **BNS धारा 69:** कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा कि छलपूर्ण साधनों से यौन संबंध बनाने से संबंधित प्रावधान का उपयोग किसी सहमति वाले संबंध के टूटने के बाद उसे अपराध बनाने के लिए नहीं किया जा सकता।
- **संवैधानिक अपकृत्य (Constitutional tort):** जब राज्य के अधिकारी मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, तो राज्य मुआवज़ा देने के लिए उत्तरदायी है (रुदुल साह, 1983; नीलाबती बेहरा, 1993)।
- **स्टेम कोशिकाएँ और ऑटिज़्म:** सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि ऑटिज़्म के लिए स्टेम कोशिका चिकित्सा केवल स्वीकृत नैदानिक परीक्षणों (क्लिनिकल ट्रायल) के भीतर दी जा सकती है, नैदानिक सेवा के रूप में नहीं।

रिपोर्टें और सूचकांक

- **CAG, राज्य वित्त 2023-24** (दूसरा संस्करण): मार्च 2024 के अंत में राज्यों की बकाया देनदारियाँ लगभग ₹67.87 लाख करोड़ थीं, जो GSDP का लगभग 23% है।
- **रिस्पॉन्सिबल नेशंस इंडेक्स (उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक):** जनवरी में वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल फ़ाउंडेशन ने JNU, IIM मुंबई और डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र के साथ मिलकर जारी किया; यह देशों को GDP या शक्ति के बजाय शासन, सामाजिक कल्याण, पर्यावरण और वैश्विक उत्तरदायित्व के आधार पर रैंक करता है।

प्रशासन और चुनाव

- **ई-पासपोर्ट:** 2024 में शुरुआत के बाद से लगभग एक करोड़ जारी; इनमें ICAO दस्तावेज़ 9303 के अनुरूप RFID चिप होती है; 2035 तक पूर्ण परिवर्तन का लक्ष्य।
- **IPS केंद्रीय प्रतिनियुक्ति:** 2011 बैच से, केंद्र में महानिरीक्षक (IG) पदों के लिए पैनल में शामिल होने हेतु SP या DIG स्तर पर पूर्व केंद्रीय प्रतिनियुक्ति आवश्यक है।
- **IICDEM 2026:** लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर भारत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, जिसकी मेज़बानी निर्वाचन आयोग के प्रशिक्षण संस्थान (IIIDEM) ने भारत मंडपम में की।
- **राष्ट्रीय खेल शासन (राष्ट्रीय खेल निकाय) नियम, 2026:** राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 के तहत बनाए गए; ये राष्ट्रीय खेल महासंघों में चुनाव, खिलाड़ियों के प्रतिनिधित्व और अयोग्यता से संबंधित हैं।
- **किशोर न्याय:** किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के तहत जघन्य अपराधों के आरोपी बच्चों पर वयस्क के रूप में मुक़दमा चलाने की आयु 16 से घटाकर 14 करने के प्रस्ताव ने सुधार बनाम निवारण (deterrence) की बहस को फिर से जगा दिया।
- **तुलु:** कर्नाटक तुलु (मुख्यतः दक्षिण कन्नड़ और उडुपी में बोली जाने वाली) को अनुच्छेद 345 के तहत अतिरिक्त राजभाषा बनाने पर विचार कर रहा है; इसे आठवीं अनुसूची में शामिल करने की माँग भी है।

⚖ 44 | राजव्यवस्था — प्रारंभिक

राजव्यवस्था, अधिकार और शासन: प्रारंभिक परीक्षा के लिए और नोट्स

राजव्यवस्था नोट्स (खंड 43) के पूरक।

आवारा कुत्ते और क़ानून

- जनवरी में ख़बरें आईं कि तेलंगाना के कई ज़िलों के गाँवों में एक हज़ार से अधिक आवारा कुत्तों को ज़हर देकर या अन्य तरीक़ों से मार दिया गया, प्रायः तब जब पंचायत चुनाव के उम्मीदवारों ने इस समस्या को 'हल' करने का वादा किया था। इसके बाद FIR और शिकायतें दर्ज हुईं।
- **क़ानून:** पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 के अनुसार कुत्तों का बंध्याकरण, टीकाकरण और उन्हें उनके क्षेत्र में वापस छोड़ना आवश्यक है, मारना नहीं। किसी पशु को मारना या अपंग करना भारतीय न्याय संहिता की धारा 325 के तहत अपराध है। अनुच्छेद 51A(g) नागरिकों से जीवित प्राणियों के प्रति दया भाव रखने की अपेक्षा करता है।
- **सर्वोच्च न्यायालय:** आवारा कुत्तों पर उसके 2025 के आदेश आश्रय-स्थलों में ले जाने (अगस्त) से बदलकर भोजन क्षेत्रों के साथ बंध्याकरण-टीकाकरण-वापसी तक पहुँचे, और बाद में उसने विद्यालयों, अस्पतालों और परिवहन केंद्रों जैसे संस्थागत परिसरों से कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया।
- **सार्वजनिक स्वास्थ्य:** वैश्विक रेबीज़ मौतों में भारत का बड़ा हिस्सा है; कुत्तों से फैलने वाले रेबीज़ के उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना का लक्ष्य 2030 तक ऐसी मौतों को समाप्त करना है।

मानव तस्करी से बचाई गई महिलाएँ और स्वतंत्रता

- बॉम्बे उच्च न्यायालय ने **अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956** के तहत बचाई गई एक वयस्क महिला की रिहाई का आदेश दिया, यह मानते हुए कि 'सुरक्षात्मक' हिरासत किसी सहमत वयस्क की जबरन नज़रबंदी नहीं बन सकती।
- यह अधिनियम तस्करों, वेश्यालय चलाने वालों और दलालों को लक्षित करता है; यह स्वयं यौन कार्य को अपराध नहीं बनाता। इसके हिरासत संबंधी प्रावधानों को अनुच्छेद 21 (व्यक्तिगत स्वतंत्रता) के साथ पढ़ा जाना चाहिए।

राजकोषीय संघवाद

- **दिल्ली और RBI:** दिल्ली ने भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के साथ एक समझौता किया, जिससे उसके वित्त RBI के बैंकिंग और ऋण प्रबंधन ढाँचे के अंतर्गत आ गए; इससे वह राष्ट्रीय लघु बचत कोष जैसे महँगे उधार के बजाय कम लागत पर बाज़ार ऋण (राज्य विकास ऋण) जुटा सकेगी और अर्थोपाय अग्रिम (ways and means advances) का उपयोग कर सकेगी।
- **RBI की राज्य वित्त रिपोर्ट (दिसंबर 2025):** राज्यों का संयुक्त ऋण GDP के लगभग 29% पर बना हुआ है, जो FRBM समीक्षा समिति (2017) द्वारा सुझाए गए 20% से अधिक है; SASCI के तहत 50-वर्षीय ब्याज-मुक्त ऋण राज्यों के पूँजीगत व्यय को सहारा देते हैं। वृद्ध होती जनसंख्या वाले राज्यों (केरल, तमिलनाडु) में पेंशन लागत बढ़ रही है, जबकि युवा राज्यों (बिहार, उत्तर प्रदेश) को शिक्षा और कौशल पर अधिक व्यय की आवश्यकता है।

45 | सामाजिक न्याय — प्रारंभिक

समाज, शिक्षा और कल्याणकारी योजनाएँ: त्वरित नोट्स

सामाजिक क्षेत्र से जुड़े विषय, जिनमें आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के विषय भी शामिल हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के सामाजिक विषय

- **डिजिटल लत:** सर्वेक्षण ने सोशल मीडिया, गेमिंग और स्ट्रीमिंग के बाध्यकारी (compulsive) उपयोग को, विशेषकर युवाओं में, एक बढ़ते सार्वजनिक स्वास्थ्य और उत्पादकता के मुद्दे के रूप में रेखांकित किया।
- **माध्यमिक विद्यालय:** ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक विद्यालयों की असमान उपलब्धता कक्षा 8 के बाद पढ़ाई छोड़ने का एक प्रमुख कारण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 का लक्ष्य स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्षों को बढ़ाना है।

न्यायालय और शिक्षा

- **शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम:** सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और राज्यों को धारा 38 के तहत नियम बनाने का निर्देश दिया, ताकि निजी विद्यालयों में वंचित बच्चों के लिए 25% कोटा (धारा 12(1)(c)) ठीक से लागू हो।
- **छात्र कल्याण:** सर्वोच्च न्यायालय ने 2025 में गठित एक राष्ट्रीय कार्य बल के माध्यम से उच्च शिक्षा में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े उपायों की निगरानी जारी रखी।

योजनाएँ और पोर्टल

- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना** (2017) ने नौ वर्ष पूरे किए: यह एक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) योजना है, जो पहले बच्चे के लिए ₹5,000 और दूसरा बच्चा बालिका होने पर ₹6,000 देती है।
- **पंखुड़ी (PANKHUDI) पोर्टल** (महिला एवं बाल विकास मंत्रालय): पोषण, बाल देखभाल, संरक्षण और महिलाओं की सुरक्षा के लिए CSR और स्वैच्छिक सहायता के समन्वय हेतु एकल खिड़की।
- **युवा AI फ़ॉर ऑल (YUVA AI for All):** इंडियाAI मिशन के तहत AI पर एक निःशुल्क बुनियादी पाठ्यक्रम।

स्वास्थ्य

- **स्पाइना बिफ़िडा:** तंत्रिका नलिका (न्यूरल ट्यूब) से जुड़ा एक जन्मजात दोष, जिसे गर्भावस्था से पहले और उसके आरंभिक चरण में फ़ोलिक एसिड लेकर काफ़ी हद तक रोका जा सकता है।
- **निमेसुलाइड:** 100 mg से अधिक की मौखिक दवाओं (फ़ॉर्मूलेशन) पर औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 26A के तहत प्रतिबंध लगाया गया।
- **फ़ार्माकोविजिलेंस (औषधि सतर्कता):** विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के वैश्विक औषधि-सुरक्षा डेटाबेस में योगदान के मामले में भारत 123वें से 8वें स्थान पर पहुँच गया।

46 | अंतरराष्ट्रीय संबंध

प्रारंभिक

अंतरराष्ट्रीय संबंध और आंतरिक सुरक्षा: त्वरित नोट्स

जनवरी 2026 में चर्चा में रहे संगठन, समझौते और रक्षा प्रणालियाँ।

अमेरिका 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बाहर (7 जनवरी)

- एक राष्ट्रपति ज्ञापन (मेमोरेंडम) द्वारा 31 संयुक्त राष्ट्र-संबद्ध निकायों और 35 अन्य निकायों में अमेरिका की भागीदारी और वित्तपोषण समाप्त कर दिया गया, जिनमें **अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)**, IPCC और IUCN शामिल हैं; सूचीबद्ध संयुक्त राष्ट्र निकायों में UN DESA और UNFPA शामिल हैं।
- **ISA:** भारत और फ़्रांस द्वारा पेरिस में COP21 (2015) में शुरू किया गया; मुख्यालय गुरुग्राम में। अमेरिका के बाहर होने से वित्त घटेगा, किंतु भारत की नेतृत्वकारी भूमिका यथावत रहेगी।

EU-मर्कोसुर समझौते पर हस्ताक्षर (17 जनवरी)

- 1999 में शुरू हुई वार्ताओं के बाद असुनसियोन (पराग्वे) में हस्ताक्षर; इससे विश्व के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक बनेगा (70 करोड़ से अधिक लोग)। EU, मर्कोसुर के अधिकांश निर्यातों पर से शुल्क हटाएगा। अनुसमर्थन को अभी भी कुछ EU कृषि लॉबियों और देशों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।
- मर्कोसुर: असुनसियोन संधि (1991) द्वारा स्थापित; सदस्य अर्जेंटीना, ब्राज़ील, पराग्वे, उरुग्वे और बोलीविया (2024 में शामिल); वेनेज़ुएला निलंबित है।

समूह और संधियाँ

- **वाइमर त्रिकोण (Weimar Triangle):** फ़्रांस, जर्मनी और पोलैंड का एक परामर्शी प्रारूप, जिसे पोलैंड को यूरोप में एकीकृत होने में सहायता के लिए 1991 में बनाया गया; जनवरी में यूरोपीय संपर्क अभियान के दौरान भारत ने इसके साथ संवाद किया।
- **पैक्स सिलिका (Pax Silica):** सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिजों, कंप्यूटिंग और AI अवसंरचना के लिए विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाएँ बनाने की अमेरिका-नेतृत्व वाली पहल।
- **न्यू स्टार्ट (New START):** अमेरिका-रूस के बीच अंतिम परमाणु शस्त्र नियंत्रण संधि (प्रत्येक के लिए 1,550 तैनात सामरिक आयुधों की सीमा) 5 फ़रवरी 2026 को समाप्त होने वाली थी, जिससे नई हथियार होड़ की आशंका बढ़ी।
- **भारत-बांग्लादेश गंगा जल संधि (1996):** 30 वर्षीय संधि जो दिसंबर 2026 में समाप्त हो रही है; इसके तहत फ़रक्का पर 1 जनवरी से 31 मई तक कम प्रवाह वाले मौसम (लीन सीज़न) का जल 10-दिवसीय खंडों में साझा किया जाता है।
- **निरस्त्रीकरण मामलों पर संयुक्त राष्ट्र सलाहकार बोर्ड:** भारतीय राजनयिक डी.बी. वेंकटेश वर्मा को 2026-27 के लिए इसका अध्यक्ष नामित किया गया।
- **'डोनरो सिद्धांत' (Donroe Doctrine):** पश्चिमी गोलार्द्ध में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा मुनरो सिद्धांत के आक्रामक पुनरुद्धार के लिए प्रयुक्त नाम, जो वेनेज़ुएला अभियान में दिखा।

रक्षा प्रणालियाँ और अभ्यास

- **K-4 SLBM:** परमाणु-सक्षम पनडुब्बी-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल (मारक दूरी लगभग 3,500 किमी), जिसका INS अरिघात से परीक्षण हुआ; भारत के परमाणु त्रय (न्यूक्लियर ट्रायड) के समुद्री अंग को मज़बूत करती है।
- **प्रलय:** DRDO की अर्ध-बैलिस्टिक सतह-से-सतह मिसाइल; ओडिशा तट से एक ही लॉन्चर से दो मिसाइलें सैल्वो (लगातार) में दागी गईं।
- **LR-AShM:** DRDO की लंबी दूरी की जहाज़-रोधी हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल (मैक 5 से अधिक), जिसे गणतंत्र दिवस परेड में प्रदर्शित किया गया।
- **MPATGM:** तीसरी पीढ़ी की मानव-वहनीय टैंक-रोधी निर्देशित मिसाइल, जिसमें 'फ़ायर-एंड-फ़ॉरगेट' और 'टॉप-अटैक' मोड तथा इमेजिंग इन्फ्रारेड सीकर है।
- **सूर्यास्त्र:** भारत का पहला स्वदेशी रूप से निर्मित सार्वभौमिक बहु-कैलिबर रॉकेट लॉन्चर, 150 किमी और 300 किमी तक प्रहार के लिए, जिसे थलसेना ने खरीदा है।
- **रैमजेट तोप गोले:** 155 मिमी के गोले, जो दागे जाने के बाद मारक दूरी बढ़ाने के लिए वायु-श्वसन (एयर-ब्रीदिंग) रैमजेट प्रणोदन का उपयोग करते हैं।
- **ग्राम रक्षा गार्ड (जम्मू-कश्मीर):** 1990 के दशक के मध्य में डोडा में गठित ग्राम रक्षा समितियों के उत्तराधिकारी; दूरस्थ क्षेत्रों में सशस्त्र स्थानीय स्वयंसेवक।
- **'जस्टिस मिशन-2025':** ताइवान के आसपास चीनी PLA के बड़े सैन्य अभ्यास, जिनमें नाकेबंदी और हमलों का अनुकरण किया गया।

आगामी

- **इंडिया AI इम्पैक्ट समिट 2026:** 19-20 फ़रवरी, भारत मंडपम, नई दिल्ली; ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक AI शिखर सम्मेलन।

47 | अर्थव्यवस्था — प्रारंभिक

अर्थव्यवस्था और कृषि: त्वरित नोट्स

जनवरी 2026 के वित्त, विनियमन, योजनाओं और कृषि क्षेत्र से जुड़े विषय।

बैंकिंग, कर और बाज़ार

- **संधियों पर GAAR की प्रधानता:** फ़्लिपकार्ट हिस्सेदारी बिक्री से जुड़े एक कर विवाद में सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि सामान्य कर-परिहार-रोधी नियम (GAAR) (अध्याय X-A, आयकर अधिनियम) कर संधि के लाभों पर प्रभावी हो सकता है, और केवल कर निवास प्रमाणपत्र (TRC) जाँच से नहीं रोकता। GAAR वहाँ लागू होता है जहाँ कर लाभ ₹3 करोड़ से अधिक हो।
- **RB-IOS, 2026:** रिज़र्व बैंक - एकीकृत लोकपाल योजना 2026, 2021 की योजना का स्थान लेती है; यह RBI-विनियमित संस्थाओं के ग्राहकों के लिए निःशुल्क, एकल शिकायत निवारण माध्यम है।
- **शहरी सहकारी बैंक:** RBI ने नए शहरी सहकारी बैंकों (UCB) के लिए लाइसेंस फिर से खोलने का प्रस्ताव किया, जो 2004 से रुके हुए हैं।
- **सेबी (स्टॉक ब्रोकर) विनियम, 2026:** 1992 के ढाँचे का स्थान लेते हैं; डिजिटल ट्रेडिंग के लिए सरल, निवेशक-केंद्रित नियम।

पेंशन और बीमा

- **NPS:** PFRDA ने बैंकों को पेंशन फ़ंड प्रबंधकों को प्रायोजित करने की अनुमति दी; NPS के निवेश नियमों के आधुनिकीकरण हेतु SAARG समिति (अध्यक्ष: नारायण रामचंद्रन) गठित की; और बच्चों के पेंशन खातों के लिए NPS वात्सल्य दिशानिर्देश अधिसूचित किए।
- **अटल पेंशन योजना** को 2030-31 तक बढ़ाया गया।
- **परिपूर्ण मेडिक्लेम आयुष बीमा:** CGHS लाभार्थियों के लिए एक वैकल्पिक टॉप-अप स्वास्थ्य कवर।

व्यापार, श्रम और सूचकांक

- **निर्यात संवर्धन मिशन:** इसके 'निर्यात प्रोत्साहन' घटक के अंतर्गत दो ऋण उपाय: रुपया निर्यात ऋण पर ब्याज सहायता (इंटरेस्ट सबवेंशन) और MSME निर्यातकों के लिए संपार्श्विक (कोलैटरल) सहायता योजना।
- **निर्यात तैयारी सूचकांक 2024** (नीति आयोग): राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को चार स्तंभों पर रैंक करता है (निर्यात अवसंरचना, व्यावसायिक पारितंत्र, नीति और शासन, निर्यात प्रदर्शन)।
- **क्विक कॉमर्स:** श्रम मंत्रालय द्वारा राइडरों की सुरक्षा पर चिंता जताने के बाद प्लेटफ़ॉर्मों ने '10 मिनट में डिलीवरी' के दावे हटा दिए; सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों को मान्यता देती है।
- **GSDP और कर हस्तांतरण:** 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट की प्रतीक्षा के बीच कुछ राज्यों ने तर्क दिया कि केंद्रीय करों के बँटवारे में GDP में योगदान को अधिक भार मिलना चाहिए।

कृषि और मत्स्य पालन

- **चावल:** भारत ने चीन को पीछे छोड़कर विश्व के सबसे बड़े चावल उत्पादक का स्थान प्राप्त किया।
- **वैकल्पिक गीला और सूखा (AWD):** धान के खेतों को लगातार जलमग्न रखने के बजाय समय-समय पर सूखने देने से उपज घटाए बिना मीथेन उत्सर्जन और जल उपयोग कम होता है।
- **बमनवास कांकर** महिला किसानों के नेतृत्व में राजस्थान की पहली पूर्णतः जैविक प्रमाणित ग्राम पंचायत बनी।
- **समुद्री खाद्य निर्यात** को झींगे पर ऊँचे अमेरिकी शुल्कों का सामना करना पड़ा; अमेरिका भारत का सबसे बड़ा समुद्री खाद्य बाज़ार है।
- **सेब:** भारत-न्यूज़ीलैंड व्यापार समझौते के तहत न्यूज़ीलैंड के सेबों पर शुल्क घटने के बाद हिमाचल प्रदेश ने आयात पर अधिक शुल्क या मौसमी प्रतिबंध की माँग की।
- **पुनःपरिसंचरण जलकृषि (RAS):** रेनबो ट्राउट के लिए भारत का पहला वाणिज्यिक उष्णकटिबंधीय RAS फ़ार्म हैदराबाद में शुरू हुआ।
- **उर्वरक सब्सिडी:** उर्वरक कंपनियों के सब्सिडी दावों का निपटान अब एक एकीकृत ऑनलाइन प्रणाली से होता है।

48 | अर्थव्यवस्था

प्रारंभिक

अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और वित्त: प्रारंभिक परीक्षा के लिए और नोट्स

अर्थव्यवस्था नोट्स (खंड 47) के पूरक।

ऊर्जा और उद्योग

- **शीतकालीन पीक बिजली माँग:** 9 जनवरी 2026 को अखिल भारतीय पीक माँग लगभग 245 GW पहुँची, जो ठंडे मौसम और हल्की गर्मी के कारण 2025 की गर्मियों के पीक (लगभग 242 GW) से अधिक थी। इससे पता चलता है कि पीक माँग का पूर्वानुमान कठिन होता जा रहा है, जो भंडारण (स्टोरेज) के पक्ष को मज़बूत करता है।
- **नीति आयोग के हरित संक्रमण रोडमैप:** सीमेंट, एल्युमिनियम और MSME के लिए डीकार्बोनाइज़ेशन योजनाएँ। भारत सीमेंट और प्राथमिक एल्युमिनियम दोनों का विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है; विकल्पों में मिश्रित (ब्लेंडेड) सीमेंट, अपशिष्ट-व्युत्पन्न ईंधन (RDF), स्मेल्टरों के लिए नवीकरणीय बिजली और कार्बन कैप्चर शामिल हैं।
- **MSME योजनाओं के अभिसरण पर नीति आयोग:** एक-दूसरे से मेल खाती MSME योजनाओं के विलय और मंत्रालयों के बीच डेटा साझा करने का प्रस्ताव। MSME का GVA में लगभग 30% और निर्यात में 45% से अधिक योगदान है।

मुद्रा और बाज़ार

- **BRICS CBDC लिंक:** RBI ने सीमा-पार भुगतान के लिए BRICS सदस्यों की केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्राओं (CBDC) को जोड़ने का प्रस्ताव किया। भारत के ई-रुपया पायलट 2022 में शुरू हुए (होलसेल और रिटेल)।
- **NSE को-लोकेशन और डार्क फ़ाइबर मामले:** सेबी ने कुछ ब्रोकरों को अनुचित रूप से तेज़ पहुँच से जुड़े लंबे समय से लंबित मामलों का निपटान किया, जिससे NSE के प्रस्तावित IPO की एक बाधा दूर हुई। को-लोकेशन में ब्रोकरों के सर्वर एक्सचेंज के डेटा सेंटर के भीतर रखे जाते हैं; 'डार्क फ़ाइबर' अप्रयुक्त ऑप्टिकल फ़ाइबर है, जिसे निजी उच्च-गति लिंक के लिए पट्टे पर लिया जाता है।
- **इंडिया पोस्ट ATM:** डाक विभाग ने ग्रामीण बैंकिंग सुधारने के लिए अपने ATM नेटवर्क का नवीनीकरण किया। व्हाइट-लेबल ATM गैर-बैंक संस्थाएँ चलाती हैं; ब्राउन-लेबल ATM तीसरे पक्ष के स्वामित्व में होते हैं, पर उन पर बैंक का ब्रांड होता है।
- **प्रथम अग्रिम अनुमान (7 जनवरी):** 2025-26 में वास्तविक GDP वृद्धि 7.4% और नाममात्र (नॉमिनल) वृद्धि लगभग 8%।

कृषि

- **'गोल्डीलॉक्स' कृषि परिस्थितियाँ:** 2025 का सामान्य से अधिक मानसून, हल्का तापमान और भरे हुए जलाशय (रबी बुवाई से पहले क्षमता का लगभग 91%) के कारण गेहूँ की रिकॉर्ड बुवाई हुई और खाद्य कीमतें गिरीं।
- **1991 के सुधारों के 35 वर्ष (जुलाई 2026):** टिप्पणीकारों ने तर्क दिया कि उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण ने वृद्धि को बदल दिया, किंतु पर्याप्त गैर-कृषि रोज़गार सृजित नहीं किए; यह तर्क 2026 भर दोहराया जा सकता है।

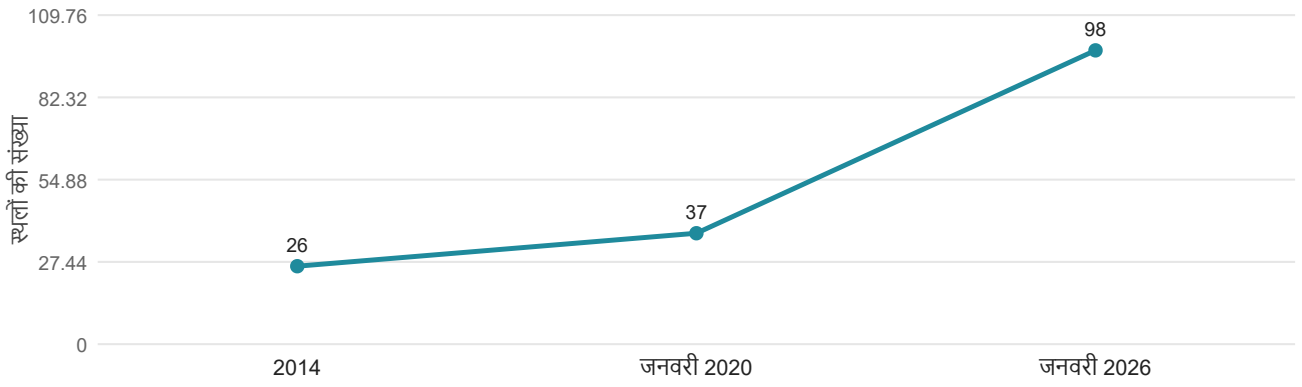
49 | पर्यावरण

प्रारंभिक

पर्यावरण और पारिस्थितिकी: नियम, रिपोर्ट और परियोजनाएँ

जनवरी 2026 के पर्यावरण से जुड़े विषयों पर संक्षिप्त नोट्स। प्रत्येक के लिए नाम, मूल क़ानून या एजेंसी, और एक-दो आँकड़े याद रखें।

भारत के रामसर स्थल



चार्ट. पटना पक्षी अभयारण्य और छारी-ढंढ के जुड़ने से संख्या 98 हो गई। स्रोत: पर्यावरण मंत्रालय की घोषणाएँ

दो नए रामसर स्थल: भारत की संख्या 98 पहुँची

- विश्व आर्द्रभूमि दिवस (2 फ़रवरी) से पहले 30-31 जनवरी को **पटना पक्षी अभयारण्य** (एटा, उत्तर प्रदेश) और **छारी-ढंढ** (कच्छ, गुजरात) को जोड़ा गया, जिससे भारत में रामसर स्थलों की संख्या 98 हो गई, जो एशिया का सबसे बड़ा नेटवर्क है (2014 में 26 स्थल)।
- छारी-ढंढ बन्नी घास के मैदानों के किनारे स्थित एक मौसमी, उथली लवणीय आर्द्रभूमि है, जिसका उपयोग सारस (क्रेन), फ़्लेमिंगो और संकटग्रस्त जलपक्षी करते हैं; पटना पक्षी अभयारण्य एक छोटा झील-आधारित अभयारण्य और महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA) है।
- रामसर अभिसमय: 1971 में रामसर (ईरान) में अंगीकृत; भारत 1982 में इसका पक्षकार बना। विश्व में सबसे अधिक स्थल ब्रिटेन और मेक्सिको में हैं।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026

- 2016 के नियमों का स्थान लेते हैं। अपशिष्ट को स्रोत पर ही **चार धाराओं** में अलग करना होगा: गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष-देखभाल अपशिष्ट।
- **थोक अपशिष्ट उत्पादक** निर्मित क्षेत्र (20,000 वर्ग मीटर या अधिक), जल उपयोग (प्रतिदिन 40,000 लीटर या अधिक) या अपशिष्ट उत्पादन (प्रतिदिन 100 किग्रा या अधिक) के आधार पर परिभाषित हैं; उन्हें गीले अपशिष्ट का प्रसंस्करण स्थल पर या अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से करना होगा (विस्तारित थोक उत्पादक उत्तरदायित्व)।
- 'प्रदूषक भुगतान करे' सिद्धांत पर आधारित, अपशिष्ट प्रवाह की डिजिटल ट्रैकिंग के साथ।

पर्यावरण (संरक्षण) निधि नियम, 2026

- पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत अधिसूचित। यह निधि EP अधिनियम, वायु अधिनियम (1981) और जल अधिनियम (1974) के उल्लंघनों पर लगे दंडों को एकत्र करती है, जब जन विश्वास अधिनियम, 2023 द्वारा इन क़ानूनों को आंशिक रूप से अपराधमुक्त किया गया।
- धन केवल पुनर्स्थापनात्मक गतिविधियों की एक निर्धारित सूची पर ही ख़र्च किया जा सकता है, जैसे प्रदूषित स्थलों का उपचार और प्रदूषण नियंत्रण।

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य (संशोधन) नियम, 2025

- कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना, 2023 के अंतर्गत जारी। चार नए क्षेत्र शामिल किए गए: **पेट्रोलियम रिफ़ाइनरी, पेट्रोरसायन, वस्त्र और द्वितीयक एल्युमिनियम**, जिससे लगभग 208 इकाइयाँ जुड़ीं।
- ये एल्युमिनियम, सीमेंट, क्लोर-अल्कली तथा लुगदी और कागज़ क्षेत्रों के साथ जुड़ते हैं। जो इकाइयाँ अपने उत्सर्जन-तीव्रता लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन करती हैं, उन्हें व्यापार-योग्य कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र मिलते हैं; जो लक्ष्य से चूकती हैं, उन्हें क्रेडिट ख़रीदने होंगे।

अन्य अधिसूचनाएँ और योजनाएँ

- **राष्ट्रीय विद्युत नीति का मसौदा, 2026:** 2005 की नीति का स्थान लेने के लिए परामर्श हेतु जारी; विकसित भारत 2047 लक्ष्य और नवीकरणीय-प्रधान ग्रिड के अनुरूप।
- **पंप्ड स्टोरेज के लिए CEA रोडमैप:** सौर और पवन ऊर्जा को संतुलित करने के लिए 2035-36 तक 100 GW जल पंप्ड-स्टोरेज क्षमता का लक्ष्य। 2025 में गैर-जीवाश्म स्रोतों ने भारत की स्थापित क्षमता का आधा हिस्सा पार कर लिया।
- **वन भूमि और वनीकरण:** वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम, 1980 के अंतर्गत संशोधित दिशानिर्देश सरकारी और निजी निकायों के लिए पट्टे की वन भूमि पर वृक्षारोपण और सहायक प्राकृतिक पुनर्जनन के नियम आसान बनाते हैं।
- **एकरूप सहमति दिशानिर्देश:** वायु और जल अधिनियमों के अंतर्गत स्थापना हेतु सहमति (CTE) और संचालन हेतु सहमति (CTO) के लिए एक साझा राष्ट्रीय ढाँचा, जिससे राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एकल एकीकृत स्वीकृति जारी कर सकें।
- **कोकिंग कोयले** को MMDR अधिनियम, 1957 (प्रथम अनुसूची) के अंतर्गत महत्वपूर्ण और सामरिक खनिज अधिसूचित किया गया। यह ब्लास्ट-फ़र्नेस इस्पात निर्माण के लिए आवश्यक है, और भारत अपनी खपत का अधिकांश आयात करता है।

रिपोर्ट और अध्ययन

- **कोपरनिकस (C3S):** 2025 अब तक का तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहा, 2024 और 2023 के बाद। एरोसोल प्रदूषण में कमी (उदाहरण के लिए, IMO नियमों के तहत स्वच्छ जहाज़ी ईंधन से) पहले के शीतलन प्रभाव को हटा रही है।
- **वैश्विक जल दिवालियापन (संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय की रिपोर्ट):** तर्क देती है कि कई क्षेत्रों ने नवीकरणीय सीमा से अधिक जल का उपयोग कर लिया है; लगभग 4 अरब लोग वर्ष में कम-से-कम एक महीने गंभीर जल संकट झेलते हैं।
- **NOAA आर्कटिक रिपोर्ट कार्ड 2025:** अक्टूबर 2024 से सितंबर 2025 तक की अवधि 1900 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से आर्कटिक का सबसे गर्म वर्ष रहा; यह 'अटलांटिफ़िकेशन', रिकॉर्ड पर सबसे कम शीतकालीन समुद्री-बर्फ़ अधिकतम, और पिघलते पर्माफ़्रॉस्ट से अलास्का की नदियों के 'जंग लगने' (रस्टिंग) को रेखांकित करता है।
- **धँसते डेल्टा:** एक अध्ययन में पाया गया कि गंगा-ब्रह्मपुत्र, महानदी, ब्राह्मणी, गोदावरी और कावेरी डेल्टाओं के बड़े हिस्से धँस रहे हैं, कुछ स्थानों पर समुद्र-स्तर वृद्धि से भी तेज़, जिसका मुख्य कारण भूजल दोहन है।

काज़ीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर

- प्रधानमंत्री ने असम में NH-715 के कलियाबोर-नुमालीगढ़ खंड के चार-लेन निर्माण (लगभग ₹6,950 करोड़) की आधारशिला रखी, जिसमें लगभग 35 किमी का एलिवेटेड (ऊँचा) हिस्सा शामिल है ताकि जानवर उसके नीचे से पार कर सकें।
- काज़ीरंगा: ब्रह्मपुत्र के बाढ़ के मैदान पर स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और बाघ अभयारण्य (टाइगर रिज़र्व), जहाँ विश्व के लगभग दो-तिहाई एक-सींग वाले गैंडे रहते हैं।

50 | पर्यावरण — प्रारंभिक

पर्यावरण और भूगोल: प्रारंभिक परीक्षा के लिए और नोट्स

पर्यावरण, भूगोल और प्रजाति नोट्स (खंड 49, 41 और 51) के पूरक।

जलवायु और वायुमंडल

- **जलवाष्प बनाम एरोसोल:** एक अध्ययन में पाया गया कि निचले वायुमंडल को गर्म करने में जलवाष्प का योगदान एरोसोल से अधिक है। जलवाष्प एक प्रबल ग्रीनहाउस गैस और फ़ीडबैक है: गर्म हवा प्रति डिग्री सेल्सियस लगभग 7% अधिक नमी धारण करती है, जो तापन को बढ़ाती है।
- **एरोसोल:** सूक्ष्म कण (सल्फ़ेट, धूल, ब्लैक कार्बन)। अधिकांश सूर्य के प्रकाश को परावर्तित कर पृथ्वी को ठंडा करते हैं, यद्यपि ब्लैक कार्बन ऊष्मा अवशोषित करता है। स्वच्छ हवा अब इस 'आवरण' (मास्किंग) प्रभाव का कुछ भाग हटा रही है, जो हाल की रिकॉर्ड गर्मी को आंशिक रूप से समझाता है।
- **दृश्यता:** इसे मौसम-विज्ञानीय प्रकाशीय परास (Meteorological Optical Range) के रूप में मापा जाता है, अर्थात् वह दूरी जिस पर प्रकाश-पुंज की तीव्रता घटकर 5% रह जाती है। जनवरी में उत्तर भारत के घने कोहरे ने इस ओर ध्यान खींचा कि हवाई अड्डे इसे मापने के लिए उपकरणों (ट्रांसमिसोमीटर) का उपयोग कैसे करते हैं।
- **बर्कले अर्थ 2025 रिपोर्ट:** 2025 किसी ला नीना वर्ष के लिए अब तक का सबसे गर्म वर्ष रहा, जो दर्शाता है कि मानवजनित तापन प्राकृतिक शीतलन चरणों पर भारी पड़ रहा है।

हिम कोर और ध्रुवीय विज्ञान

- **आइस मेमोरी सैंक्चुअरी:** 14 जनवरी 2026 को अंटार्कटिक पठार पर कॉनकॉर्डिया स्टेशन में उद्घाटन। इसमें पर्वतीय हिमनदों के हिम कोर (पहले मों ब्लां, फ़्रांस, और ग्रां कॉम्बिन, स्विट्ज़रलैंड से) लगभग -50°C पर एक हिम गुफा में रखे जाते हैं, ताकि हिमनदों के पिघलने से पहले जलवायु अभिलेख सुरक्षित रहें। कॉनकॉर्डिया का संचालन इटली और फ़्रांस करते हैं।
- **भारत के अंटार्कटिक स्टेशन:** मैत्री और भारती (दक्षिण गंगोत्री, पहला स्टेशन, अब आपूर्ति आधार है)। भारत का आर्कटिक स्टेशन हिमाद्रि है।

खनिज, प्रजातियाँ और कृषि

- **G7 महत्वपूर्ण खनिज मंत्रिस्तरीय बैठक:** भारत ने लिथियम, कोबाल्ट और दुर्लभ मृदा तत्वों जैसे खनिजों की सुरक्षित, विविधीकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं पर G7 बैठक में भाग लिया। भारत 2023 में अमेरिका-नेतृत्व वाली खनिज सुरक्षा साझेदारी (MSP) में भी शामिल हुआ और 2025 में अपना राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन शुरू किया।
- **ग्रेटर फ़्लेमिंगो:** फ़्लेमिंगो की सबसे बड़ी प्रजाति; कच्छ के रण, चिल्का, पुलिकट और मन्नार की खाड़ी में दिखती है; गुलाबी रंग इसके भोजन में मौजूद कैरोटिनॉइड वर्णकों से आता है; IUCN: कम चिंताजनक (Least Concern)।
- **भारतीय कृषि में जलवायु अनुकूलन एटलस (ACASA-India):** एक डिजिटल एटलस, जो योजना निर्माण में मार्गदर्शन के लिए ज़िलेवार फ़सलों और पशुधन के जलवायु जोखिमों और उपयुक्त अनुकूलन विकल्पों का मानचित्रण करता है।

51 | पर्यावरण

प्रारंभिक

चर्चा में रही प्रजातियाँ, स्थान और संरक्षित क्षेत्र

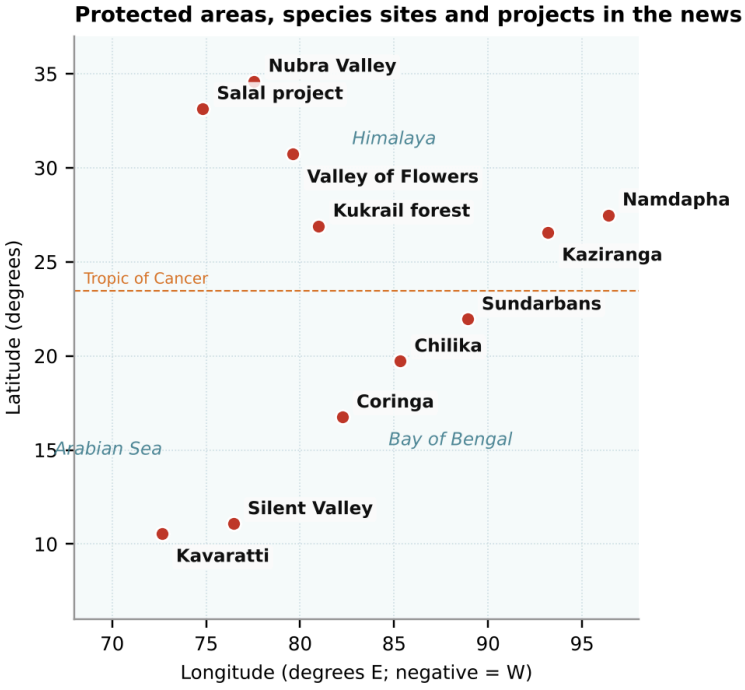
प्रत्येक प्रजाति के लिए IUCN स्थिति और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम की अनुसूची याद रखें; स्थानों के लिए मानचित्र पर उनकी अवस्थिति और पड़ोसी सीखें।

चर्चा में प्रजातियाँ (1)

- **गैलेक्सी मेंढक** (Melanobatrachus indicus): अपने वंश (जीनस) का एकमात्र सदस्य, दक्षिणी पश्चिमी घाट के उच्च-ऊँचाई वाले सदाबहार और शोला वनों का स्थानिक; IUCN: सुभेद्य (Vulnerable)।
- **सफ़ेद-पेट बगुला (White-bellied heron):** विश्व का दूसरा सबसे बड़ा बगुला, पूर्वोत्तर भारत (विशेषकर नामदफा, अरुणाचल) और भूटान में पाया जाता है; IUCN: गंभीर रूप से संकटग्रस्त (Critically Endangered); अनुसूची I।
- **गंगा नदी डॉल्फ़िन:** भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव; लगभग दृष्टिहीन, प्रतिध्वनि-निर्धारण (इकोलोकेशन) से शिकार करती है; IUCN: संकटग्रस्त (Endangered); अनुसूची I। नमामि गंगे के अंतर्गत भारतीय वन्यजीव संस्थान में एक डॉल्फ़िन बचाव एम्बुलेंस और जलीय जीव निगरानी केंद्र शुरू किए गए।
- **इंडियन स्किमर:** नदी का पक्षी, जिसकी निचली चोंच लंबी होती है जो पानी की सतह को 'छूती' (स्किम करती) है; नदी के रेतीले टापुओं पर घोंसला बनाता है; IUCN: संकटग्रस्त। नमामि गंगे-BNHS संरक्षण परियोजना शुरू की गई।
- **हूलॉक गिबन:** भारत का एकमात्र कपि (ape), पूर्वोत्तर में; पश्चिमी हूलॉक संकटग्रस्त है, पूर्वी हूलॉक सुभेद्य।

चर्चा में प्रजातियाँ (2)

- **शेर-पूँछ मकाक (Lion-tailed macaque):** पश्चिमी घाट का स्थानिक 'पुरानी दुनिया' का बंदर (सबसे बड़ी आबादी साइलेंट वैली में); IUCN: संकटग्रस्त।
- **रॉयल्स पिका:** ख़रगोश का छोटा, पूँछ-रहित हिमालयी संबंधी, जो 2,400-5,000 मीटर पर रहता है; शीतनिद्रा (हाइबरनेशन) नहीं करता; तापन के संकेतक के रूप में इस पर नज़र रखी जाती है; IUCN: कम चिंताजनक।
- **फ़िशिंग कैट (मछुआरी बिल्ली):** आर्द्रभूमि की बिल्ली और पश्चिम बंगाल का राज्य पशु; सुंदरबन, चिल्का और कोरिंगा में पाई जाती है; IUCN: सुभेद्य; अनुसूची I।
- **बैक्ट्रियन (दो-कूबड़ वाला) ऊँट:** भारत में केवल लद्दाख की नुब्रा घाटी में पाया जाता है; उच्च-ऊँचाई रसद के लिए थलसेना में शामिल किया गया। इसकी जंगली प्रजाति गंभीर रूप से संकटग्रस्त है।
- **मद्रास हेजहॉग:** प्रायद्वीपीय भारत की शुष्क झाड़ियों का 'नंगे पेट वाला' हेजहॉग; कीटभक्षी जो गर्मियों में ग्रीष्मनिद्रा (एस्टिवेशन) करता है।
- **अमेज़न की डंकरहित मधुमक्खियाँ:** पेरू की सतीपो और नौता नगरपालिकाओं के अध्यादेशों के माध्यम से क़ानूनी अधिकार पाने वाले पहले कीट बनीं।
- **डार्विन बार्क स्पाइडर** (मेडागास्कर): नदियों के आर-पार सबसे बड़े ज्ञात वृत्ताकार (ऑर्ब) जाले बुनती है, जिनका रेशम असाधारण रूप से मज़बूत होता है।
- **इंडियाफ़ोंटे बिजॉयी (Indiaphonte bijoyi):** लक्षद्वीप के कवरत्ती लैगून में मिला सूक्ष्म कोपेपॉड क्रस्टेशियन का एक नया वंश और प्रजाति।
- **नारियल जड़ म्लानि (Coconut root wilt):** रस चूसने वाले कीटों द्वारा फैलने वाला फ़ाइटोप्लाज़्मा रोग, जो केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के बागानों को नुकसान पहुँचा रहा है।



मानचित्र. अवस्थिति आरेख। बिंदु अक्षांश और देशांतर के अनुसार अंकित हैं; सीमाएँ नहीं दिखाई गई हैं। प्रत्येक स्थल को खोजिए और उसे नोट्स की किसी प्रजाति या परियोजना से जोड़िए।

चर्चा में स्थान

- **बुल्गारिया** ने 1 जनवरी 2026 को यूरो अपनाया और यूरो क्षेत्र का 21वाँ सदस्य बना (राजधानी सोफ़िया; सीमाएँ रोमानिया, सर्बिया, उत्तर मैसेडोनिया, ग्रीस, तुर्की और काला सागर से)।
- **हद्रामौत (यमन):** यमन का सबसे बड़ा प्रांत, राजधानी अदन की खाड़ी पर स्थित मुकल्ला; यहाँ 'रेगिस्तान का मैनहट्टन' कहा जाने वाला शिबाम (यूनेस्को स्थल) है।
- **मायोन ज्वालामुखी:** लगभग पूर्ण शंक्वाकार, सक्रिय स्ट्रैटोज्वालामुखी, जो प्रशांत 'अग्नि वलय' (रिंग ऑफ़ फ़ायर) पर अल्बे, लूज़ोन (फ़िलीपींस) में स्थित है।
- **लिकटेंस्टाइन:** स्विट्ज़रलैंड और ऑस्ट्रिया के बीच दोहरा स्थलरुद्ध (डबली लैंडलॉक्ड) अल्पाइन देश; EFTA सदस्य होने के नाते भारत-EFTA TEPA का भाग।
- **चागोस द्वीपसमूह और डिएगो गार्सिया:** मालदीव के दक्षिण में हिंद महासागर के द्वीप; ICJ की 2019 की सलाहकारी राय ने मॉरीशस के दावे का समर्थन किया, और 2025 की ब्रिटेन-मॉरीशस संधि डिएगो गार्सिया अड्डे को पट्टे पर रखते हुए संप्रभुता हस्तांतरित करती है।
- **चैथम द्वीप:** न्यूज़ीलैंड का क्षेत्र, दक्षिणी द्वीप से लगभग 800 किमी पूर्व, जहाँ चैथम राइज़ के ऊपर एक बड़ा पादपप्लवक (फ़ाइटोप्लांकटन) प्रस्फुटन (ब्लूम) बना।
- **कोबानी (ऐन अल-अरब):** उत्तरी सीरिया में तुर्की सीमा पर स्थित कुर्द-बहुल शहर।
- **सलाल परियोजना:** जम्मू-कश्मीर में चिनाब पर NHPC की 690 MW की रन-ऑफ़-रिवर परियोजना; क्षमता बहाल करने के लिए गाद निकालने (डीसिल्टिंग) का आदेश दिया गया।
- **कुकरैल वन (लखनऊ):** भारत की पहली शहरी नाइट सफ़ारी के लिए चुना गया; यहाँ 1978 में स्थापित घड़ियाल पुनर्वास केंद्र है।

चर्चा में संरक्षित क्षेत्र

- **फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान** (चमोली, उत्तराखंड): भ्यूंडार घाटी के अल्पाइन घास के मैदान; नंदा देवी जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र का भाग; नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के साथ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल।
- **काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान** (असम): पर्यावरण खंड में एलिवेटेड कॉरिडोर नोट देखें।
- **कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य** (काकीनाडा के पास, आंध्र प्रदेश): गोदावरी ज्वारनदमुख के मैंग्रोव वन, जिन्हें होप आइलैंड रेत-भित्ति (सैंड स्पिट) सुरक्षा देती है; फ़िशिंग कैट का आवास।

52 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी — प्रारंभिक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी: त्वरित नोट्स

जनवरी 2026 के अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल और भौतिकी से जुड़े विषय।

अंतरिक्ष

- **आर्टेमिस II:** NASA का पहला मानवयुक्त आर्टेमिस मिशन, जो SLS रॉकेट और ओरायन कैप्सूल से चंद्रमा पर उतरे बिना उसकी परिक्रमा करेगा; 1972 के बाद चंद्रमा के निकट पहली मानवयुक्त यात्रा।
- **डस्ट एक्सपेरिमेंट (DEX):** अंतरग्रहीय धूल का पता लगाने वाला भारत का पहला स्वदेशी उपकरण, जिसे PRL अहमदाबाद ने बनाया और PSLV-C58 के POEM प्लेटफ़ॉर्म पर भेजा गया।
- **NASA के IXPE** ने पहली बार किसी श्वेत वामन (व्हाइट ड्वार्फ़) प्रणाली से X-किरण ध्रुवण (पोलराइज़ेशन) का अध्ययन किया।

जैव-प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य अनुसंधान

- **BSL-4 प्रयोगशाला, गांधीनगर:** भारत की दूसरी नागरिक अधिकतम-नियंत्रण (मैक्सिमम-कंटेनमेंट) प्रयोगशाला (NIV पुणे के बाद) और पहली पूर्णतः राज्य-वित्तपोषित प्रयोगशाला, गुजरात जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र के अंतर्गत।
- **राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी तत्परता मूल्यांकन ढाँचा:** अनुसंधान एवं विकास (R&D) निधि चाहने वाली प्रौद्योगिकियों की परिपक्वता आँकने के लिए प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा जारी।

डिजिटल और AI

- **BSNL VoWiFi:** ग्राहक के अपने नंबर से देशव्यापी वाई-फ़ाई कॉलिंग, IMS आर्किटेक्चर पर आधारित।
- **स्मॉल लैंग्वेज मॉडल (SLM):** संक्षिप्त AI मॉडल (लाखों से लेकर दसियों अरब पैरामीटर), जो बड़े भाषा मॉडलों (LLM) की तुलना में कम लागत पर उपकरण पर ही (ऑन-डिवाइस) चलते हैं।
- **भाषिणी समुदाय (BHASHINI Samudaye):** भाषिणी मिशन के अंतर्गत भारतीय भाषाओं के AI के सह-विकास हेतु MeitY की सामुदायिक पहल।
- **वाहन-से-वाहन संचार:** MoRTH की V2V प्रौद्योगिकी की योजना, जिससे वाहन दुर्घटनाएँ रोकने के लिए गति, स्थिति और ब्रेकिंग का डेटा आपस में साझा कर सकें।

भौतिकी, ऊर्जा और पदार्थ

- **म्पेम्बा प्रभाव:** भारतीय वैज्ञानिकों ने सुपरकंप्यूटर सिमुलेशन से समझाया कि गर्म पानी कभी-कभी ठंडे पानी से जल्दी क्यों जम जाता है।
- **बायो-बिटुमेन:** फ़सल अवशेष और लिग्निन से बना सड़क बाइंडर; भारत ने इसका वाणिज्यिक उपयोग शुरू किया है, जिससे कच्चे तेल का आयात और पराली जलाना दोनों घटते हैं।
- **हल्के जल रिएक्टर (LWR):** समृद्ध यूरेनियम के साथ साधारण जल को मंदक (मॉडरेटर) और शीतलक के रूप में उपयोग करते हैं, जबकि भारत के PHWR भारी जल और प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग करते हैं; SHANTI अधिनियम के अंतर्गत निजी भागीदारी से LWR का विस्तार हो सकता है।
- **भारत-यूराटॉम (Euratom):** भारत-EU शिखर सम्मेलन ने परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर 2020 के समझौते के तहत व्यापक सहयोग का समर्थन किया।
- **CERN ALICE** के परिणामों ने दिखाया कि LHC में उच्च-ऊर्जा टक्करों के बाद नाज़ुक ड्यूटेरॉन कैसे बनते हैं।

53 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी — प्रारंभिक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी: प्रारंभिक परीक्षा के लिए और नोट्स

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के पहले नोट्स पृष्ठ (खंड 52) के पूरक। भौतिकी और खगोल विज्ञान के विषय कथन-आधारित प्रश्नों में लोकप्रिय हैं।

भौतिकी और खगोल विज्ञान

- **ग्रेविटॉन:** गुरुत्व का वाहक माना जाने वाला काल्पनिक कण, जैसे फ़ोटॉन विद्युतचुंबकत्व का वाहक है। गुरुत्वीय तरंगों का पता चल चुका है (LIGO, 2015), किंतु किसी एकल ग्रेविटॉन का कभी नहीं, क्योंकि उसकी ऊर्जा मापने के लिए बहुत कम है।
- **क्वांटम इलेक्ट्रोडायनेमिक्स (QED):** आवेशित कण फ़ोटॉनों के आदान-प्रदान से कैसे परस्पर क्रिया करते हैं, इसका क्वांटम सिद्धांत (नोबेल पुरस्कार 1965: फ़ाइनमैन, श्विंगर, तोमोनागा)। जापानी शोधकर्ताओं ने प्रथम सिद्धांतों से यह व्याख्या प्रस्तावित की कि QED से शास्त्रीय विद्युतचुंबकीय क्षेत्र कैसे उत्पन्न होते हैं।
- **ठोस-द्रव संकर अवस्था:** उल्म और नॉटिंघम विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं ने ऐसे धातु नैनोकण देखे जिनमें कुछ परमाणु स्थिर रहते हैं जबकि अन्य द्रव की तरह गति करते हैं। यह ईंधन सेलों में प्रयुक्त कार्बन पर प्लैटिनम जैसे उत्प्रेरकों के लिए महत्वपूर्ण है।
- **ग्रीनवाल्ड सीमा:** टोकामक संलयन रिएक्टरों में प्लाज़्मा के घनत्व की एक पुरानी सीमा, जिसके ऊपर प्लाज़्मा अस्थिर हो जाता है। चीन के EAST टोकामक ने इससे आगे स्थिर संचालन की सूचना दी, जिससे संकेत मिलता है कि इंजीनियरिंग से इस सीमा को पार किया जा सकता है।
- **तारों का जन्म और चुंबकीय क्षेत्र:** भारतीय तारा भौतिकी संस्थान (IIA) के शोधकर्ताओं ने आणविक बादल L328 (लगभग 700 प्रकाश वर्ष दूर) में बादल के स्तर से लेकर घने कोर तक चुंबकीय क्षेत्रों का मानचित्रण किया, जिससे स्पष्ट हुआ कि चुंबकीय क्षेत्र तारा निर्माण को कैसे दिशा देते हैं।
- **श्वेत वामन (व्हाइट ड्वार्फ़):** सूर्य जैसे तारे द्वारा अपनी बाहरी परतें त्यागने के बाद बचा घना अवशेष कोर। NASA के IXPE ने पहली बार किसी श्वेत वामन प्रणाली से X-किरण ध्रुवण का अध्ययन किया।
- **CERN ALICE:** परिणामों ने दिखाया कि नाज़ुक ड्यूटेरॉन (एक प्रोटॉन और एक न्यूट्रॉन) उच्च-ऊर्जा टक्करों के बाद मुख्यतः अल्पकालिक मध्यवर्ती कणों के माध्यम से बनते हैं।

जैव-प्रौद्योगिकी और पदार्थ

- **समुद्री और अंतरिक्ष जैव-प्रौद्योगिकी:** समुद्री जीव भोजन, दवाएँ और पदार्थ दे सकते हैं (उदाहरण के लिए अगर और एल्जिनेट जैसे समुद्री शैवाल उत्पाद, जिनका भारत अभी भी आयात करता है)। अंतरिक्ष जैव-प्रौद्योगिकी सूक्ष्म-गुरुत्व में जीवन का अध्ययन करती है। ये क्षेत्र डीप ओशन मिशन और BioE3 नीति (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोज़गार के लिए जैव-प्रौद्योगिकी, 2024) से जुड़े हैं।
- **जैव-पदार्थ (बायोमटेरियल्स):** जैविक स्रोतों या प्रक्रियाओं से बने पदार्थ (बायोप्लास्टिक, जैव-आधारित वस्त्र, माइसीलियम पदार्थ), जो पेट्रोलियम-आधारित उत्पादों का स्थान लेते हैं।
- **माइकोराइज़ल नेटवर्क:** कवकों और पौधों की जड़ों के बीच साझेदारी, जिसमें शर्करा के बदले फ़ॉस्फ़ोरस जैसे मृदा पोषक तत्वों का आदान-प्रदान होता है। आर्बस्कुलर माइकोराइज़ा फ़सलों में सबसे आम प्रकार है। अमेरिकी वैज्ञानिक टोबी कियर्स को इन नेटवर्कों पर शोध के लिए पर्यावरणीय उपलब्धि हेतु 2026 का टायलर पुरस्कार मिला।

ऊर्जा और पृथ्वी अवलोकन

- **हाइड्रोकाइनेटिक टर्बाइन:** बाँधों या जलाशयों के बिना बहती नदी या नहर के पानी की गति से बिजली बनाते हैं; जैसा बताया गया, त्रिपुरा ने लगभग 185 MW के लिए 10 नदी स्थलों की पहचान की।
- **सुदूर संवेदन (रिमोट सेंसिंग):** स्वस्थ वनस्पति लाल प्रकाश अवशोषित करती है और निकट-अवरक्त (नियर-इन्फ्रारेड) को तीव्रता से परावर्तित करती है (NDVI का आधार); जल निकट-अवरक्त अवशोषित करता है। रडार जैसे सक्रिय सेंसर (उदाहरण के लिए NISAR) बादलों के पार और रात में भी काम करते हैं; निष्क्रिय सेंसर परावर्तित सूर्य-प्रकाश दर्ज करते हैं।
- **वायु-स्वतंत्र प्रणोदन (AIP):** जनवरी में प्रदर्शित DRDO का फ़ॉस्फ़ोरिक अम्ल ईंधन सेल AIP पारंपरिक पनडुब्बियों को बैटरी चार्ज करने के लिए सतह पर आए बिना अधिक समय तक जलमग्न रहने देता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए अन्य त्वरित तथ्य

भारत-जर्मनी: चांसलर मर्ज़ की यात्रा (12-13 जनवरी)

- चांसलर फ़्रीडरिख़ मर्ज़ की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा, और पद पर रहते हुए उनकी पहली एशिया यात्रा; गुजरात (साबरमती आश्रम, अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव) और नई दिल्ली में बैठकें, तथा बेंगलुरु में व्यावसायिक कार्यक्रम।
- रिपोर्टों में 19 समझौतों की गिनती की गई, जिनमें रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप, महत्वपूर्ण खनिजों पर संयुक्त घोषणा और सेमीकंडक्टर पारितंत्र साझेदारी शामिल हैं। जैसा बताया गया, एक जर्मन कंपनी यूनिपर (Uniper) भारत से प्रति वर्ष 5,00,000 टन तक हरित अमोनिया ख़रीदने की योजना बना रही है।
- 2026 में भारत-जर्मनी राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं; 2025 में सामरिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे हुए।

डूम्सडे क्लॉक 2026 (27 जनवरी)

- बुलेटिन ऑफ़ द एटॉमिक साइंटिस्ट्स ने घड़ी को **आधी रात से 85 सेकंड** पर निर्धारित किया, जो अब तक का सबसे निकट है और 2025 के 89 सेकंड से चार सेकंड अधिक निकट है।
- बताए गए कारण: परमाणु हथियारों के जोखिम और समाप्त होती संधियाँ, जलवायु परिवर्तन, जैविक ख़तरे, तथा AI और दुष्प्रचार।
- यह घड़ी 1947 में बनाई गई थी। इसे आधी रात से सबसे दूर, 17 मिनट पर, 1991 में रखा गया था।

पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस (जनवरी)

- उत्तर 24 परगना के बारासात के एक निजी अस्पताल की दो नर्सों में निपाह वायरस की पुष्टि हुई; राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (NIV), पुणे ने 13 जनवरी को पुष्टि की, और भारत ने 26 जनवरी को WHO को सूचित किया। WHO ने व्यापक प्रसार का जोखिम कम आँका।
- निपाह एक ज़ूनोटिक (पशुजन्य) वायरस (वंश हेनिपावायरस) है, जिसका प्राकृतिक भंडार फल चमगादड़ (टेरोपस) हैं। यह कच्चे खजूर के रस जैसे दूषित भोजन, संक्रमित पशुओं या निकट संपर्क से फैलता है। कोई लाइसेंसशुदा टीका या विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है।
- पश्चिम बंगाल में पहले के प्रकोप: सिलीगुड़ी (2001) और नदिया (2007); केरल में 2018 से कई प्रकोप हो चुके हैं।

हेनले पासपोर्ट सूचकांक 2026 (जनवरी के मध्य में जारी)

- भारत पाँच स्थान ऊपर चढ़कर **80वें** स्थान पर पहुँचा (2025 में 85वाँ), 55 गंतव्यों तक वीज़ा-मुक्त, वीज़ा-ऑन-अराइवल या eTA पहुँच के साथ; यह स्थान वह अल्जीरिया और नाइजर के साथ साझा करता है।
- सिंगापुर लगातार तीसरे वर्ष पहले स्थान पर (192 गंतव्य), उसके बाद जापान और दक्षिण कोरिया (188)। अफ़ग़ानिस्तान अंतिम स्थान पर है।
- सूचकांक IATA आँकड़ों का उपयोग करता है और 227 गंतव्यों के सापेक्ष 199 पासपोर्टों को शामिल करता है।

संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय वर्ष 2026

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2026 को **चरागाह और पशुपालक** अंतरराष्ट्रीय वर्ष, **सतत विकास के लिए स्वयंसेवक** अंतरराष्ट्रीय वर्ष, और **महिला किसान** अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है। चरागाह और महिला किसान वर्षों का नेतृत्व FAO करता है।
- सतत परिवहन का पहला संयुक्त राष्ट्र दशक (2026-2035) भी इसी वर्ष शुरू हो रहा है।

अन्य ख़बरें

- **WEF दावोस 2026** (19-23 जनवरी) 'संवाद की भावना' (A Spirit of Dialogue) विषय के अंतर्गत आयोजित हुआ (ग्रीनलैंड और वैश्विक परिदृश्य वाले लेख देखें)।
- FY26 के लिए GDP के **प्रथम अग्रिम अनुमानों** (7 जनवरी) ने वास्तविक वृद्धि 7.4% आँकी।
- **राष्ट्रीय मतदाता दिवस** 25 जनवरी को मनाया जाता है, जो भारत निर्वाचन आयोग का स्थापना दिवस (1950) है।

अभ्यास प्रश्न: प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा

1. भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17A, जिस पर जनवरी 2026 में सर्वोच्च न्यायालय का खंडित निर्णय आया, किसके द्वारा जोड़ी गई थी?

(a) 2013 का लोकपाल अधिनियम
(b) भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018
(c) CVC अधिनियम, 2003
(d) DSPE अधिनियम, 1946

उत्तर: (b) यह लोक सेवकों के आधिकारिक निर्णयों की जाँच के लिए पूर्व अनुमोदन को अनिवार्य बनाती है।

2. यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (CBAM) का निश्चित (डेफ़िनिटिव) चरण कब शुरू हुआ?

(a) 1 अक्टूबर 2023
(b) 1 जनवरी 2025
(c) 1 जनवरी 2026
(d) 1 जनवरी 2034

उत्तर: (c) संक्रमणकालीन रिपोर्टिंग चरण 1 अक्टूबर 2023 से 31 दिसंबर 2025 तक चला।

3. जनवरी 2026 की अधिसूचना के अनुसार, जनगणना 2027 के अंतर्गत जनसंख्या गणना कब निर्धारित है?

(a) अप्रैल 2026
(b) सितंबर 2026
(c) फ़रवरी 2027
(d) 2031

उत्तर: (c) मकान सूचीकरण अप्रैल-सितंबर 2026 में होगा।

4. जनवरी 2026 में डूम्सडे क्लॉक को आधी रात से कितने सेकंड पर निर्धारित किया गया?

(a) 90
(b) 89
(c) 85
(d) 100

उत्तर: (c) 2025 में यह 89 सेकंड था।

5. जनवरी 2026 में PSLV-C62 मिशन में विसंगति किस चरण में हुई?

(a) पहला चरण
(b) दूसरा चरण
(c) तीसरा चरण
(d) चौथा चरण

उत्तर: (c) ठोस ईंधन वाले तीसरे चरण (PS3) के अंत के निकट।

6. 2026 में भारत की BRICS अध्यक्षता उसकी कौन-सी अध्यक्षता है?

(a) दूसरी
(b) तीसरी
(c) चौथी
(d) पाँचवीं

उत्तर: (c) भारत ने पहले 2012, 2016 और 2021 में BRICS की अध्यक्षता की थी।

7. WEF वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2026 के अनुसार, 2026 में वैश्विक संकट उत्पन्न करने की सबसे अधिक संभावना किस जोखिम की थी?

(a) चरम मौसम
(b) भू-आर्थिक टकराव
(c) भ्रामक सूचना और दुष्प्रचार
(d) सामाजिक ध्रुवीकरण

उत्तर: (b) 18% उत्तरदाताओं ने इसे चुना; दो-वर्षीय अवधि में भी यह पहले स्थान पर है।

8. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:
1. चरागाह और पशुपालक
2. महिला किसान
3. मोटा अनाज (मिलेट्स)
4. सतत विकास के लिए स्वयंसेवक
इनमें से किन्हें 2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया गया है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1, 2 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b) अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 था।

9. अरावली पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी है:

(a) अनामुडी
(b) धूपगढ़
(c) गुरु शिखर
(d) डोडाबेट्टा

उत्तर: (c) गुरु शिखर, माउंट आबू (राजस्थान) के निकट (लगभग 1,722 मीटर)।

10. राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' को बाद में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के किस उपन्यास में शामिल किया गया?

(a) दुर्गेशनंदिनी
(b) कपालकुंडला
(c) आनंदमठ
(d) राजमोहन्स वाइफ़

उत्तर: (c) आनंदमठ 1882 में प्रकाशित हुआ; गीत 1875 में लिखा गया था।

11. जनवरी 2026 में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित एक समझौते के तहत HPCL किससे LNG ख़रीदेगी?

(a) क़तरएनर्जी
(b) ADNOC गैस
(c) सऊदी अरामको
(d) कुवैत पेट्रोलियम

उत्तर: (b) 2028 से 10 वर्षों तक प्रति वर्ष 0.5 मिलियन टन।

12. हेनले पासपोर्ट सूचकांक 2026 में भारत का स्थान है:

(a) 75वाँ
(b) 80वाँ
(c) 85वाँ
(d) 90वाँ

उत्तर: (b) 2025 के 85वें स्थान से ऊपर, 55 गंतव्यों तक पहुँच के साथ।

13. जनवरी 2026 में पटना पक्षी अभयारण्य और छारी-ढंढ के जुड़ने के बाद भारत के रामसर स्थलों की संख्या हो गई:

(a) 91
(b) 94
(c) 98
(d) 100

उत्तर: (c) छारी-ढंढ कच्छ (गुजरात) में और पटना पक्षी अभयारण्य एटा (उत्तर प्रदेश) में है।

14. VB-G RAM G अधिनियम, 2025 के तहत सामान्य श्रेणी के राज्यों के लिए केंद्र-राज्य लागत-साझेदारी अनुपात है:

(a) 100:0
(b) 75:25
(c) 60:40
(d) 50:50

उत्तर: (c) पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए यह 90:10 है और विधानमंडल रहित केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 100% केंद्रीय।

15. संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्यपाल से प्रत्येक वर्ष के पहले सत्र के आरंभ में राज्य विधानमंडल को संबोधित करने की अपेक्षा करता है?

(a) अनुच्छेद 163
(b) अनुच्छेद 175
(c) अनुच्छेद 176
(d) अनुच्छेद 200

उत्तर: (c) अनुच्छेद 175 राज्यपाल को अभिभाषण करने और संदेश भेजने का सामान्य अधिकार देता है।

16. विद्यालयों में मासिक धर्म स्वास्थ्य पर सर्वोच्च न्यायालय के जनवरी 2026 के निर्णय ने इस अधिकार को मुख्य रूप से किस अनुच्छेद में स्थित माना?

(a) अनुच्छेद 19
(b) अनुच्छेद 21
(c) अनुच्छेद 32
(d) अनुच्छेद 47

उत्तर: (b) अनुच्छेद 21, अनुच्छेद 14 और 21A के साथ पठित।

17. दूसरी भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक (जनवरी 2026) की सह-अध्यक्षता भारत और किसने की?

(a) सऊदी अरब
(b) मिस्र
(c) संयुक्त अरब अमीरात
(d) बहरीन

उत्तर: (c) पहली बैठक 2016 में बहरीन में हुई थी।

18. निम्नलिखित में से कौन भारत में पाया जाने वाला एकमात्र कपि (ape) है?

(a) शेर-पूँछ मकाक
(b) हूलॉक गिबन
(c) नीलगिरि लंगूर
(d) स्लो लोरिस

उत्तर: (b) शेर-पूँछ मकाक एक बंदर है, कपि नहीं।

19. 2025 के संशोधन नियमों द्वारा निम्नलिखित में से कौन-से क्षेत्र नए रूप से GHG उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्यों के अंतर्गत लाए गए?
1. पेट्रोलियम रिफ़ाइनरी
2. वस्त्र
3. सीमेंट
4. द्वितीयक एल्युमिनियम

(a) केवल 1, 2 और 4
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a) सीमेंट पहले से शामिल था।

20. बुल्गारिया 1 जनवरी 2026 को यूरो क्षेत्र में शामिल हुआ। निम्नलिखित में से कौन-सा देश बुल्गारिया की सीमा से नहीं लगता?

(a) रोमानिया
(b) ग्रीस
(c) हंगरी
(d) तुर्की

उत्तर: (c) बुल्गारिया की सीमाएँ रोमानिया, सर्बिया, उत्तर मैसेडोनिया, ग्रीस और तुर्की से लगती हैं।

21. K-4 मिसाइल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह एक पनडुब्बी-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल है।
2. इसका परीक्षण INS अरिघात से किया गया।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c) इसकी मारक दूरी लगभग 3,500 किमी है।

22. EU-मर्कोसुर समझौते पर जनवरी 2026 में कहाँ हस्ताक्षर किए गए?

(a) ब्रासीलिया
(b) ब्यूनस आयर्स
(c) असुनसियोन
(d) मोंटेवीडियो

उत्तर: (c) मर्कोसुर की स्थापना भी 1991 में असुनसियोन संधि द्वारा हुई थी।

23. भारत और फ़्रांस द्वारा सह-स्थापित किस अंतरराष्ट्रीय संगठन को छोड़ने की घोषणा अमेरिका ने जनवरी 2026 में की?

(a) आपदा-रोधी अवसंरचना गठबंधन (CDRI)
(b) अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)
(c) वैश्विक जैव-ईंधन गठबंधन
(d) अंतरराष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन

उत्तर: (b) ISA को 2015 में पेरिस में COP21 में शुरू किया गया था।

24. थ्वाइट्स ग्लेशियर, जिसे प्रायः 'डूम्सडे ग्लेशियर' कहा जाता है, कहाँ स्थित है?

(a) ग्रीनलैंड
(b) पूर्वी अंटार्कटिका
(c) पश्चिमी अंटार्कटिका
(d) स्वालबार्ड

उत्तर: (c) गर्म समुद्री जल इसे नीचे से पिघलाता है।

25. विश्व बैंक के वैश्विक आर्थिक संभावनाएँ (जनवरी 2026) ने भारत की FY26 वृद्धि का अनुमान कितना लगाया?

(a) 6.3%
(b) 6.5%
(c) 7.2%
(d) 7.4%

उत्तर: (c) इसने FY27 के लिए 6.5% का अनुमान लगाया है।

26. 2024 में स्वीकृत नेक्स्ट जनरेशन लॉन्च व्हीकल (NGLV) को निम्न भू-कक्षा (LEO) तक अधिकतम कितना पेलोड ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है?

(a) 10 टन
(b) 20 टन
(c) 30 टन
(d) 50 टन

उत्तर: (c) इसका पहला चरण पुनः प्रयोज्य (रीयूज़ेबल) होगा।

27. निम्नलिखित में से कौन सैन्य क्वांटम मिशन नीति ढाँचे (जनवरी 2026) के चार स्तंभों में से एक नहीं है?

(a) क्वांटम संचार
(b) क्वांटम संवेदन और मापिकी (मेट्रोलॉजी)
(c) क्वांटम जीवविज्ञान
(d) क्वांटम पदार्थ और उपकरण

उत्तर: (c) चौथा स्तंभ क्वांटम कंप्यूटिंग है।

28. राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के अंतर्गत क्वांटम संचार का थीमैटिक हब कहाँ स्थित है?

(a) IISc बेंगलुरु
(b) IIT मद्रास
(c) IIT बॉम्बे
(d) IIT दिल्ली

उत्तर: (b) इसका संचालन C-DOT के साथ किया जाता है।

29. हल्के जल रिएक्टरों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. वे साधारण जल को मंदक (मॉडरेटर) के रूप में उपयोग करते हैं।
2. वे प्राकृतिक यूरेनियम पर चल सकते हैं।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a) LWR को समृद्ध यूरेनियम चाहिए; PHWR प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग करते हैं।

30. SHANTI अधिनियम, 2025 ने निम्नलिखित में से किसे निरस्त किया?
1. परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962
2. परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010
3. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) यह परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (AERB) को वैधानिक दर्जा भी देता है।

31. बाह्य अंतरिक्ष संधि के किस अनुच्छेद के तहत पंजीकरण करने वाला देश किसी अंतरिक्ष वस्तु पर अधिकार-क्षेत्र बनाए रखता है?

(a) अनुच्छेद II
(b) अनुच्छेद IV
(c) अनुच्छेद VI
(d) अनुच्छेद VIII

उत्तर: (d) अनुच्छेद II बाह्य अंतरिक्ष पर राष्ट्रीय स्वामित्व (अधिग्रहण) को प्रतिबंधित करता है।

32. भारत ने निम्नलिखित में से किस पर हस्ताक्षर किए हैं, किंतु उसका अनुसमर्थन नहीं किया है?

(a) बाह्य अंतरिक्ष संधि
(b) दायित्व अभिसमय (लायबिलिटी कन्वेंशन)
(c) पंजीकरण अभिसमय (रजिस्ट्रेशन कन्वेंशन)
(d) चंद्रमा समझौता (मून एग्रीमेंट)

उत्तर: (d) भारत अन्य तीनों का पक्षकार है।

33. जनवरी 2026 में उद्घाटित आइस मेमोरी सैंक्चुअरी कहाँ स्थित है?

(a) स्वालबार्ड
(b) कॉनकॉर्डिया स्टेशन, अंटार्कटिका
(c) ग्रीनलैंड हिम चादर
(d) मों ब्लां

उत्तर: (b) हिम कोर लगभग -50°C पर एक हिम गुफा में रखे जाते हैं।

34. CSE के आकलन के अनुसार, 2025 में भारत में लगभग कितने दिनों में चरम मौसम की घटनाएँ हुईं?

(a) 60% दिनों में
(b) 75% दिनों में
(c) 85% दिनों में
(d) 99% दिनों में

उत्तर: (d) पहले 334 दिनों में से 331 दिन।

35. राजेंद्र एन. शाह मामले (2021) में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि संविधान का भाग IXB लागू होता है:

(a) सभी सहकारी समितियों पर
(b) केवल बहु-राज्य सहकारी समितियों पर
(c) केवल शहरी सहकारी बैंकों पर
(d) किसी भी सहकारी समिति पर नहीं

उत्तर: (b) सहकारी समितियाँ राज्य का विषय हैं (सूची II, प्रविष्टि 32)।

36. संघ और किसी राज्य के बीच विवाद सर्वोच्च न्यायालय के मूल अधिकार-क्षेत्र में किस अनुच्छेद के अंतर्गत आते हैं?

(a) अनुच्छेद 32
(b) अनुच्छेद 131
(c) अनुच्छेद 136
(d) अनुच्छेद 226

उत्तर: (b) यह ED रिट याचिका मामले से संबंधित है।

37. RBI की 'भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति' रिपोर्ट 2024-25 में बैंक धोखाधड़ी में शामिल राशि में वृद्धि मुख्यतः किस कारण से थी?

(a) UPI धोखाधड़ी में उछाल
(b) सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्णय के बाद पुराने मामलों की पुनः रिपोर्टिंग
(c) सहकारी बैंकों में धोखाधड़ी
(d) विदेशी मुद्रा धोखाधड़ी

उत्तर: (b) ₹18,336 करोड़ के 122 मामलों की पुनः रिपोर्टिंग की गई।

38. लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढाँचे के तहत RBI का मुद्रास्फीति लक्ष्य है:

(a) 2% ± 1%
(b) 4% ± 2%
(c) 5% ± 1%
(d) 6% ± 2%

उत्तर: (b) यह RBI अधिनियम की धारा 45ZA के तहत निर्धारित किया जाता है।

39. RFCTLARR अधिनियम, 2013 के तहत निजी कंपनियों के लिए अधिग्रहित भूमि हेतु कितने प्रभावित परिवारों की सहमति आवश्यक है?

(a) 50%
(b) 60%
(c) 70%
(d) 80%

उत्तर: (d) PPP परियोजनाओं के लिए यह 70% है।

40. NCRB की ADSI 2023 रिपोर्ट के अनुसार, कृषि क्षेत्र की आत्महत्याओं में किस समूह का हिस्सा अधिक था?

(a) कृषक (कल्टीवेटर)
(b) खेतिहर मज़दूर
(c) काश्तकार (टेनेंट) किसान
(d) बराबर हिस्सा

उत्तर: (b) 4,690 कृषकों की तुलना में 6,096 खेतिहर मज़दूर।

41. निम्नलिखित में से कौन दक्षिण अमेरिका के कैरिबियन तट पर स्थित है?

(a) इक्वाडोर
(b) वेनेज़ुएला
(c) बोलीविया
(d) पराग्वे

उत्तर: (b) इक्वाडोर प्रशांत तट पर है; बोलीविया और पराग्वे स्थलरुद्ध हैं।

42. होर्मुज़ जलडमरूमध्य फ़ारस की खाड़ी को किससे जोड़ता है?

(a) लाल सागर
(b) अदन की खाड़ी
(c) ओमान की खाड़ी
(d) कैस्पियन सागर

उत्तर: (c) यह ईरान और ओमान के मुसंदम प्रायद्वीप के बीच स्थित है।

43. निम्नलिखित नैतिक विचारों पर विचार कीजिए:
1. अज्ञानता का पर्दा (वेल ऑफ़ इग्नोरेंस)
2. लोगों के साथ साध्य के रूप में व्यवहार करो, कभी केवल साधन के रूप में नहीं
3. स्वर्णिम मध्य (गोल्डन मीन)
कौन-सा विचारक सही सुमेलित है?

(a) 1-कांट
(b) 2-कांट
(c) 3-रॉल्स
(d) 1-अरस्तू

उत्तर: (b) 1 रॉल्स का, 2 कांट का, 3 अरस्तू का है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास

प्रश्न 1. भारत-EU मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को 'सभी समझौतों की जननी' कहा गया है। भारत की व्यापार रणनीति के लिए इसके महत्व और शेष चुनौतियों का परीक्षण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 2. नियम-आधारित व्यवस्था और सामरिक स्वायत्तता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के आलोक में वेनेज़ुएला में अमेरिकी अभियान पर भारत की प्रतिक्रिया का आकलन कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 3. ग्रीनलैंड को लेकर सहयोगियों पर और ईरान के साझेदारों पर शुल्कों का प्रयोग दर्शाता है कि व्यापार दबाव (कोअर्शन) का उपकरण बनता जा रहा है। भारत की विदेश और व्यापार नीति के लिए इसके निहितार्थों की चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 4. क्या भारत को 'बोर्ड ऑफ़ पीस' में शामिल होना चाहिए? संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित बहुपक्षवाद के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और पश्चिम एशिया में उसके हितों के आलोक में परीक्षण कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 5. 2026 में भारत की BRICS अध्यक्षता महाशक्ति प्रतिद्वंद्विता के समय में आई है। भारत की प्राथमिकताएँ क्या होनी चाहिए, और उसे किन बाधाओं का सामना करना पड़ेगा? (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 6. भारत-UAE संबंध व्यापार से आगे बढ़कर सामरिक हो गए हैं। हाल के समझौतों के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 7. EU का CBAM भारतीय निर्यातों को कैसे प्रभावित करता है, और भारत को घरेलू स्तर पर तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए? (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 8. धारा 17A ईमानदार अधिकारियों की रक्षा करना चाहती है, किंतु भ्रष्ट लोगों को भी संरक्षण दे सकती है। न्यायिक पूर्व-निर्णयों के आलोक में चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 9. जनगणना 2027 में जाति गणना के नीति-निर्माण और संघीय संतुलन के लिए महत्व का मूल्यांकन कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 10. किसी पारितंत्र को एक ही भौतिक मानदंड से परिभाषित करना उसके संरक्षण को कमज़ोर कर सकता है। अरावली परिभाषा मामले के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 11. स्टार्टअप इंडिया के दस वर्षों ने उद्यमिता का विस्तार तो किया है, किंतु नवाचार को अभी गहरा नहीं किया है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 12. PSLV के तीसरे चरण में लगातार दो विफलताएँ भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं पर प्रश्न उठाती हैं। चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 13. मनरेगा (MGNREGA) को VB-G RAM G अधिनियम से बदलने से गारंटी तो बढ़ती है, किंतु लागत का भार राज्यों पर जाता है। ग्रामीण कल्याण और राजकोषीय संघवाद के लिए इसके निहितार्थों का परीक्षण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 14. 'अनुच्छेद 176 के तहत राज्यपाल का अभिभाषण एक संवैधानिक कर्तव्य है, विवेकाधीन शक्ति नहीं।' हाल के विवादों के आलोक में चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 15. मासिक धर्म स्वास्थ्य को अनुच्छेद 21 के भाग के रूप में मान्यता देना कल्याण से अधिकार की ओर बदलाव को दर्शाता है। सर्वोच्च न्यायालय के जनवरी 2026 के निर्णय के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 16. अरब लीग के साथ एक संरचित साझेदारी पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ़्रीका में भारत के हितों की पूर्ति कैसे कर सकती है? (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 17. भारत का अंतरिक्ष रोडमैप उसकी प्रक्षेपण क्षमता से अधिक महत्वाकांक्षी हो गया है। गगनयान, NGLV और निजी प्रक्षेपण कंपनियों के संदर्भ में परीक्षण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 18. क्या एक पृथक AI क़ानून की तुलना में 'टेक्नो-लीगल' दृष्टिकोण भारत के लिए अधिक उपयुक्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 19. SHANTI अधिनियम, 2025 के तहत भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को खोलने के अवसरों और जोखिमों की चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 20. क्वांटम प्रौद्योगिकियाँ राष्ट्रीय सुरक्षा को कैसे बदल सकती हैं? भारत की हाल की नीतिगत पहलों के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 21. क्षेत्रीय (टेरिटोरियल) पेटेंट क़ानून अंतरिक्ष में स्थायी मानवीय उपस्थिति के साथ सहज रूप से मेल नहीं खाता। चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 22. 'आपदाओं में पहले प्रतिक्रियाकर्ता समुदाय होते हैं।' हिमालयी राज्यों में समुदाय-आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन की भूमिका की चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 23. साइबरस्पेस युद्ध का पाँचवाँ क्षेत्र है। भारत की तैयारी का आकलन कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 24. बहुत कम मुद्रास्फीति भी एक नीतिगत समस्या हो सकती है। भारतीय संदर्भ में चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 25. भूमि अधिग्रहण भारत में अवसंरचना के लिए सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। सुधार सुझाइए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 26. डिजिटल लत और छात्रों का मानसिक संकट उभरती सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियाँ हैं। एक नीतिगत प्रतिक्रिया सुझाइए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 27. स्वदेशी आंदोलन के दौरान जन-लामबंदी में गीतों, समाचार-पत्रों और प्रतीकों की भूमिका की चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 28. 'ईमानदार निर्णय-निर्माण की रक्षा करना और भ्रष्टाचार को रोकना परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीं हैं।' लोक प्रशासन के उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (GS IV, 10 अंक, 150 शब्द)

56 | पुनरावृत्ति पुनरावृत्ति

बुकमार्क करने योग्य आधिकारिक स्रोत

मासिक करेंट अफ़ेयर्स के लिए सबसे अधिक उपयोग होने वाली आधिकारिक साइटें खोलने हेतु स्कैन या क्लिक कीजिए।

- **पत्र सूचना कार्यालय (PIB)** https://pib.gov.in
- **विदेश मंत्रालय (MEA)** https://www.mea.gov.in
- **पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च (PRS)** https://prsindia.org

57 | स्रोत पुनरावृत्ति

स्रोत और टिप्पणियाँ

- **भारत-EU FTA:** यूरोपीय आयोग का सारांश और प्रेस सामग्री; यूरोपीय परिषद का शिखर सम्मेलन पृष्ठ (27 जनवरी 2026); विधि फ़र्मों और थिंक-टैंकों की ब्रीफ़िंग।
- **वेनेज़ुएला:** विदेश मंत्रालय का 4 जनवरी 2026 का वक्तव्य; AP और PTI की रिपोर्टें; The Wire और Deccan Herald का कवरेज।
- **ग्रीनलैंड और बोर्ड ऑफ़ पीस:** हाउस ऑफ़ कॉमन्स लाइब्रेरी ब्रीफ़िंग; AP, ABC, CNN, CBS और Al Jazeera की रिपोर्टें (17-22 जनवरी); व्हाइट हाउस की 22 जनवरी की विज्ञप्ति; ऑल इंडिया रेडियो।
- **ईरान:** ABC, CNBC, Al Jazeera और ऑल इंडिया रेडियो की रिपोर्टें (12-13 जनवरी 2026)।
- **भारत-UAE:** MEA और PM India का संयुक्त वक्तव्य और परिणामों की सूची (19 जनवरी 2026); UAE प्रेसिडेंशियल कोर्ट की विज्ञप्ति; ADNOC गैस का वक्तव्य।
- **BRICS:** 13 जनवरी के शुभारंभ पर MEA/IANS की रिपोर्टें; ISAS (NUS) का 19 जनवरी 2026 का ब्रीफ़।
- **CBAM:** RIS पॉलिसी ब्रीफ़ 128 (जनवरी 2026); EU को निर्यात पर GTRI का विश्लेषण।
- **आर्थिक सर्वेक्षण:** पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च का सारांश; 29 जनवरी 2026 की Business Today और Outlook Money की रिपोर्टें।
- **IMF और WEF:** IMF WEO अपडेट (19 जनवरी 2026), जैसा ऑल इंडिया रेडियो और Reuters/PTI ने बताया; वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2026 पर WEF की प्रेस विज्ञप्ति (14 जनवरी)।
- **स्टार्टअप इंडिया:** स्टार्टअप इंडिया पोर्टल (राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2026 पृष्ठ); DPIIT के आँकड़े, जैसा बताया गया।
- **अरावली:** ऑल इंडिया रेडियो (21 जनवरी 2026); Bar and Bench; The Leaflet; Outlook Business।
- **धारा 17A:** ऑल इंडिया रेडियो की समाचार रिपोर्ट (14 जनवरी 2026); Bar and Bench (13 जनवरी 2026)।

- **जनगणना 2027:** गृह मंत्रालय की अधिसूचना, जैसा ऑल इंडिया रेडियो और ETV Bharat ने बताया (7-8 जनवरी 2026); प्रश्नों की अधिसूचना (22 जनवरी 2026)।
- **UGC विनियम:** 29 जनवरी 2026 के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर The News Minute, Deccan Chronicle और Free Press Journal की रिपोर्टें।
- **गणतंत्र दिवस और पद्म पुरस्कार:** 16 और 21 जनवरी 2026 की PIB विज्ञप्तियाँ; संस्कृति मंत्रालय; गृह मंत्रालय की पद्म सूची (25 जनवरी)।
- **PSLV-C62:** ISRO के वक्तव्य, जैसा ऑल इंडिया रेडियो (12 जनवरी 2026) और IANS ने बताया।
- **नए लेख:** भारत-अरब बैठक पर MEA और ऑल इंडिया रेडियो; VB-G RAM G पर राजपत्र और PIB सामग्री, जैसा बताया गया; राज्यपालों के अभिभाषणों पर ETV Bharat और विश्लेषणात्मक लेख; मासिक धर्म स्वास्थ्य निर्णय पर Hitavada, The Wire और LiveLaw-आधारित रिपोर्टें।
- **प्रारंभिक परीक्षा खंड:** PIB और मंत्रालयों की अधिसूचनाएँ, रामसर घोषणाएँ (30-31 जनवरी), विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र की विज्ञप्तियाँ, और जनवरी 2026 की समाचार रिपोर्टें; मुख्य आँकड़ों का एक से अधिक रिपोर्टों से मिलान किया गया।
- **त्वरित तथ्य:** PM India का संयुक्त वक्तव्य (भारत-जर्मनी); बुलेटिन ऑफ़ द एटॉमिक साइंटिस्ट्स; निपाह पर WHO डिज़ीज़ आउटब्रेक न्यूज़; Henley and Partners; UNRIC और FAO।
- **गगनयान और ISRO:** ISRO अध्यक्ष की 30 जनवरी 2026 की टिप्पणियाँ, जैसा IANS और ETV Bharat ने बताया; NGLV पर मंत्रिमंडल की विज्ञप्ति (18 सितंबर 2024); अंतरिक्ष विभाग की वर्षांत समीक्षा 2025।
- **AI शासन:** प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PSA) कार्यालय का श्वेत पत्र (जनवरी 2026), जैसा MediaNama और Vision IAS ने सारांशित किया।
- **परमाणु:** SHANTI विधेयक पर PIB की पृष्ठभूमि सामग्री (दिसंबर 2025)।
- **क्वांटम:** DRDO समाचार कतरनें (23 जनवरी 2026); Insights IAS; राष्ट्रीय क्वांटम मिशन पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का पृष्ठ।
- **चरम मौसम:** CSE और Down To Earth, स्टेट ऑफ़ एक्सट्रीम वेदर 2025।
- **आइस मेमोरी:** विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) की विज्ञप्ति (14 जनवरी 2026)।
- **ED रिट मामला:** ETV Bharat की 20 जनवरी 2026 की रिपोर्ट।
- **बैंक धोखाधड़ी:** भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति पर RBI रिपोर्ट 2024-25, जैसा Rau's IAS Compass ने सारांशित किया।
- **मुद्रास्फीति:** MoSPI की CPI विज्ञप्तियाँ, जैसा ETV Bharat ने बताया (12 जनवरी 2026); RBI की दिसंबर 2025 की नीति, जैसा SCC Online और Outlook Money ने बताया।
- **किसान आत्महत्याएँ:** NCRB ADSI 2023, जैसा Down To Earth ने विश्लेषित किया।
- **वंदे मातरम् (इतिहास खंड):** गणतंत्र दिवस 2026 पर संस्कृति मंत्रालय और PIB की विज्ञप्तियाँ।
- **मानचित्र:** अक्षांश और देशांतर से अंकित अवस्थिति आरेख; इनमें कोई सीमा नहीं दिखाई गई है।

ⓘ कृपया उपयोग से पहले जाँच लें

- यह अंक 31 जनवरी 2026 तक की घटनाओं को शामिल करता है। वेनेज़ुएला और ग्रीनलैंड की स्थितियाँ, ईरान संकट, UGC और अरावली मामले, PSLV-C62 के मूल कारण के निष्कर्ष और भारत-EU का क़ानूनी पाठ उसके बाद भी बदलते रहे।
- बोर्ड ऑफ़ पीस की सदस्यता के आँकड़े विभिन्न रिपोर्टों में भिन्न हैं (निमंत्रण और हस्ताक्षरकर्ता हर सप्ताह बदलते रहे)। ईरान में हताहतों के आँकड़े मानवाधिकार समूहों से आते हैं और उनमें बहुत अंतर है।
- भारत-EU समझौते के व्यापार-उदारीकरण प्रतिशत विभिन्न स्रोतों में अलग-अलग शब्दों में बताए गए हैं। आयोग द्वारा प्रकाशित अध्याय सारांश देखें।
- स्टार्टअप रोज़गार के आँकड़े स्रोत के अनुसार भिन्न हैं; यह अंक उनका उपयोग नहीं करता।
- VB-G RAM G: जनवरी तक प्रारंभ तिथि और नियम लंबित थे; उपयोग से पहले अधिसूचित प्रारंभ तिथि और मज़दूरी दरें जाँच लें।
- प्रारंभिक परीक्षा के संक्षिप्त नोट्स केवल आवश्यक बातें देते हैं। प्रजातियों, संरक्षित क्षेत्रों और रक्षा प्रणालियों के लिए याद करने से पहले IUCN स्थिति, विस्तार-क्षेत्र और विनिर्देश आधिकारिक स्रोतों से पुष्टि करें।
- कुछ समाचार रिपोर्टों में WHO के दो पुष्ट मामलों से अधिक निपाह मामलों का उल्लेख था। लेख WHO का अनुसरण करता है।
- 'अनुकूलन के रूप में विकास' पर व्यय का आँकड़ा (GDP का 5.6%) एक द्वितीयक सारांश से लिया गया है। इसे स्वयं सर्वेक्षण से मिलाएँ।
- 2024 आधार वर्ष वाली नई CPI शृंखला 12 फ़रवरी 2026 को जनवरी के आँकड़ों के साथ जारी हुई, इसलिए वह फ़रवरी अंक का विषय है।
- **अन्य स्रोतों में सुधार:** कुछ पत्रिकाएँ 2023 में कृषि क्षेत्र की आत्महत्याओं में 75% वृद्धि बताती हैं; NCRB के आँकड़ों के अनुसार किसान आत्महत्याएँ लगभग 10% घटीं और मज़दूरों की आत्महत्याएँ स्थिर रहीं। कुछ स्रोत माधव गाडगिल को 1981 में पद्म भूषण बताते हैं; उनका 1981 का सम्मान पद्म श्री था।
- **कम विस्तार से जाँचे गए** (एक अस्थायी शोध सीमा के कारण जाँच अधूरी रही): छात्र आत्महत्याओं पर सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम निर्देश, तेलंगाना में आवारा कुत्तों के आँकड़े, बॉम्बे उच्च न्यायालय का PITA निर्णय, PRAGATI विलंब विश्लेषण, त्रिपुरा में हाइड्रोकाइनेटिक टर्बाइन स्थल, ACASA-India एटलस, और वेनेज़ुएला हमले में साइबर अभियानों की भूमिका। पाठ में इन्हें 'जैसा बताया गया' के रूप में चिह्नित किया गया है या सामान्य रखा गया है।
- **जान-बूझकर सामान्य रखे गए:** ISRO की 2025 की प्रक्षेपणों की सटीक संख्या, जो स्रोतों में भिन्न है, और राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के कुल आँकड़े, जो प्रायः बदलते रहते हैं।
- **अभी विकसित हो रहे:** गगनयान G1 का लक्ष्य मार्च 2026 था; जाँचें कि उसने उड़ान भरी या नहीं। AI सुरक्षा संस्थान और SHANTI अधिनियम के नियम भी जाँचें।
- नीतिशास्त्र केस स्टडी और निबंध विषय मौलिक अभ्यास सामग्री हैं, वास्तविक घटनाओं की रिपोर्ट नहीं।

इस अंक का समस्त पाठ Next-Gen PSC के लिए तैयार किया गया मौलिक लेखन है। आइकन: Font Awesome Free (CC BY 4.0)।